सुविचार
जिंदगी अगर अपने हिसाब से जीनी हैं तो कभी किसी के फैन मत बनो।

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
Published from Ranchi

Ranchi ● Friday, 01 September 2023 ● Year : 01 ● Issue : 226 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

एक मिनट के एक करोड़ कमाती है उर्वशी...

SHARE

सेंसेक्स	:	62,622.24
निफ्टी	:	18,534.40

SARAFA

सोना	:	5,740
चांदी	:	76.08

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

जया वर्मा सिन्हा बनीं रेलवे बोर्ड की पहली महिला सीईओ

NEW DELHI : केंद्र सरकार ने भारतीय रेलवे प्रबंधन सेवाएं (आईआरएमएस) की सदस्य (संचालन और व्यवसाय विकास) जया वर्मा सिन्हा को रेलवे बोर्ड की पहली महिला मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है। वह अनिल कुमार लाहोटी की जगह लेंगी। कैबिनेट की नियुक्ति समिति के सचिवालय ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

संसद का विशेष सत्र 18 से 22 सितंबर तक

NEW DELHI : केंद्र सरकार ने 18 से 22 सितंबर तक संसद का विशेष सत्र आयोजित किया है। संसदीय कार्य मंत्री प्रहलाद जोशी ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। जोशी ने एक्स पर कहा कि संसद का विशेष सत्र (17वीं लोकसभा का 13वां और राज्यसभा का 261वां सत्र) 18 से 22 सितंबर तक बुलाया जा रहा है। इसमें पांच बैठकें होंगी। अमृत काल के बीच संसद में सार्थक चर्चा और बहस की उम्मीद है। सरकार की ओर से अभी तक इस विशेष सत्र के एजेंडे के बारे में जानकारी नहीं दी गई है। यह सत्र 09 व 10 सितंबर को नई दिल्ली में होने वाले जी-20 के शिखर सम्मेलन के बाद हो रहा है।

संस्कृत से भारत का अनोखा रिश्ता : प्रधानमंत्री

NEW DELHI : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि संस्कृत से भारत का रिश्ता अनोखा है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर अपने सिलसिलेवार संदेश में कहा कि विश्व संस्कृत दिवस पर मेरी शुभकामनाएं। मैं उन सभी को बधाई देता हूं जो इसके प्रति जुनूनी हैं। संस्कृत से भारत का रिश्ता अनोखा है। उन्होंने कहा कि भारत आने वाले दिनों में जी20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। दुनियाभर से लोग भारत आएंगे और हमारी सर्वोत्तम संस्कृति के बारे में जानेंगे। उन्होंने कहा कि विश्व संस्कृत दिवस की शुभकामनाएं। मैं उन सभी की सराहना करता हूं जो इसके प्रति जुनूनी हैं। भारत का संस्कृत से बेहद खास रिश्ता है। इस महान भाषा का जश्न मनाने के लिए, मैं आप सभी से संस्कृत में एक वाक्य साझा करने का आग्रह करता हूं।

ओरमांझी में ट्रिपल मर्डर : सुअर चराने को लेकर कुदाल, दावली व टांगी से मारकर तीन की हत्या

मकई की खेती को नुकसान पहुंचाने को लेकर चल रहा था विवाद, चार आरोपी गिरफ्तार

CRIME REPORTER RANCHI : ओरमांझी थाना क्षेत्र स्थित झांसीटोली में दर्जनों लोगों ने झानेश्वर बेदिया, सरिता बेदिया और संजू बेदिया पर कुदाल, दाउली, लाठी से वार कर उन्हें मार डाला। पुलिस ने तीनों शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया है। पुलिस ने इस मामले में अभी तक सहजानाथ, राजो देवी और दो अन्य लोगों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों से ओरमांझी थाना में पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि कुछ दिन पहले मृतक झानेश्वेर बेदिया का सुअर उसके चचरे भाई सहजानाथ के खेत में चला गया था। सुअर ने खेत में लगा हुआ फसल नष्ट कर दिया था। इसी बात को लेकर झानेश्वर और सहजानाथ के बीच विवाद चल रहा था। बुधवार की रात झानेश्वर और सहजानाथ के बेटे में लड़ाई हुई थी। ग्रामीणों ने दोनों को काफी समझाने का प्रयास किया था लेकिन दोनों नहीं मान रहे थे। झानेश्वर अपनी दोनों पत्नी सरिता और संजू, बहन विद्या और तीनों बच्चों के साथ होटल में खाना बना रहा था। तभी सहजानाथ अपने दर्जनों रिश्तेदारों के साथ होटल पहुंचा और झानेश्वर पर के साथ मारपीट करने लगा। दोनों पत्नियों ने बीच बचाव का प्रयास किया तो उनके साथ भी मारपीट की जाने लगी। इसी बीच झानेश्वर ने अपने 12 वर्षीय बेटा को घर से मोबाइल लाने के लिए बोला। बेटा मोबाइल लाने चला गया। बहन विद्या और दो अन्य बच्चे मारपीट होता देख वहां से भाग गए। आरोपियों ने झानश्वेर और उसकी दोनों पत्नियों की हत्या करने के बाद वहां से भाग निकेल। पुलिस का कहना है कि घटना की सूचना पुलिस घटना स्थल पर पहुंची। पुलिस ने मामले की जांच की तो सहजानाथ का नाम सामने आया। गांव में घटना के बाद फोर्स की तैनाती कर दी गई है। मृतक के तीनों बच्चों पर पुलिस की विशेष नजर हैं। मृतक के परिवार वालों का कहना था कि आरोपी तीनों बच्चों पर हमला कर सकते हैं।

मृतक के पुत्र से पूछताछ करते रांची के प्रभारी ग्रामीण एसपी व इनसेट में मृतक झामेश्वर बेदिया व उसकी दो पत्नियां ● फोटोन न्यूज

मृतक झानेश्वर के तीनों बच्चों ने पुलिस को बताई आपबीती

मृतक झानेश्वर के तीनों बच्चें पुलिस को आरोपियों का नाम बताए। तीनों बच्चों ने पुलिस को बताया कि सहजानाथ कई लोगों के साथ होटल आया और पहले उनके पिता पर हमला किया। इसके बाद दोनों मां के साथ मारपीट होने लगी। माता पिता पर दाउली से वार हुआ तो वह गिर गए और उनके शरीर से खून निकलने लगा। इसके बाद बच्चें वहां से भाग निकले। बच्चों ने पुलिस से कहा कि वह नहीं भागते तो आरोपी उन्हें भी मार डालते। पुलिस सहजानाथ के घर पहुंची तो पता चला कि घर में कोई नहीं है। सहाजानाथ पत्नी के साथ होटल में बैठा हुआ है। पुलिस सहजानाथ और उसकी पत्नी को गिरफ्तार कर थाना ले आई। सहजानाथ ने बताया कि घटना के बाद वह डर गया था। इस वजह से उसने अपने बच्चों को भगा दिया। उसके बच्चे भी इस हत्याकांड में शामिल थे। बच्चों ने कहा कि मारपीट करने वाले सभी आरोपियों को पहचानते हैं। घटना के बाद दोपहर के वक्त एक आरोपी मृतक के होटल के पास से बाइक से पार हो रहा था। पुलिस और वहां मौजूद लोगों ने उसे पकड़ने का प्रयास किया लेकिन वह भागने में सफल रहा।

क्या है पूरा मामला

ग्रामीणों के अनुसार दोनों परिवारों के बीच पिछले एक सप्ताह से सुअर के चरने को लेकर विवाद चल रहा था। मामले को लेकर गांव में पंचायत भी हुई थी, लेकिन किसी ने इसकी जानकारी पुलिस को नहीं दी। गुरुवार को दिन के 11 बजे अचानक जनेश्वर के घर पर चीख पुकार मच गई। जब ग्रामीण वहां मौके पर पहुंचे तो उन्होंने देखा कि जनेश्वर और उसकी दोनों पत्नी जमीन पर खून से लथपथ पड़ी हुई हैं। तीनों को इतनी बेरहमी से मारा गया था कि उनके कई अंग कट गए थे।रांची डीआईजी अनूप बिरथरे ने बताया कि छोटे से विवाद की वजह से तीन लोगों की हत्या कर दी गई है। हत्याकांड में शामिल किसी भी शख्स को बख्शा नहीं जाएगा। गांव में एहतियातन पुलिस फोर्स तैनात कर दिया गया है।

भतीजे ने भागकर बचाई अपनी जान

घटना की सूचना मिलते ही बीच-बचाव करने पहुंचे झामेश्वर बेदिया के भतीजे संत राज बेदिया (22 वर्ष) पर भी हेमंत बेदिया व अन्य लोगों ने हमला कर दिया, जिससे उसके हाथ में गंभीर चोट लगी है। उसने भाग कर किसी तरह अपनी जान बचाया। मृतक झामेश्वर बेदिया का घायल भतीजा संतराज बेदिया ने ग्रामीण एसपी हरीश बिन जमा लिखित बयान दिया है कि अपने ही गोतिया सहज नाथ बेदिया के पुत्र हेमंत बेदिया, राजो देवी, सहज नाथ बेदिया, अनुज बेदिया, रमेश बेदिया, गुंजा देवी, कामेश बेदिया, रंजीत बेदिया, संजीत बेदिया, सुरेंद्र बेदिया, मुरती देवी, पंचित बेदिया, पंचित की पत्नी, महेंद्र बेदिया, महेंद्र की पत्नी व मां सहित अन्य लोगों ने हमला कर तीनों को मार डाला है। ग्रामीण एसपी हरीश बिन जमा ने घटना स्थल पर पहुंच कर एक-एक बिंदू की पड़ताल की। इसके साथ ही झामेश्वर बेदिया के परिजनों से मिलकर कर हर संभव मदद करने व हत्यारों की जल्द गिरफ़्तारी का आश्वासन दिया। ग्रामीणों में इतनी दहशत ती कि कोई ग्रामीण डर से घटना के बारे बताने से डर रहा था। घटना स्थल के आसपास के सभी घरों में ताला लटका हुआ था। घटना को अंजाम देकर सभी आरोपी आसपास के जंगलों में छिप गए थे।

I.N.D.I.A गठबंधन की बैठक में नेताओं ने कहा- देश और संविधान बचाने साथ आए

मुंबई के ग्रैंड हयात होटल में दो दिवसीय बैठक शुरू

AGENCY MUMBAI : मुंबई के ग्रैंड हयात होटल में गुरुवार को इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल अलायंस (इंडिया) की तीसरी बैठक शुरू हुई। इसमें नेताओं ने कहा कि वे देश और संविधान को बचाने साथ आए हैं। भाजपा से निपटने के लिए एक साझा प्रोग्राम तैयार किया जाएगा। दो दिन की बैठक आज शुक्रवार को भी जारी रहेगी। बैठक में 28 दलों के नेता शामिल हुए। बैठक में लालू प्रसाद यादव ने कहा कि देश की एकता और संप्रभुता को मजबूत रखने की जरूरत है। देश के संविधान और लोकतंत्र को बचाना होगा। मोदी सरकार गरीबी, बेरोजगारी और किसानों के कल्याण के मुद्दे पर फेल रही है। हम साझा प्रोग्राम तैयार कर रहे हैं। तेजस्वी यादव ने कहा कि पिछले साल लालू यादव और नीतीश कुमार ने एकसमान सोच वाली विपक्षी पार्टियों को एकजुट करने का काम किया था। अब एक साल बाद विपक्ष के इंडिया गठबंधन की तीसरी बैठक हो रही है। अगर हम उम्मीदें पूरी नहीं कर पाए तो लोग माफ नहीं करेंगे। महबूबा मुफ्ती ने कहा कि जवाहर लाल नेहरू से लेकर मनमोहन सिंह ने देश और युवाओं को दिशा दी। जेएनयू, आईआईएम और इसरो जैसे संस्थान बनाए।

इंडिया गठबंधन की बैठक में शामिल ममता बनर्जी, नीतीश कुमार व अन्य।

बैठक में शामिल होने मुंबई पहुंचे सीएम हेमंत सोरेन

RANCHI : विपक्षी दलों के गठबंधन आइएनडीआईए की बैठक में शामिल होने के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन गुरुवार को मुंबई पहुंचे। सीएम के साथ उनकी पत्नी कल्पना सोरेन भी मुंबई गयी हैं। राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी, बिहार के सीएम नीतीश कुमार, दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल, बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव समेत देश के 28 विपक्षी दलों के नेता बैठक में हिस्सा ले रहे हैं। गठबंधन की तीसरी दो दिवसीय बैठक में कई बड़े फैसले लिये जा सकते है। बैठक की मेजबानी शिवसेना (यूबीटी) कर रही है।

सीएम को बड़ी बहन अंजनी सोरेन ने बांधा रक्षा सूत्र

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को रक्षाबंधन पर गुरुवार को उनकी बड़ी बहन अंजनी सोरेन ने रक्षा सूत्र बांधा तथा उनके दीघार्यु होने की कामना की। मुख्यमंत्री की चचेरी बहन आशा सोरेन, संचला सोरेन एवं रेखा सोरेन ने भी राखी बांधी। मुख्यमंत्री ने सभी बहनों को आशीर्वाद एवं शुभकामनाएं दीं। कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवास में दुमका जिले के शिकारीपाड़ा प्रखंड के सीतासाल निवासी बहन मति सोरेन और दुमका जिले के मसलिया प्रखंड के रांगा गांव की बहन निर्मला किस्कु ने मुख्यमंत्री की कलाई पर राखी बांधकर उनके स्वस्थ एवं लम्बी उम्र की कामना की। मुख्यमंत्री ने उन्हें आशीर्वाद एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के पिता और राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन एवं माता रूपी सोरेन सहित अन्य परिजन उपस्थित थे।

पीएम मोदी के अमेरिकी दौरे पर हुआ था प्रौद्योगिकी हस्तांतरण का समझौता, अमेरिकी कांग्रेस ने दी मंजूरी

भारत में ही GE-414 विमान इंजन बनने का रास्ता साफ

AGENCY NEW DELHI : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिछले अमेरिकी दौरे के समय हुए जीई-414 विमान इंजन सौदे को अमेरिकी कांग्रेस ने मंजूरी दे दी है। अब प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के माध्यम से भारत में ही हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) जीई-414 इंजन का निर्माण कर सकेगा। भारत ने तेजस एमके-2 फाइटर जेट के लिए अमेरिका के साथ 99 जीई-414 का सौदा किया है। प्रोटोटाइप बनाने के लिए 8 एफ-414 इंजन पहले से ही एचएएल के पास हैं। प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में सुरक्षा संबंधी कैबिनेट समिति ने पिछले साल 31 अगस्त को इस बहुप्रतीक्षित परियोजना को मंजूरी दी थी। इसके बाद इस साल के अंत तक स्वदेशी बहुउद्देशीय लड़ाकू विमान तेजस मार्क-2 का प्रोटोटाइप आने की संभावना जताई गई थी, लेकिन इसके लिए इंजन फाइनल न होने से प्रोटोटाइप का विकास अधर में लटका था। प्रधानमंत्री मोदी के हालिया अमेरिकी दौरे में जीई-414 विमान इंजन भारत में ही विकसित किये जाने का समझौता होने बाद अब अमेरिकी कांग्रेस की भी मंजूरी मिलने से एलसीए तेजस मार्क-2 के निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। इसी माह भारत सरकार ने लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) तेजस मार्क-2 के 6 प्रोटोटाइप विमानों के निर्माण को मंजूरी दी थी। डीआरडीओ ने एलसीए तेजस मार्क-2 और पांचवीं पीढ़ी के एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) दोनों को एक ही इंजन से चलाने का फैसला किया है। वायुसेना ने भी तमाम तरह के परीक्षण करने के बाद लड़ाकू एएमसीए की डिजाइन को हरी झंडी दे दी है। विमान के कई हिस्से पहले ही बनाए जा चुके हैं। शुरू में कुल चार प्रोटोटाइप बनाकर इसकी पहली उड़ान 2026 में तय की गई है। यानी तब पांचवीं पीढ़ी का स्वदेशी लड़ाकू विमान भारतीय आसमान में उतरकर दुश्मनों के बीच नई हलचल पैदा करेगा। एएमसीए के डिजाइन और प्रोटोटाइप विकास के लिए सीसीएस की मंजूरी मिलने के बाद एएमसीए के प्रोटोटाइप का निर्माण होने की प्रक्रिया भी तेज होगी। रक्षा मंत्रालय के सूत्रों का कहना है कि तेजस मार्क-2 के प्रोटोटाइप विकास में लगभग 5-6 साल लगने का अनुमान है। एचएएल 15 साल या उससे अधिक की अवधि में 230 एलसीए मार्क-2 विमानों का निर्माण करेगा।

भारत से लड़ाकू हेलीकॉप्टर खरीदेगा केन्या

NEW DELHI : भारत की तीन दिवसीय यात्रा पर आये केन्या के रक्षा सचिव अदन बेयर डुएले ने भारत निर्मित लड़ाकू हेलीकॉप्टरों और नौसैनिक जहाजों सहित सैन्य उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला में रुचि दिखाई है। भारत-केन्या के मजबूत होते रक्षा संबंधों के बीच रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने नैरोबी की क्रेडिट लाइन बढ़ाने के लिए समर्थन का वादा किया है। केन्याई प्रतिनिधिमंडल ने अपने दौरे के आखिरी दिन गोवा और बेंगलुरु में भारतीय शिपयार्ड और रक्षा उद्योगों का दौरा किया। केन्या के रक्षा सचिव अदन बेयर डुएले के साथ रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को नई दिल्ली में द्विपक्षीय वार्ता की थी। उसी दिन रक्षा संबंधों को नई गति देते हुए गोवा शिपयार्ड लिमिटेड और केन्या शिपयार्ड लिमिटेड ने क्षमता निर्माण और जहाज डिजाइन और निर्माण में सहयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

AIMIM के प्रत्याशी रिजवी और नूरानी के खिलाफ एफआईआर

GIRIDIH : डुमरी विधानसभा उपचुनाव को लेकर ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुसिलमिन (एआईएमआईएम) द्वारा आयोजित सभा में एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी के भाषण के दौरान दर्शक दीर्घा से पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगने की बात सामने आने पर जिला प्रशासन ने कार्रवाई की है। इस मामले को लेकर जिले के गिरिडीह डीसी नमन प्रियेश लकड़ा और एसपी दीपक कुमार शर्मा ने निर्देश पर वीडियो अवलोकन दल ने भाषण के दौरान रिकॉर्ड वीडियो का अवलोकन किया। इसके बाद यह पाया गया कि भाषण के दौरान दर्शक दीर्घा से पाकिस्तान जिंदाबाद का नारा लगाया गया था। इस संदर्भ में संबंधित उड़नदस्ता दल, डुमरी के द्वारा डुमरी थाना में एआईएमआईएम पार्टी प्रत्याशी अब्दुल मोबिन रिजवी, मुजफ्फर हसन नूरानी एवं अन्य अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता एवं लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के सुसंगत धाराओं के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

डुमरी उपचुनाव से पहले विस्फोटकों का जखीरा जब्त

नक्सलियों की साजिश को जवानों ने किया नाकाम

CRIME REPORTER GIRIDIH : डुमरी में होने वाले उपचुनाव को लेकर गिरिडीह पुलिस पूरी तरह से मुस्तैद है। गुरुवार को सुबह पुलिस की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर नक्सलियों के खिलाफ सर्च अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस ने नक्सलियों की बड़ी साजिश को नाकामयाब कर दिया। पुलिस ने हरलाडीह के इलाके में छापामारी कर विस्फोटकों का जखीरा बरामद किया है। नक्सलियों के द्वारा विस्फोटकों को जमीन के अंदर छिपा कर रखा गया था। पुलिस ने भारी मात्रा में हाई एक्सप्लोसिव, कई कार्टून कोडेक्स वायर, जिलेटिन, डेटोनेर के साथ कई विस्फोटक सामग्रियां जब्त कीं हैं। फिलहाल इलाके में नक्सलियों के खिलाफ सर्च अभियान चलाया जा रहा है।

वाहन जांच के दौरान 1.40 लाख रुपये जब्त

दूसरी तरफ जिला निर्वाचन पदाधिकारी के निर्देश पर वाहन जांच अभियान चलाया गया। इसी क्रम में चंद्रपुरा प्रखंड के जरूवा मोड़ चेकनाका पर वाहन जांच के दौरान प्रतिनियुक्त स्टैटिक सर्विलांस टीम (एस एस टीम) ने एक व्यक्ति के वाहन से 01 लाख 40 हजार रुपए बरामद किया। वाहन चालक निखिल कुमार से जब उस राशि से संबंधित दस्तावेज मांगा गया तो वह कोई भी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। जिसके बाद बरामद राशि को जब्त कर लिया गया।

BRIEF NEWS

जनता परिवर्तन के मूड में, एनडीए की जीत तय : सुनील सोरेन

GIRIDIH : दुमका के बीजेपी सांसद सुनील सोरेन ने कहा कि डुमरी विधानसभा क्षेत्र की जनता इस बार परिवर्तन चाह रही है। उपचुनाव में एनडीए प्रत्याशी यशोदा देवी की जीत पक्की है। क्षेत्र में एनडीए का चुनाव प्रचार करने आए सुनील सोरेन 31 अगस्त गुरुवार को डुमरी में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि डुमरी विधानसभा क्षेत्र का अब तक समुचित विकास नहीं हो सका है। क्षेत्र की जनता झामुमो से नाराज है और एनडीए की तरफ आशा भरी नजरों से देख रही है। उपचुनाव में हवा का रुख एनडीए के पक्ष में है। उन्होंने कहा कि जब से राज्य में हेमंत सोरेन की सरकार बनी है, विकास की गाड़ी थम सी गई है। केंद्र सरकार ने जनहित में कई योजनाएं शुरू की हैं, लेकिन इन योजनाओं को भी राज्य सरकार रोकने का काम कर रही है। उन्होंने लोगों से अपील की कि डुमरी क्षेत्र में विकास की नई लकीर खींचनी हैं, तो एनडीए प्रत्याशी यशोदा देवी को रिकॉर्ड मतों से विजय बनाएं। मौके पर भाजपा नेता पंकज सिंह, आदित्य पांडेय आदि मौजूद रहे।

संसद के विशेष सत्र को लेकर कांग्रेस ने उठाया सवाल

NEW DELHI: कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि संसद के विशेष सत्र को लेकर उन्हें किसी तरह की सूचना नहीं दी गई है। चौधरी ने गुरुवार को कहा कि संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी के ट्वीट से उन्हें सूचना मिली है कि संसद का विशेष सत्र 18 से 22 सितंबर तक चलेगा। चौधरी ने कहा कि उन्हें किसी भी तरह का नोटिस, पत्र या फोन करके इसकी जानकारी नहीं दी गई है। कांग्रेस सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने भी संसद के विशेष सत्र को लेकर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि पहले लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति के माध्यम से सदस्यों को सूचित किया जाता था। सरकार को बताना चाहिए कि मॉनसून सत्र के बाद विशेष सत्र बुलाने की क्या वजह है? उल्लेखनीय है संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने अपने ट्वीट में कहा कि संसद का विशेष सत्र (17वीं लोकसभा का 13वां सत्र और राज्यसभा का 261वां सत्र) आगामी 18 से 22 सितंबर के दौरान होगा, जिसमें 05 बैठकें होंगी। अमृत काल के समय में होने वाले इस सत्र में संसद में सार्थक चर्चा और बहस होने को लेकर आशान्वित हूं।

तीन सितंबर को होगा हजरत कुतुबुद्दीन रिसालदार बाबा दरगाह कमिटी का चुनाव

RANCHI: आठ साल बाद हजरत कुतुबुद्दीन रिसालदार बाबा दरगाह की नयी कमेटी का चुनाव तीन सितंबर को होगा। इसके लिए बाबा मुसाफिर खाना डोरंडा में सुबह 8 बजे से मतदान शुरू होगा। चुनाव को पारदर्शी बनाने के लिए गुरुवार को दिन के सुबह 11 बजे से लेकर शाम 5 बजे तक वोटर कार्ड का वितरण किया गया। मुख्य चुनाव संयोजक मोहम्मद इरफान ने बताया कि यह आम चुनाव नहीं है। तीन सितंबर को सबुह 8 बजे से दोपहर बाद तीन बजे तक मतदान होगा। शाम साढ़े चार बजे वोटों की गिनती शुरू होगी। उसी दिन रिजल्ट जारी किया जाएगा। दरगाह कमेटी के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महासचिव, सह सचिव, कोषाध्यक्ष पद के लिए चुनाव होना है। इसके अलावा 9 कार्यकारी सदस्य भी चुने जाएंगे। चुनाव में दरगाह कमेटी के 60 सदस्य शामिल होंगे।

पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद अजहरुद्दीन ने की इमरान प्रतापगढ़ी से मुलाकात

NEWS DELHI: तेलंगाना कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष एवं भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन ने कांग्रेस से राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी से उनके दिल्ली स्थित सरकारी आवास पर मुलाकात की। इस मुलाकात में मोहम्मद अजहरुद्दीन ने इमरान प्रतापगढ़ी को खास तौर पर इस बात के लिए बधाई दी कि उनके कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग का चेयरमैन बनने के बाद से कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग हर मोर्चे पर कांग्रेस पार्टी के साथ मजबूती से खड़ा नजर आया है। साथ ही अल्पसंख्यक विभाग का संगठन सारे देश में पहले से कई गुना मजबूत हुआ है।

ओवैसी पर देशद्रोह का मुकदमा चले : संजय सेठ

विशेष समुदाय के लोग झुंड में पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाते रहे, मूकदर्शक बने रहे ओवैसी

PHOTON NEWS RANCHI: सांसद संजय ने कहा कि डुमरी उप चुनाव में असदुद्दीन ओवैसी की सभा में पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए गए। इस पर देशद्रोह का मुकदमा चलना चाहिए। उन्होंने कहा कि ओवैसी की सभा में एक विशेष समुदाय के लोग झुंड बनाकर पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाते रहे और ओवैसी मूकदर्शक बने रहे। ओवैसी ने क्यों नहीं उन लड़कों को गिरफ्तार कराया? क्यों नहीं थाने में आपत्ति दर्ज कराई? सांसद गुरुवार को संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि झारखंड की पुलिस क्या कर रही थी? झारखंड की पुलिस ने त्वरित कार्रवाई क्यों नहीं की और अभी तक किसी की गिरफ्तारी क्यों नहीं हुई? यह तुष्टीकरण की राजनीति नहीं चलेगी। यह झारखंड में पहली घटना नहीं है। झारखंड में ऐसे कई घटनाएं घट चुकी है।

प्रेस वार्ता करते सांसद संजय सेठ • फोटोन न्यूज

मुहर्रम के जुलूस में भी पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए गए। सरकार ने क्यों एक्शन नहीं लिया? सेठ ने कहा यह एक सोची-समझी साजिश का हिस्सा है। झारखंड में डेमोग्राफी बदल रही है। बांग्लादेशी घुसपैठ कर रहे हैं। संथाल में बांग्लादेशियों को सरकार का संरक्षण प्राप्त है। इसका ही यह परिणाम है। उन्होंने चुनाव आयोग से अनुरोध किया कि ऐसे लोगों पर नजर रखें और फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाकर ऐसे लोगों को चिन्हित कर देशद्रोह का मुकदमा चलाकर सजा दिलायें। ऐसे लोगों को भारत में रहने का अधिकार नहीं है, जो पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाते हों।

डुमरी उप चुनाव में झामुमो ने पहले ही हार स्वीकारी : आदित्य साहू

भाजपा के प्रदेश महामंत्री ने सत्ता पक्ष पर बोला राजनीतिक हमला

- कहा– मणिपुर की चिंता करने वाले राज्य में महिलाओं की स्थिति पर नहीं बोलते
- दावा– जनता की मांग के बावजूद राज्य में काम नहीं किए गए पेट्रोल के दाम

PHOTON NEWS RANCHI: भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं सांसद आदित्य साहू ने गुरुवार को झामुमो पर बड़ा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि झामुमो के नेताओं का बयान बता रहा कि उन्होंने डुमरी उप चुनाव में मतदान से पहले ही हार स्वीकार कर लिया है। वे बौखलाहट में बयानबाजी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड में पिछले साढ़े तीन वर्षों में छह हजार से ज्यादा बहन बेटियों का बलात्कार नहीं रोक पाने वाली सरकार को आज महिलाओं की चिंता हो रही। उन्हें मणिपुर याद आ रहा लेकिन रुबिका पहाड़िया, अंकिता, रूपा तिर्की, शोभा टोपनो याद नहीं आ रही। उन्होंने कहा कि जनता की मांग पर राज्य में एक रुपया भी पेट्रोल डीजल के दामों में कमी नहीं करने वाली हेमंत सरकार और उनकी पार्टी को आज गैस सिलेंडर के दाम में दो सौ रुपये की कमी उपहास लग रहा है। साहू ने कहा कि बिना पिछड़ों के आरक्षण के पंचायत चुनाव कराने वाले, अब तक ट्रिपल टेस्ट प्रक्रिया को लटका कर रखने वाले, निकाय चुनाव नहीं कराने वाले को पिछड़े वर्ग की याद खूब आने लगी है। झामुमो बताए कि 2019 के चुनाव में किए गए घोषणाओं का क्या हुआ। पांच लाख नौकरियों का क्या हुआ? किसानों की ऋण माफी का क्या हुआ? रोजगार भत्ता का क्या हुआ? गरीबों के आवास का क्या हुआ? उन्होंने कहा कि आज डुमरी क्षेत्र में परिवर्तन का तूफान है। झामुमो कांग्रेस और राजद गठबंधन को रामगढ़ उप चुनाव से भी बड़ी चोट करने के लिए डुमरी की जनता ने कमर कस लिया है। ये जितना भी सत्ता और शक्ति का दुरुपयोग कर लें जनता इनके झांसे में नहीं आने वाली।

बाबूलाल मरांडी की जनसभा को सफल बनाने में जुटी भाजपा

बैठक में शमिल भाजपा के सदस्य • फोटोन न्यूज

- 4 सितंबर को बरही और डोमचांच में होगी बाबूलाल की जनसभा
- भाजपा की बैठक में मरांडी के आगमन पर हुई चर्चा

PHOTON NEWS KODARMA: भारतीय जनता पार्टी की एक बैठक कोडरमा विधायक डॉ। नीरा यादव के आवास पर गुरुवार को हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला उपाध्यक्ष शिवलाल सिंह तथा संचालन जिला मंत्री महेंद्र यादव ने किया। झारखंड प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी की संकल्प यात्रा की तैयारी एवं कार्यक्रम को सफल बनाने को लेकर बैठक में चर्चा हुई। बैठक में मुख्य रूप से विधायक डॉ. नीरा यादव उपस्थित हुईं। डॉ. नीरा यादव ने कहा कि बाबूलाल मरांडी संकल्प यात्रा के तहत पूरे प्रदेश के भ्रमण पर हैं। इस यात्रा के तहत 4 सितंबर को डोमचांच के चंद्रावती हाईस्कूल के बगल वाले मैदान में उनका आगमन होने जा रहा है। उन्होंने सभी मंडल अध्यक्षों से कहा कि सभी बूथ स्तरीय कार्यकर्ता इस कार्यक्रम में भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाएं। गोमो दुर्गा मंडप से सैकड़ों मोटरसाइकिल एवं गाड़ी से कार्यकताओं के साथ झुमरी तिलैया, कोडरमा बाजार होते हुए बाबूलाल सभा स्थल तक जाएंगे और पूरे कोडरमा विधानसभा को बैनर, पोस्टर, झंडे से भव्य रूप से सजाया जाएगा। प्रदेश कार्य समिति सदस्य रामचंद्र सिंह ने कहा प्रदेश अध्यक्ष के इस संकल्प यात्रा को भव्य और विशाल बनाने के लिए अधिक से अधिक संख्या में हर बूथों से कार्यकर्ता इस कार्यक्रम में पहुंचे। वहीं पूर्व जिलाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह ने कहा बाबूलाल मरांडी झुमरी तिलैया होते हुए जाएंगे। झुमरी तिलैया में उनका भव्य स्वागत होना चाहिए। मौके पर जिला उपाध्यक्ष शिवेंद्र नारायण सिन्हा, जिला मंत्री शशि भूषण प्रसाद, बैजनाथ यादव, जिला मीडिया प्रभारी चन्द्रशेखर जोशी ,प्रवीण पांडेय, युवा मोर्चा अध्यक्ष सूरज प्रताप मेहता, कोडरमा नगर मंडल अध्यक्ष नरेंद्र पाल, दिनेश सिंह, विजय यादव, मुकेश राम, जयशंकर प्रसाद, सुनील भारती ,चंदन बर्णवाल, राजेंद्र सिंह, पवन सिंह, सुधीर यादव ,परिमल सिंह, रविंद्र यादव, किशोर पंडित, सुदीप्तो घोष, हरि पंडित, महेश यादव नरेंद्र सिंह आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

चंदवारा में भाजपा की बैठक, संकल्प यात्रा को सफल बनाने का निर्णय

KODARMA: 4 सितंबर को बरही प्रखंड मैदान में होने वाली संकल्प यात्रा की तैयारी जोर शोर से चल रही है। इस क्रम में बरही विधानसभा के पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव के नेतृत्व में जनसंपर्क अभियान चलाया गया। इस दौरान पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव ने अपने कार्यकताओं के साथ चंदवारा प्रंखड के चंदवारा पूर्वी पंचायत भवन परिसर में अपने कार्यकताओं के साथ बैठक की। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष द्वारिका प्रसाद राणा ने किया। बैठक में 4 सितंबर को बरही प्रखंड मैदान में ज्यादा से ज्यादा संख्या में उपस्थित होकर संकल्प यात्रा को सफल बनाने का निर्माण लिया गया। इस दौरान पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव ने कहा कि 4 सितंबर को संकल्प यात्रा में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री सह भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी लोगों को संबोधित करेंगे। मौके पर सांसद प्रतिनिधि चन्दभूषण साव, उपाध्यक्ष आनंद मोदी, महामंत्री नन्दकिशोर सोनी, अनुसूचित मोर्चा जिला उपाध्यक्ष विनोद राम, प्रवीण कुमार उर्फ बंटी मोदी, कोषाध्यक्ष विनोद कुमार वर्णवाल, मुखिया रामदेव यादव, विजय यादव, रामदेव यादव, कृष्णा प्रसाद राणा, पिन्टू कुमार साव, मो. इस्साक, मो. युसुफ, मुकेश सिंह, सरयू महतो, विकास दास, रिंकु शर्मा, मनीष कुमार यादव, सुखदेव गुप्ता , संतोष यादव, ईश्वर यादव एवं पार्टी के कार्यकर्ता मौजूद थे।

डुमरी में 'इंडिया' की जीत तय, अपना कीमती वोट बर्बाद नहीं करें : सत्यानंद

राज्य के मंत्री ने बेबी देवी के समर्थन में चलाया जनसंपर्क अभियान

कलहाबार गांव में ग्रामीणों के साथ राज्य के मंत्री सत्यानंद भोक्ता व अन्य • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS GIRIDIH: राज्य के मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने 31 अगस्त गुरुवार को डुमरी विधानसभा उपचुनाव में 'इंडिया' गठबंधन की प्रत्याशी बेबी देवी के समर्थन में क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में जनसंपर्क अभियान चलाया। उन्होंने लोगों से कहा कि उपचुनाव में हवा का रुख 'इंडिया' के पक्ष में है। बेबी देवी की जीत तय है। इसलिए दूसरे के बहकावे में आकर अपना कीमती वोट बर्बाद नहीं करें। इंडिया प्रत्याशी को भारी मतों से विजयी बनाएं। कलहाबार गांव में अपने संबोधन में भोक्ता ने कहा कि स्वर्गीय जगन्नाथ महतो ने पिछले 18 वर्षों में डुमरी क्षेत्र के विकास के लिए जो काम किया है, उसे यहां की जनता भुला नहीं सकती है। उनके कुछ अधूरे सपनों को पूरा करने के लिए उनकी पत्नी और राज्य की मंत्री बेबी देवी मैदान में हैं। जगन्नाथ बाबू कोरोना काल में जनता की सेवा करते-करते खुद महामारी की चपेट में आ गए। आज वे इस दुनिया में नहीं हैं, इसलिए क्षेत्र की जनता की उनके प्रति बड़ी जिम्मेवारी है। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन की सरकार ने समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने का काम किया है। सरकार कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लोगों को मिल रहा है। वहीं दूसरी ओर केंद्र की मोदी सरकार की गतल नीतियों से देश की जनता महंगाई की मार झेल रही है। इससे पूर्व उन्होंने चीनोसमदा, चेंगरो सहित कई गावों का दौरा किया। मौके पर राजकुमार महतो, पंकज महतो, डेगलाल महतो सहित अन्य लोग मौजूद थे।

सत्ता के संरक्षण में राज्य में भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रहे बिचौलिए और दलाल : बाबूलाल

पूर्व मुख्यमंत्री ने डुमरी उप चुनाव में चलाया जनसंपर्क अभियान

PHOTON NEWS GIRIDIH: डुमरी उप चुनाव में एनडीए गठबंधन प्रत्याशी यशोदा देवी के चुनाव प्रचार में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने गुरुवार को डुमरी विधानसभा क्षेत्र के तेलो मंडल के तेलो पश्चिमी, भदाही पंचायत में आदिवासी टोला, सरैयाटांड़ सहित दर्जनों गांवों में जनसंपर्क अभियान चलाया। उन्होंने कहा कि आज राज्य में बिचौलिए और दलाल भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रहे और उन्हें सत्ता का संरक्षण प्राप्त है।

बाबूलाल मरांडी का स्वागत करते भाजपा के सदस्य • फोटोन न्यूज

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन महंगे वकील रखकर उन्हें बचाने में लगे हैं। पुलिस कानून व्यवस्था नहीं वसूली व्यवस्था संभाल रही है। मरांडी ने उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए भाजपा सरकार की उपलब्धियों और हेमंत सरकार की विफलताओं को उजागर किया। साथ ही एनडीए प्रत्याशी यशोदा देवी को भारी मतों से जिताने की अपील की। उन्होंने कहा झारखंड राज्य भाजपा और एनडीए की देन है। अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में भगवान बिरसा की जयंती पर राज्य की स्थापना हुई। भाजपा की सरकारें जब-जब बनीं राज्य के विकास को गति दी गई। बुनियादी सुविधाएं विकसित हुईं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार गांव गरीब किसान के लिए संकल्पित है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार की उपलब्धियां भी गिनाईं।

हेमंत सोरेन ने भ्रमजाल फैलाकर सत्ता पाई, नहीं पूरा किया वादा : सुदेश

PHOTON NEWS GIRIDIH: आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सारेन ने जनता के बीच भ्रमजाल फैलाकर सत्ता पाई है। बेरोजगार युवाओं को नौकरी से लेकर विकास का झूठा सपना दिखाया। लंबे-चौड़े वादे किए, लेकिन सत्ता में आने के बाद सभी वादे भूल गए। सुदेश महतो 31 अगस्त गुरुवार को डुमरी विधानसभा उपचुनाव में अपनी पार्टी की प्रत्याशी यशोदा देवी के पक्ष में डुमरी में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने पूर्वी डुमरी के विभिन्न गांवों में जाकर छोटी-छोटी सभाएं कीं और लोगों से यशोदा देवी को विजयी बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि बड़े मंचों से बातें करने की बजाय गांव में आम लोगों से सीधे संवाद करने आया हूं, ताकि उनका दुख-दार्द जान सकूं। राज्य सरकार पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन राजा के पुत्र हैं। मैं उन्हें राजनेता मानता ही नहीं, क्योंकि उन्होंने राज्य के लिए कभी पसीना तक नहीं बहाया।

सभा को संबोधित करते आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो • फोटोन न्यूज

एक तरफ चंद्रयान-3 में एचईसी की भूमिका की तारीफ तो दूसरी तरफ केंद्रीय मंत्री कहते हैं एचईसी की कोई भूमिका नहीं

केंद्र से उम्मीद नहीं, राष्ट्रीय धरोहर को बचाने के लिए आगे आएं हेमंत: वामदल

PHOTON NEWS RANCHI: वामदल एचईसी को बचाने के लिए अपना संघर्ष तेज करेंगे। इसके तहत वामदल कन्वेंशन करेंगे। राजभवन मार्च करेंगे। वामदलों ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मांग की है कि इस राष्ट्रीय धरोहर को बचाने के लिए वे आगे आएं। यह निर्णय माकपा कार्यालय में आयोजित वामदलों की बैठक में लिया गया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए हलधर महतो ने कहा कि केंद्रीय भारी अभियंत्रण उद्योग मंत्री कहते हैं कि एचईसी को केंद्र कोई सहायता नहीं करेगा। उसे स्वयं पूंजी जुटाना होगा। यह पूरी तरह से गैर जिम्मेदाराना बयान है। एक तरफ मिशन चंद्रयान झ 3 की सफल लांचिंग पर, जिसमें एचईसी के मजदूरों और इंजीनियरों की भी बड़ी भूमिका होती है। उन्हें बधाई देने के बजाय इसी केंद्रीय मंत्री ने नासमझी से भरा एक और बयान दे दिया कि चंद्रयान झ 3 के लांचिंग में एचईसी की कोई भूमिका नहीं है। ऐसे नासमझ केंद्रीय मंत्री से क्या उम्मीद रखी जा सकती है कि वो एचईसी के पुनरुद्धार के संबंध में कोई ठोस कदम उठाएंगे। इसलिए एचईसी को बचाने के लिए सभी राजनीतिक पार्टियों, जन संगठनों, सिविल सोसाइटी और ट्रेड यूनियनों के प्रतिनिधियों को लेकर एक एचईसी बचाओ मोर्चा का गठन किया। इस मोर्चे के बैनर तले हटिया और रांची के नागरिकों एक जन कन्वेंशन कर राजभवन के सामने प्रदर्शन किया जाएगा। एचईसी को बचाने की मांगों से संबंधित मुद्दों पर राज्यपाल के माध्यम से केंद्र सरकार को ज्ञापन भेजा जाएगा।

बैठक में उपस्थित माकपा के सदस्य • फोटोन न्यूज

राज्य सरकार एचईसी को अपने स्वामित्व में ले

वामदलों ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मांग की है कि इस राष्ट्रीय धरोहर को बचाने के लिए वे आगे आएं और इस कारखाना का अधिग्रहण कर इसे राज्य के स्वामित्व वाले सार्वजनिक राजकीय उद्यम के रूप में चलाएं। इसके लिए राज्य सरकार चाहे तो किसी वस्तु पर अतिरिक्त टैक्स लगा कर एचईसी को तत्काल कार्यशील पूंजी उपलब्ध कराए। इस प्लांट की अतिरिक्त जमीन जिस पर केंद्र सरकार का भारी अभियंत्रण मंत्रालय कब्जा जमाए बैठा है, राज्य सरकार को इनसे बात कर एचईसी की कुछ अतिरिक्त जमीन को लंबे अवधि की लीज पर केंद्रीय प्रतिष्ठानों को देना चाहिए, ताकि एक मुश्त राशि मिल सके। इस पैसे से एचईसी के प्लांट के आधुनिकीकरण का काम पूरा हो सकता है। वामदलों ने केंद्रीय मंत्रालय से मांग की है कि मजदूरों और अधिकारियों के बकाए वेतन का भुगतान अविलंब करे। बैठक में सीपीएम के प्रकाश विप्लव, समीर दास, प्रफुल्ल लिंडा, अमल आजाद, सीपीआई के महेंद्र पाठक, पीके पांडे, अजय सिंह, भाकपा माले के मनोज भक्त, विनोद आहरी, माससे के हलधर महतो और सुशांतो मुखर्जी के अलावा एटक के राज्य महासचिव अशोक यादव, हटिया कामगार यूनियन के लालदेव सिंह और सीटू के कार्यकारी अध्यक्ष भवन सिंह शामिल थे।

सीएम की पहल पर अस्पताल प्रबंधन ने नवजात को परिजनों को सौंपा

RANCHI: शहर के एक निजी अस्पताल में बुधवार को ऑपरेशन से बच्चे को जन्म देने के बाद हजारीबाग की महिला राखी कुमारी की मौत हो गई थी। मृतका के परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन को इलाज का खर्च देने में असमर्थता जताई। इसके बाद अस्पताल प्रबंधन ने महिला के शव और बच्चे को बंधक बना लिया। मामले की सूचना मुख्यमंत्री सचिवालय तक पहुंची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने फौरन मामले का संज्ञान लिया और जिला प्रशासन को ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए। जिला प्रशासन की कार्रवाई पर अस्पताल प्रबंधन ने महिला का शव और नवजात को परिजनों को सौंप दिया। बच्चा पिता करन भुइयां की गोद में सुरक्षित है।

सुदेश महतो बेबी देवी के साथ स्व जगरनाथ महतो की भी कर रहे अपमान : सुप्रियो भट्टाचार्य

चुनाव आयोग से सुदेश महतो को डुमरी में चुनावी प्रचार पर बैन लगाने की मांग

PHOTON NEWS RANCHI : झामुमो ने गुरुवार को भाजपा के साथ आजसू पार्टी के अध्यक्ष सुदेश महतो पर तीखे प्रहार किए। पार्टी के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने पार्टी कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में कहा कि लंबे समय तक भाजपा के साथ रहने वाले सुदेश महतो में उनके ही संस्कार आ गए हैं। यही कारण है कि वे न केवल एक महिला बेबी देवी बल्कि स्व जगरनाथ महतो का भी अपमान कर रहे हैं। सरकार का हर मंत्रालय अहम होता है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने उन्हें मद्यनिषेध विभाग दिया। क्या यह विभाग नहीं है। सुदेश महतो कह रहे हैं कि हेमंत सोरेन एक महिला और जगरनाथ महतो की पत्नी से दारू बेचवा रहे हैं। हद है। कोई चुनाव जीतने के लिए इतना नीचे स्तर तक कैसे जा सकता है। जब इसका जनविरोध हो रहा है, तो ये लोग चुनाव आयोग के पास जा रहे हैं। झामुमो चुनाव आयोग से मांग करता है कि वह सुदेश महतो को डुमरी में चुनावी प्रचार पर बैन लगाए।

प्रेस कांफ्रेंस में पत्रकारों से बातचीत करते सुप्रियो भट्टाचार्य ● फोटोन न्यूज

पीएम और भाजपा का महिला प्रेम पूरे देश ने देखा, अब नाटक कर रहे : सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा का महिला प्रेम मणिपुर और महिला पहलवान के मामले में पूरे देश ने देखा है। नौ साल तक महिला बहनों का खून चूसने वाले पीएम और भाजपा एलजीपी गैस में 200 रुपये कम कर स्लाइन चढ़ाने का काम कर रहे हैं। अजीब हालात हो गए हैं देश के। अगर पीएम को महिलाओं के प्रति इतना ही दर्द था, तो वे मणिपुर क्यों नहीं गए, जहां पर आदिवासी बहनों को नंगा घुमाया गया। महिला पहलवानों के आरोपी ब्रजभूषण सिंह पर सरकार ने क्या कार्रवाई की। अब महिलाओं के जले पर नमक छिड़कने का काम किया जा रहा है।

लोस में सीट शेयरिंग पर निर्णय स्टेट की परिस्थिति के अनुसार होगा

इंडिया गठबंधन की बैठक के बारे में सुप्रियो ने एक सवाल के जवाब में कहा कि डुमरी उपचुनाव में इस गठबंधन की पहली जीत होगी। इसी रास्ते एनडीए की हार भी होगी। इंडिया की बैठक में राष्ट्रीय नेतृत्वकर्ता, साझा कार्यक्रम सहित कई चीजें तय होंगी। रही बात झामुमो की तो हेमंत सोरेन को जो जिम्मेवारी सौंपी जाएगी, उसे निभाया जाएगा। सीट शेयरिंग पर निर्णय स्टेट की परिस्थिति के अनुसार होगा। यह सभी जानते हैं कि झामुमो झारखंड में मजबूत है।

किस मुंह से डुमरी में घूम रहे हैं सुदेश

सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि स्व जगरनाथ महतो हमेशा ओबीसी वर्ग, मूलवासी, ओबीसी आरक्षण, 1932 खतियान व झारखंडियों की शिक्षा को लेकर आजीवन संघर्ष करते रहे। जब जगरनाथ महतो का निधन हुआ था, तो सुदेश महतो उनकी चिता के सामने खड़ा होकर कहा था कि वे जगरनाथ दा के परिवार के साथ खड़े हैं। यह वही सुदेश महतो हैं, जब बाबूलाल मरांडी के मुख्यमंत्रित्व काल में ओबीसी का आरक्षण 27 से घटाकर 14 फीसदी कर दिया गया था। यह वही सुदेश महतो हैं, जब रघुवर सरकार ने 1985 के खतियान आधारित स्थानीय नीति बनायी थी और उनके नेता चंद्रप्रकाश चौधरी ने प्रेस वार्ता की थी। आज वही सुदेश महतो ने स्व जगरनाथ महतो के परिवार के खिलाफ न केवल प्रत्याशी उतारा, बल्कि वे उनकी पत्नी और परिवार का अपमान कर रहे हैं। वे किस मुंह से डुमरी में प्रचार कर रहे हैं, घूम रहे हैं। डुमरी में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के लिए आयातित नेताओं और लोगों को उतारा जा रहा है। इसका गवाह भी झामुमो के पास है। समय आने और जरूरत पड़ने पर इसे सामने लाया जाएगा।

BRIEF NEWS

राज्य में मेगा स्वास्थ्य मेला 14 से 18 सितंबर तक

RANCHI : स्वास्थ्य विभाग की ओर से 14 से 18 सितंबर तक राज्य के सभी 263 प्रखंडों में मेगा स्वास्थ्य मेला का आयोजन किया जायेगा। जानकारी के अनुसार मेला के आयोजन उस क्षेत्र की सामाजिक-सांस्कृतिक व्यवस्था, रोग प्रसार को ध्यान में रख कर चार अलग-अलग दिनों में किया जाना है।

रांची रेल मंडल आठ कर्मी हुए सेवानिवृत्त

RANCHI : रांची रेल मंडल के आठ कर्मचारी गुरुवार को सेवानिवृत हुए। इन सभी को सेवानिवृति से संबंधित भुगतान सौंपा गया। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक मनीष कुमार ने कहा कि वे सभी के जीवन के लिए शुभकामना करते हैं, ताकि लोग स्वस्थ व सुखी रहें। सेवानिवृत होने वाले कर्मचारियों में आइजा रामा राव, अशीम रंजन दास, धनेश्वर राम, दीपक कुमार कुंडु, शोनित बरन रॉय, प्रेमचंद महतो, रतनलाल बेदिया और लाल चंद शामिल हैं।

पावर ब्लॉक के कारण कई ट्रेनें रहेंगी प्रभावित

RANCHI : चक्रधरपुर मंडल में ट्रैफिक तथा पावर ब्लाक के कारण कई ट्रेनें प्रभावित रहेंगी। चक्रधरपुर मंडल के कांड्रा झ कुनकी रेलखंड के अंतर्गत विकास कार्य के लिए ट्रैफिक तथा पावर ब्लाक लिया जाएगा। अतः रांची रेल मंडल से परिचालित निम्नांकित ट्रेने प्रभावित रहेंगी। ट्रेन 18601/18602 टाटानगर झ हटिया झ टाटानगर एक्सप्रेस , 08152/08151 बरकाकाना झ टाटानगर झ बरकाकाना पैसेंजर स्पेशल तीन सितंबर को रद रहेगी। वहीं 18101 टाटानगर झ जम्मू तवी एक्सप्रेस तीन सितंबर को अपने निर्धारित प्रस्थान समय के स्थान पर एक घंटे विलंब से प्रस्थान करेगी।

जेएसएससी जेई परीक्षा पत्र लिक के आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी

RANCHI : झारखंड स्टाफ सलेक्शन कमीशन(जेएसएससी) जूनियर इंजीनियर परीक्षा पत्र लिक करने वाले गिरोह के चार अन्य आरोपित की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू की गयी है। छापेमारी बिहार और झारखंड के विभिन्न जिला में शुरू की गयी है। गत 22 अगस्त को इसी मामले के आरोपित दीपक श्रीवास्तव को नालंदा जिला से नामकुम पुलिस ने गिरफ्तार किया था। उसकी गिरफ्तारी के बाद इस मामले में अन्य आरोपितों के ठिकानों के संबंध में पुलिस को जानकारी मिली है। ग्रामीण एसपी हारिश बिन जमा ने गुरुवार को बताया कि आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए टीम बिहार और झारखंड में छापेमारी कर रही है।

atom美 ATOMY INDIA
RANCHI TEAM WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24 Roshpa Roshpa Tower, Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

आईटीबीपी कैंप में मना रक्षा बंधन का त्योहार

RANCHI : कांके रिंग रोड आईटीबीपी कैंप में गुरुवार को रक्षा बंधन का त्योहार मनाया गया। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय संस्थान कांके पिठौरिया नवाटोली की संचालिका बीके राजमती ने सैकड़ों जवानों की कलाइयों में रक्षा सूत्र बांधकर उनकी लंबी उम्र की कामना की। बीके राजमती ने कहा कि रक्षा बंधन पर बहन अपने भाई की लम्बी उम्र की कामना करती है। देश की आंतरिक और बाहरी सुरक्षा के लिए कार्य करने वाले भाईयों के बीच रक्षा बंधन त्योहार मनाना चारधाम के दर्शन से कम नहीं है। दीदी ने जवानों के बीच मिठाई भी वितरित की। इस मौके पर आईटीबीपी के डिप्टी कमांडेंट शैलेश कुमार, समाजसेवी आशुतोष द्विवेदी सहित कई लोग उपस्थित थे।

अभय मिश्रा की याचिका मंजूर, हाईकार्ट ने कहा- विवेकानंद SCHOOL में दो महीने में हो चुनाव

SPECIAL REPORTER RANCHI : झारखंड हाईकोर्ट ने सेवानिवृत न्यायाधीश एनएन तिवारी को विवेकानंद विद्या मंदिर में दो महीने में चुनाव की प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया है। सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा है कि चुनाव के बाद जब तक नयी कमिटी का गठन नहीं हो जाता, तब तक सेवानिवृत न्यायाधीश एनएन तिवारी स्कूल प्रशासक की भूमिका में रहेंगे। इस संबंध में निवर्तमान सचिव और झारखंड हाईकोर्ट के अधिवक्ता अभय मिश्रा ने याचिका दाखिल की थी। अपनी याचिका में उन्होंने यह मांग की थी कि सुकृत भट्टाचार्य ने झूठा शपथपत्र देकर स्कूल कमिटी में संशोधन अपने नाम पर करवा लिया था, जो पूरी तरह से गलत है। अदालत ने अभय मिश्रा की याचिका को स्वीकार कर लिया है।

आरडी भट्टाचार्य की अर्जी भी स्वीकार

इस मामले की सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस राजेश शंकर के कोर्ट में हुई। अभय मिश्रा की ओर से हाईकोर्ट के वरीय अधिवक्ता अजित कुमार ने पक्ष रखा। वहीं सुकृत भट्टाचार्य की ओर से अधिवक्ता महेश तिवारी ने बहस की। स्कूल के पूर्व अध्यक्ष आरडी भट्टाचार्य ने भी याचिका दाखिल कर कहा था कि सुकृत भट्टाचार्य ने गलत शपथपत्र देकर स्कूल का प्रभार लिया था। इस याचिका को भी अदालत ने स्वीकार कर लिया है।

संविदा पर नियुक्त कर्मियों के मामले में सुनवाई 4 को

RANCHI : संविदा पर नियुक्त कर्मियों और दैनिक कर्मियों की ओर से दायर 84 अलग-अलग याचिकाओं की सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में गुरुवार को हुई। मामले में प्रार्थी एवं राज्य सरकार की ओर से बहस की गई। अब 4 सितंबर को महाधिवक्ता राजीव रंजन प्रार्थियों की बहस पर राज्य सरकार का पक्ष रखेंगे। मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति डॉ एसएन पाठक की कोर्ट में हुई। याचिकाकताओं में संविदा कर्मी एवं दैनिक कर्मी शामिल है। इनकी ओर से कोर्ट को बताया गया कि वह 10 वर्षों से अधिक समय से संविदा पर या दैनिक कर्मी के रूप में काम करते आ रहे हैं। उनकी ओर से सुप्रीम कोर्ट के कई जजमेंट सहित राज्य सरकार की नियमावली का जिक्र करते हुए कहा गया कि उनकी नियुक्ति नियमित की जानी चाहिए।

हथियार और गोली सप्लायर को ATS ने किया गिरफ्तार

7.65 एमएम की 20 गोलियां बरामद

CRIME REPORTER RANCHI : आतंकवाद निरोधी दस्ता (एटीएस) ने रुद्रा महतो गिरोह को हथियार और कारतूस मुहैया कराने वाले एक सप्लायर सत्यम कुमार सिंह को डोरंडा से गिरफ्तार किया है। उसके पास से 7.65 एमएम का 20 गोली, मोबाइल और संदिग्ध कागजात बरामद किये गये हैं। झारखंड पुलिस प्रवक्ता एवी होमकर ने गुरुवार को बताया कि एटीएस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपित ने बताया कि कारतूस के लिए अभिमन्यु साहू ने 82 हजार 500 रुपये ऑनलाईन उपलब्ध कराया था। जब्त किये गये कारतूस के माध्यम से रूद्रा महतो गिरोह के सदस्यों के जरिये व्यापारियों एवं उद्योगपतियों में भय आतंक एवं दहशत का माहौल बनाकर रंगदारी की वसूली की योजना बनायी गई थी। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

नाबालिग को KIDNAP करने वाला आरोपी धराया, बच्ची सकुशल बरामद

आरोपी की पत्नी की तलाश में पुलिस कर रही छापेमारी

CRIME REPORTER RANCHI : जिले की बुंडू थाना पुलिस ने नाबालिग के अपहरण मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। साथ ही नाबालिग को सकुशल बरामद किया है। आरोपी को गिरफ्तार कर गुरुवार को जेल भेज दिया गया। थाना प्रभारी संजीव कुमार ने गुरुवार को बताया कि नाबालिग को बहला फुसलाकर उसे बेचने के इरादे से अपहरण किया गया था। बच्ची का परिवार मूल रूप से सोनाहातू का रहने वाला है। उसके माता-पिता बुंडू के महावीर मंदिर में एक किराए के मकान में रह कर काम करते है। उन्होंने बताया कि तमाड़ थाना क्षेत्र के जानूमपीढ़ी गांव का निवासी आरोपी बिराजी मछुआ तथा उसकी पत्नी भी इस मामले में शामिल है। पुलिस उसकी जलाश में लगातार छापेमारी कर रही है। उसे भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। मामला 27 अगस्त के दिन का है। नाबालिग के अभिभावक काम करने बाहर गए हुए थे। इसी दौरान उसका रिश्तेदार विराजी मछुवा घर आया और बच्ची को बहला-फुसलाकर उत्तर प्रदेश के अम्बेडकर नगर जिले के आलापुर थाना क्षेत्र में स्थित ईंट-भट्टे पर ले गया, जहां उसे बेचने की तैयारी कर रहा था।

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी बिराजी मछुआ।

15 हजार किसानों को नहीं मिली दूसरी किस्त की राशि

धान बिक्री का 50 करोड़ से अधिक का बकाया

PHOTON NEWS RANCHI : खरीफ के मौसम में 2022-23 में राज्य के 31,852 किसानों ने राज्य सरकार को 17.59 लाख क्विंटल धान बेचा है। सरकार की ओर से सभी किसानों को पहले किस्त की राशि का भुगतान कर दिया गया है। लेकिन, नौ माह बीत जाने के बाद भी लगभग 15 हजार किसानों को दूसरी किस्त व बोनस का भुगतान नहीं हो पाया है। सरकार की ओर से धान क्रय के एवज में लगभग 256 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। अब भी सरकार के पास किसानों का 50 करोड़ से अधिक रुपये बकाया हैं। राज्य सरकार की ओर से 15 दिसंबर 2022 से धान क्रय की शुरूआत की गयी थी। इसके तहत धान क्रय के समय ही किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य की 50 प्रतिशत राशि भुगतान का प्रावधान किया गया था। वहीं, तीन माह में न्यूनतम समर्थन मूल्य की 50 प्रतिशत राशि के साथ बोनस (10 रुपये प्रति क्विंटल की दर) का भुगतान करना था। हालांकि, अब भी 15 हजार किसानों को राशि का भुगतान नहीं किया जा सका है। सरकार की ओर से डिसेंट्रलाइज्ड प्रोक्यूरमेंट स्कीम लागू करने की वजह से राशि भुगतान में विलंब हो रहा है।

6 सितंबर को संध्या 4 बजे श्रीकृष्ण स्तुति और नृत्य के साथ कार्यक्रम की होगी प्रस्तुति

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव : रांची के ALBERT EKKA CHOWK पर मंच निर्माण के लिए हुआ भूमि पूजन

PHOTON NEWS RANCHI : श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव समिति, रांची के सान्निध्य में अलबर्ट एक्का चौक, मेन रोड में 6-7 सितंबर को श्रीकृष्ण जन्मोत्सव मनाया जाएगा। इसके लिए गुरुवार को मेन रोड स्थित आयोजन स्थल पर श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के लिए बन रहे नाट्य, और झांकी प्रतियोगिता मंच को बनाने के पूर्व भूमि पूजन का कार्य संपन्न हुआ। समिति के संरक्षक और सांसद संजय सेठ द्वारा आचार्य की उपस्थिति में कराया गया। इसके बाद से ही मंच बनाने का कार्य प्रारंभ हो जाएगा। मौके पर संजय सेठ व अध्यक्ष मुकेश काबरा ने बताया कि प्रथम दिन 6 सितंबर को संध्या 4:00 बजे से बाहर से आये विशेष कलाकारों द्वारा श्रीकृष्ण स्तुति और नृत्य के साथ कार्यक्रम के साथ प्रस्तुति होगी। बाल प्रतियोगिता के प्रभारी के अनुसार 2 ग्रुप में प्रतियोगिता का कार्य सम्पन्न होगा। प्रथम ग्रुप में 6 महीने से लेकर 6 वर्ष तक के बच्चे बच्चियां, दूसरे में 7 वर्ष से 12 वर्ष तक के बच्चे, बच्चियां भाग ले सकेंगे। प्रतियोगिता में विजयी बच्चों को प्रथम,द्वितीय पुरस्कार के अलावा सभी बच्चों के बीच सांत्वना पुरस्कार का भी वितरण किया जायेगा। सायं 6 बजे भव्य और विशाल भगवान के स्वरूप की अलौकिक झांकी का विधिवत उद्घाटन सामाजिक व धार्मिक संस्था के अध्यक्ष , सचिव सहित अतिविशिष्ट व्यक्तियों के द्वारा किया जाएगा। 7 सितंबर को संध्या 5:00 बजे दही हांडी- फोड़ो प्रतियोगिता सह भजन संध्या सहित नृत्य नाट्य मंचन का आयोजन रखा गया है। अमर तिलक धारी कानपुर के कलाकारों द्वारा भव्य नृत्य प्रस्तुति सहित पटना के शुभम जटाधारी व यूपी से पधारे भजन सम्राट रोहित पंडित एवं श्याम दीवानी बनकु सिस्टर के द्वारा भजनों की अमृत वर्षा होगी।

भूमी पूजन करते सांसद संजय सेठ व अन्य ● फोटोन न्यूज

राजधानी रांची में तेजी से बढ़ रहे CONJUNCTIVITIS के मरीज

सबसे अधिक बच्चे हो रहे शिकार

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी में कंजक्टिवाइटिस (आइफ्लू) की समस्या से सबसे ज्यादा बच्चे पीड़ित हो रहे हैं। स्कूल में एक बच्चे से यह संक्रमण कई बच्चों तक पहुंच जा रहा है। ऐसे में स्कूलों द्वारा सख्त निर्देश जारी किया जा रहा है कि अगर आपके बच्चे की आंख में जलन या लालिमा है, तो स्कूल नहीं भेजें। इधर, रिम्स और सदर अस्पताल सहित निजी नेत्र चिकित्सालयों में कंजक्टिवाइटिस से पीड़ित मरीजों की संख्या अचानक बढ़ गयी है। सोमवार को रिम्स के नेत्र विभाग के ओपीडी में सात बच्चों का इलाज किया गया। कई बच्चे स्कूल ड्रेस में ही परामर्श लेने पहुंच गये थे। सदर अस्पताल के नेत्र चिकित्सक डॉ वात्सल्य ने बताया कि कंजक्टिवाइटिस वायरल समस्या है, जो तेजी से एक से दूसरे में फैलता है। बच्चे स्कूल में एक साथ ज्यादा समय गुजारते हैं। वहीं, पेन, पेंसिल और टिफिन बॉक्स का उपयोग एक दूसरे के साथ मिलकर करते है। यही कारण है कि बच्चे तेजी से संक्रमित हो जाते हैं। ज्यादा घबराने वाली बात नहीं है, क्योंकि तीन से चार दिन में यह बीमारी ठीक हो जाती है। कुछ में यह एक सप्ताह तक रहती है। लेकिन सावधानी और सतर्कता जरूरी है।

ये हैं रोग के लक्षण

- आंख का सफेद हिस्सा लाल होना
- आंखों में जलन खुजली
- आंखों से पानी या आंसू आना

BRIEF NEWS

नवोदय विद्यालय की छात्राओं ने खूंटी उपायुक्त को बांधी रखी

KHUTI: रक्षा बंधन पर गुरुवार को नवोदय विद्यालय की दसवीं कक्षा की छात्राओं ने उपायुक्त लोकेश मिश्र को राखी बांधी। उपायुक्त आवास पहुंचकर छात्राओं ने रक्षा सूत्र बांधा। उपायुक्त ने भी छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए उनका उत्साहवर्धन किया। उपायुक्त ने छात्राओं से सीधी बात कर उन्हें बेहतर शिक्षा की दिशा में अग्रसर होने की बात कही। उन्होंने छात्राओं को मैट्रिक परीक्षा की तैयारी को लेकर टिप्स दिए। साथ ही कहा कि छात्राओं को एकाग्र होकर तैयारी करनी होगी। सभी छात्राएं अपनी क्षमता को बढ़ाएं एवं रूटीन बनाकर सुचारू रूप से पढ़ाई करें। छात्राओं ने भी उपायुक्त से आईएएस की तैयारी को लेकर कुछ प्रश्न पूछे। उपायुक्त ने बताया कि किस प्रकार अपना लक्ष्य निर्धारित करते हुए पढ़ाई करें। छात्राओं का हौसला बढ़ाते हुए उन्होंने कहा कि सुविधाओं के अभाव में भी बिना किसी भय के हम सफल हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि उचित दिशा में पढ़ाई करते हुए लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। चुनौती की भांति दृढ़ संकल्प के साथ पूर्ण करने की जरूरत है। डीसी ने कहा कि चुनौतियों को अवसर में बदलना है। छात्राओं का उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित करना है।

पलामू में 5.18 ग्राम हेरोइन के साथ एक गिरफ्तार

PALAMU: नशीले पदार्थ की खरीद बिक्री रोकने को लेकर चलाए जा रहे अभियान में शहर थाना पुलिस को एक बार फिर सफलता हाथ लगी है। शहर थाना एवं टीओपी टू की संयुक्त कार्रवाई में कान्दू मुहल्ला रामनगर से एक युवक को 5.18 ग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक से पूछताछ की गई। हेरोइन बेचने के आरोप में पुलिस ने आठ दिन में दूसरे आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। शहर थाना प्रभारी अभय कुमार सिन्हा ने बताया कि 30 अगस्त की संध्या गस्ती के दौरान पुलिस निरीक्षक महावीर एक्का को टीओपी टू के अंतर्गत आने वाले कान्दू मुहल्ला रामनगर में जितेंद्र कुमार गुप्ता के द्वारा नशीले पदार्थ बेचने की गुप्त सूचना प्राप्त हुई। सूचना के आलोक में वरीय पदाधिकारी को जानकारी देकर वहां से मिले दिशा निर्देश के आलोक में टीओपी टू के पदाधिकारी एवं टाइगर जवान के साथ जितेंद्र कुमार गुप्ता के घर के आस-पास पहुंचे थे कि पुलिस के आने की आहट पर पक्का मकान से निकलकर एक व्यक्ति को भगाने के प्रयास करते समय छापामारी दल द्वारा रोका गया। इसके पश्चात उसके पास से मादक पदार्थ रखने की सूचना पुलिस को मिली। पुख्ता सूचना मिलने पर उसे एनडीपीएस एक्ट के तहत तलाशी करवाने का नोटिस जारी किया गया।

गिरिडीह में व्यवसायी से हथियार के बल पर जेवरात समेत पांच लाख की लूट

GIRIDIH: बराकर नदी के लुरुनगो घाट गरागुरो के रास्ते में बुधवार रात बिरनी थाना इलाके के भरकट्टा के रहने वाले जेवर व्यवसायी रंजीत स्वर्णकार के साथ लूटपाट हुई है। गुरुवार को भुगतभोगी रंजीत ने बताया कि वह डुमरी की ओर से अपना व्यवसाय कर वापस बाइक से घर वापस लौट रहे थे। जैसे ही बराकर नदी के लुरुनगो घाट पुल गरागुरो के समीप पहुंचे, पहले से घात लगाकर बैठे दो अज्ञात अपराधियों ने उन्हें हाथ दिया। जैसे ही उन्होंने अपनी बाइक को रोकी, तो एक अपराधी ने रिवाल्वर निकालकर कनपटी में सटा दिया। जबकि दूसरा अपराधी बाइक की चाभी लेकर डिक्की खोला और उसमें करीब 2100 रुपये और पांच लाख के सोना- चांदी की जेवरात तथा एक मोबाइल व बाइक की चाभी लेकर डुमरी की ओर फरार हो गया। इस घटना के बाद उन्होंने किसी तरह पुल के पास से बाइक को धक्का देते हुए करीब दो किलोमीटर पैदल चल कर मुख्यमार्ग पर पहुंचा और फिर स्थानीय ग्रामीण और परिजनों को घटना की जानकारी दी। जानकारी मिलने के बाद रंजीत के परिजनों ने घटना की सूचना बिरनी थाना को दिया। सूचना मिलने के बाद बिरनी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। इस बाबत बिरनी थाना प्रभारी मृत्युंजय सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर छापामारी की जा रही है।

गुमला में JJMP का उग्रवादी गिरफ्तार, हथियार बरामद

भागलपुर कॉलोनी में छापेमारी कर उग्रवादी बहुरा मुंडा को पुलिस ने धर दबोचा

PHOPTON NEWS GUMLA: जिले में उग्रवादी के खिलाफ अभियान में कुरूमगढ़ पुलिस ने जेजेएमपी संगठन के नक्सली बहुरा मुंडा, गांव कुटवां, थाना कुरुमगढ़ को छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले के भागलपुर कॉलोनी से गिरफ्तार किया है। उसकी निशानदेही पर कुरूमगढ़ थाना क्षेत्र के सकसरी गांव के महुआ टोंगरी पहाड़ में छुपा कर रखा गया एक देसी कट्टा और 315 बोर की दो कारतूस भी बरामद किया गया। गुमला में जेजेएमपी नक्सली गिरफ्तार होने को लेकर कुरूमगढ़ थाना में गुरुवार को पत्रकार वार्ता में चैनपुर सर्किल इंस्पेक्टर बैजू उरांव ने बताया कि पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली थी कि जेजेएमपी का सक्रिय उग्रवादी बहुरा मुंडा जशपुर जिले के भागलपुर कॉलोनी में छुपा हुआ है। सूचना पर पुलिस निरीक्षक चैनपुर अंचल के नेतृत्व में कुरुमगढ़ थाना और रायडीह थाना की पुलिस ने जशपुर जिले के भागलपुर कॉलोनी में छापेमारी की। पुलिस की इस कार्रवाई में नक्सली बहुरा मुंडा को गिरफ्तार कर लिया गया। सर्किल इंस्पेक्ट ने बताया कि बहुरा मुंडा ने वर्ष 2021 में अपने सुप्रीमो सुकर उरांव की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इसके बाद से वो संगठन का हथियार लेकर फरार चल रहा था। बहुरा मुंडा के खिलाफ घाघरा थाना में एक और कुरूमगढ़ थाना में दो नामजद प्राथमिकी दर्ज है। इस छापेमारी दल में मुख्य रूप से पुलिस निरीक्षक चैनपुर अंचल, कुरूमगढ़ थाना प्रभारी नीतीश कुमार रायडीह थाना प्रभारी अमित कुमार पुअनि महेश प्रसाद कुशवाहा सहित थाना के जवान मौजूद थे।

प्रेस वार्ता में जानकारी देते सर्किल इंस्पेक्टर बैजू उरांव • फोटोन न्यूज

पलामू में वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

जिला परिषद संग्राम सिंह व अन्य • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS PALAMU: मेदिनीनगर सदर थाना क्षेत्र के बिसफुट्टा पुल के नजदीक बैजनाथ आश्रम के पास बुधवार की रात बाइक दुर्घटना में 25 वर्षीय युवक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार पाटन थाना क्षेत्र के ग्राम मंझौली निवासी स्वर्गीय रामजबित सिंह का पुत्र हरेंद्र कुमार सिंह बुधवार की रात आठ बजे बाइक से मेदिनीनगर डिज्नीलैंड मेला देखने जा रहा था। इसी बीच रास्ते में बैजनाथ आश्रम के पास अज्ञात वाहन से उसकी बाइक की टक्कर हो गई, जिसमें हरेंद्र बाइक से गिर कर गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने उसे मेदिनीनगर सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के क्रम में उसकी मौत हो गई। दुर्घटना की खबर सुनकर परिजन सदर अस्पताल पहुंचे और हरेंद्र सिंह के शव को लेकर घर चले गए। इसके बाद मृतक के परिजनों व स्थानीय ग्रामीणों ने इसकी सूचना पाटन पश्चिमी जिला परिषद सदस्य संग्राम सिंह को दी गई। संग्राम सिंह ने गुरुवार को परिजनों को समझा-बुझाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए एमआरएमसीएच भिजवाया और परिजनों को कानूनी प्रक्रिया के तहत पोस्टमार्टम करवाने की सलाह दी। जिप सदस्य ने अपनी देखरेख में शव का पोस्टमार्टम करवाया। संग्राम सिंह ने कहा कि मृतक के परिजन काफी गरीब परिवार से आते हैं। उनके परिवार को सरकारी मुआवजा दिलाया जायेगा।

पेटरवार में पेड़ पर लटका मिला युवक का शव

घटनास्थल पर जुटी भीड़ • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS BERMO : पेटरवार थाना क्षेत्र के ग्राम उतासारा में 31 अगस्त को सड़का किनारे महुआ के पेड़ पर एक युवक का शव लटका मिला। मार्निंग वाक पर निकले लोगों की नजर शव पर पड़ी तो उनलोगों ने पुलिस को फोन कर सूचना दी। थाना प्रभारी विनय कुमार दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। थाना प्रभारी ने बताया कि युवक की पहचान खुटाहरा गांव रजक टोला निवासी विकास कुमार सिंह (22 वर्ष) के रूप में हुई। वह लालदेव सिंह का बड़ा बेटा था। परिजनों के अनुसार, वह कुछ दिनों से तनाव में था। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

खूंटी में पारंपरिक हर्षोल्लास के साथ मनाया गया रक्षा बंधन का त्यौहार

PHOTON NEWS KHUNTI: खूंटी जिला मुख्यालय सहित सभी प्रखंड क्षेत्रों में भाई-बहन के पवित्र और अटूट प्यार का प्रतीक पर्व रक्षाबंधन गुरुवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बहनों ने भाइयों की कलाइयों पर राखी बांधकर उनके दीघार्यु और सुख समृद्धि की कामना की, वहीं भाइयों ने भी बहनों को रक्षा का भरोसा दिया। जिला मुख्यालय से लेकर ग्रामीण इलाकों में भी रक्षाबंधन को लेकर छोटी-छोटी बच्चियों का उत्साह देखते ही बन रहा था। सुबह से ही बच्चियों और युवातियां सुंदर परिधानों में सुसज्जित होकर मंदिरों में जाकर पूजा-अर्चना की और घर आकर भाइयों को रक्षा सूत्र बांधा। रक्षाबंधन को लेकर फल और मिठाइयों की दुकानों पर भारी भीड़ देखी गई। खूंटी के अलावा कर्रा, मुरहू, अड़की तोरपा और रनिया प्रखंड क्षेत्र में भी रक्षाबंधन पारंपरिक हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। चंदन-तिलक लगाकर और आरती उतार कर बहनों ने भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा और उनकी लंबी उम्र और बेहतर स्वास्थ की कामना की। सुबह से ही शहर से लेकर देहात तक मिठाई और फलों की दुकानें सज गई थी। बहनों ने मिठाई और राखी की दुकान पर जमकर खरीदारी की। सुबह कई बहनें भाई के घर में तो कहीं भाइयों ने बहनों के घर जाकर राखी बंधवाई।

रक्षाबंधन पर भी मेदिनीनगर के डिज्नीलैंड मेले में नहीं दिखी भीड़

PHOTON NEWS PALAMU: मेदिनीनगर के महाराजा अग्रसेन भवन से सटे ऐतिहासिक झूलन मेला स्थल पर लगे न्यू डिज्नीलैंड और शिवाजी मैदान में आयोजित डिज्नीलैंड मेला में गुरुवार को रक्षाबंधन के अवसर पर लोगों की अपेक्षित भीड़ नहीं देखी गई। हालांकि मेला परिसर में लगे टॉवर झूला, ब्रेक डांस, टोरा टोरा में झूलने के लिए लोग उतारू दिखे। मौत का कुंआ, मिक्की माउस, हेलीकाप्टर झूला, नौका, हथौड़ा झूला आदि में लोग कम नजर आए। रक्षाबंधन के दिन होने वाली भीड़ पर मेला आयोजकों की कमाई निर्भर करती है। हालांकि पूर्व की तरह दोनों मेला स्थल पर भीड़ भाड़ कम रही। मुख्य गेट

और पहुंच पथ में चहलकदमी देखी गई। पूर्व में रक्षा बंधन और इससे एक दिन पहले लोगों की भारी भीड़ उमड़ती थी और पैर रखने तक जगह नहीं रहते थे। लगातार दूसरे वर्ष सुखाड़ की स्थिति रहने के कारण भी भीड़ पर असर पड़ा। इसके अलावा दोनों मेला स्थल पर इंट्री फीस भी निर्धारित है। न्यू डिज्नीलैंड मेला स्थल पर प्रवेश शुल्क 10 रूपया निर्धारित है, वहीं शिवाजी मैदान में आयोजित डिज्नीलैंड मेला में 20 रूपए रखा गया है।

पड़ोस की महिला से दुराचार के आरोपी को दस वर्ष की कैद

पति को जान से मारने की धमकी देकर किया ब्लैकमेल, करता रहा शारीरिक शोषण

PHOTON NEWS DHANBAD: पड़ोस की महिला से दुराचार के आरोपी दामोदरपुर निवासी अमित कुमार को अदालत ने गुरुवार 31 अगस्त को 10 वर्ष कठोर कारावास की सजा सुनाई है। जिला एवं सत्र न्यायाधीश तृतीय रजनीकांत पाठक की अदालत ने अभियुक्त पर 20 हजार रुपये जुमार्ना भी लगाया है। अभियुक्त फिलहाल न्यायिक हिरासत में जेल में बंद है। पीड़िता ने 19 अगस्त 2016 को धनबाद थाना में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए आरोप लगाया गया था कि अभियुक्त उसके पड़ोस में रिचार्ज एवं राशन का दुकान चलाता है। वह उसकी दुकान से

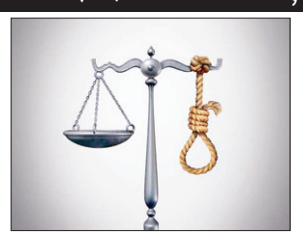

उधार राशन लाया करती थी। उसके घर में आना-जाना रहता था।

एक दिन अभियुक्त उसके पति की अनुपस्थिति में घर आया और उसके साथ सेल्फी लेकर कहा कि वह उसका गंदा फोटो बनाकर नेट पर डाल देगा तथा उसके बच्चे का अपहरण कर पति की भी हत्या करा देगा। वह काफी डर गई तथा वह उसकी सारी शर्तें को मानती गई। अभियुक्त दो माह तक उसका शारीरिक शोषण करता रहा तथा कहा कि वह ऐसा व्यक्ति है, जिसके चंगुल में आकर कोई शहर छोड़ देता है या संसार।

15 अगस्त 2016 को उसने सारी जानकारी पति व बच्चों को दी तथा कानूनी कार्रवाई के लिए आगे बढ़ी। अनुसंधान के बाद पुलिस ने अभियुक्त के खिलाफ 20 सितंबर 2016 को अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया। अदालत में 9 जनवरी 2017 को आरोप का गठन किया गया। अभियोजन पक्ष द्वारा कुल आठ गवाहों की गवाही कराई गई थी।

साहिबगंज में चोरी का आरोपी गिरफ्तार आइफोन बरामद

SAHIBGANJ: दिल्ली स्टेशन से चोरी की गई आइफोन मोबाइल साहिबगंज बेचने आये युवक को पुलिस ने गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया। पश्चिम बंगाल के वर्धमान जिले के जमुडिया थाना क्षेत्र निवासी मानव नोनिया को तालझारी थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। साहिबगंज एसपी को सूचना मिली थी कि चोरी के मोबाइल फोन का लोकेशन तालझारी थाना क्षेत्र स्थित नयाटोला महाराजपुर में है। एसपी के निर्देश पर तालझारी थाना पुलिस ने नयाटोला महाराजपुर से युवक को पकड़ लिया। पुलिस की पूछताछ में उसने बताया कि दो माह पूर्व दिल्ली स्टेशन से यह मोबाईल चोरी की गई है, जिसे बेचने के लिए ग्राहक खोज रहा ह। पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर छानबीन कर रही है।

MPL में मृतक के आश्रित को नियोजन व मुआवजा को लेकर दूसरे दिन भी आंदोलन जारी

PHOTON NEWS DHANBAD: एमपीएल में कार्यरत विस्थापित विजय किस्कू की मौत के बाद नियोजन वी मुआवजे की मांग को लेकर झारखंडी भाषा खतियान समिति के बैनर तले आंदोलनरत ग्रामीणों का आंदोलन गुरुवार 31 अगस्त को दूसरे दिन भई जारी रहा। आंदोलन को धारदार बनाने के लिए बुधवार रात संगठन के सुप्रीमो जयराम महतो अपने लाव लश्कर के साथ एमपीएल के गेट पर पहुंचे। बुधवार शाम निरसा बीडीओ, एसडीपीओ आंदोलन स्थल पर पहुंचे और आंदोलनकारियो को समझने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीण अपनी मांग पर अड़े रहे। गुरुवार को आंदोलनकारियों के तेवर को देखते हुए प्रबंधन ने दोबारा वार्ता के लिए बुलाया। वार्ता में जयराम महतो भी शामिल हुए। करीब 3 घंटे तक चली बातचीत बेनतीजा रही।

धरना पर बैठे ग्रामीणों के साथ जयराम महतो • फोटोन न्यूज

प्रबंधन धैर्य की परीक्षा ना लें : जयराम महतो

प्रबंधन ने फिर से ठेकेदार के अंदर नियोजन देने की बात दोहराया। जबकि ग्रामीण स्थायी नियोजन व 25 लाख मुआवजा की मांग पर अड़े रहे। जयराम महतो ने कहा कि प्रबंधन ग्रामीणों की धैर्य की परीक्षा ना लें। अभी गांधी जी के रास्ते पर आंदोलन कर रहे हैं। अगर इससे भी बात नहीं बनी तो सुभाष चंद्र बोस की नीति को अपनाने से परहेज नहीं करेंगे। गौरतलब है कि इलाज के दौरान डोमभुई निवासी विजय किस्कू की मौत मंगलवार को हो गई थी। बुधवार से ही ग्रामीण एमपीएल के मुख्य द्वार पर शव के साथ नियोजन व मुआवजे की मांगस को लेकर धरना दे रहे हैं। आंदोलन में कुश महतो, पीएल मुर्मू, रूपेश मंडल, मिठू महतो, महेश मोदी, दीपक महतो, बोलदेव मुर्मू, कृष्ण महतो, अविकल किस्कू, बबलू सोरेन, सौरव महतो, जयराम महतो, गणेश महतो, गोविंद महतो, सोनामुनी सोरेन, लखीमिनी किस्कू, सुंदरी टुडू व ग्रामीण डटे हुए हैं।

मेले में जिले के विभिन्न क्षेत्रों सहित अन्य दूर दराज के इलाकों से बड़ी संख्या में पहुंचे लोग, उठाया आनंद

बाबा आम्रेश्वर धाम के सावन पूर्णिमा मेले में उमड़ी लाखों की भीड़

PHOTON NEWS KHUNTI: जिले मिनी बाबा धाम के श्रप में विख्यात बाब आम्रेश्वर धाम के सावन पूर्णिमा के मेले में लाखों की भीड़ उमड़ पड़ी। पूरा मेला परिसर खचाखच भीड़ के कारण लगता था कि तिल धरने की जगह नहीं थी। इस बार दो माह तक चले श्रावणी महोत्सव का समापन गुरुवार को हुआ। मेले में जिले के विभिन्न क्षेत्रों सहित अन्य दूरदराज क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और पूर्णिमा के इस पारंपरिक मेले का आनंद उठाया। इस बार मौसम साफ रहने के कारण अहले सुबह से ही लोग बाबा आम्रेश्वर धाम पहुंचने लगे थे। सावन पूर्णिमा के पवित्र अवसर पर दूर दराज क्षेत्रों से अंगराबारी आए श्रद्धालुओं ने बाबा आम्रेश्वर धाम के पवित्र शिवलिंग का दर्शन-पूजन कर श्रावणी मेला का लुत्फ उठाया। सुबह से शाम तक चले सावन पूर्णिमा के मेले में एक अनुमान के अनुसार दो लाख से अधिक श्रद्धालु पहुंचे और मेले में लगे

बाब आम्रेश्वर धाम के सावन पूर्णिमा के मेले में उमड़ी भीड़ • फोटोन न्यूज

डिजनीलैंड, इलेक्ट्रिक झूला, टावर झूला सहित मनोरंजन के अन्य साधनों का भरपूर आनंद लिया।

मेले में प्रसाद, खिलौने श्रृंगार सहित नाना प्रकार की अन्य सैकड़ों दुकानें सजी थी, जहां लोगों ने जमकर खरीदारी भी की। मेले में सुरक्षा व्यवस्था के लिए दंडाधिकारियों और पुलिस अधिकारियों के साथ बड़ी संख्या में महिला, पुरुष जवान पूरे मेला परिसर में तैनात थे। इसके साथ ही जगह-जगह लगाए गए सीसीटीवी कैमरों से भी मेला परिसर की निगरानी की जा रही थी। इसके साथ ही जिला पुलिस प्रशासन द्वारा लोगों की सहायता के लिए पुलिस सहायता केंद्र और खोया पाया केंद्र स्थापित किया गया था। दूसरी और सूचना एवं जनसंपर्क विभाग खूंटी द्वारा भी सूचना सहायता केंद्र सह प्रदर्शनी शिविर लगाकर लोगों को सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं एवं जिले के पर्यटन स्थलों की जानकारी दी जा रही थी। इस बीच गत मंगलवार से धाम परिसर में प्रारंभ हुए 48 घंटे के अखंड हरि कीर्तन का समापन शाम को हुआ। अखंड हरि कीर्तन के समापन व पूणार्हुति के बाद शुद्ध घी से बने 151 किलो बुंदिया का प्रसाद लोगों के बीच बांटा गया।

नीरज हत्याकांड में संवाददाताओं व संपादकों को भी देनी होगी गवाही

PHOTON NEWS DHANBAD: पूर्व डिप्टी मेयर नीरज सिंह समेत चार लोगों की हत्या के मामले में झारखंड हाई कोर्ट ने निचली अदालत के 23 मार्च के आदेश को खारिज करते हुए दैनिक समाचार पत्रों के वरीय संवाददाता, सिटी रिपोर्टर व संपादकों को समन कर अदालत में बचाव पक्ष की ओर से गवाही कराने का निर्देश दिया है। उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सुभाष चंद्र की अदालत ने आरोपी डब्लू मिश्रा उर्फ डब्लू गिरि उर्फ राकेश कुमार मिश्रा उर्फ मृत्युंजय गिरि, सागर सिंह उर्फ शिबू, कुर्बान अली तथा चंदन सिंह की ओर से दाखिल क्रिमिनल रिवीजन पर सुनवाई करते हुए आदेश दिया है। उच्च न्यायालय ने जिला व सत्र न्यायाधीश अखिलेश कुमार की अदालत के आदेश को पलटते हुए कहा है कि भारतीय साक्ष्य अधिनियम के अनुसार अखबार में प्रकाशित खबर को साक्ष्य माना गया है तथा उस खबर को आदर्श के रूप में चिन्हित करने के लिए संवाददाता या संपादक को कोर्ट में आकर गवाही देने की आवश्यकता होती है। इसलिए उन लोगों की गवाही आवश्यक है। उच्च न्यायालय ने आरोपियों की ओर से दाखिल आवेदन को स्वीकार करते हुए निचली अदालत को आदेश दिया है कि दैनिक समाचार पत्रों के संवाददाताओं, क्राइम रिपोर्टर, सिटी रिपोर्टर, वरीय संवाददाता के अलावा संपादकों को भी गवाही के लिए अदालत में बुलाया जाए।

BRIEF NEWS

स्वर्णरेखा नदी में डूबने से किशोर की मौत

JAMSHEDPUR : एमजीएम थाना अंतर्गत पोखारी के पास स्वर्णरेखा नदी में नहाने के क्रम में डूबने से एक किशोर निरंजन हांसदा (14) की मौत हो गई। निरंजन अपने साथियों के साथ नदी में नहाने गया था। नहाने के क्रम में वह गहरे पानी में चला गया और डूब गया। वहां मौजूद उसके साथियों ने पास ही नहा रहे कुछ लोगों से मदद भी मांगी, लेकिन कोई मदद नहीं मिली। इधर, सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और निरंजन को नदी से निकाल कर एमजीएम अस्पताल पहुंचाया। जहां जांच में बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। तुरियाबेड़ा निवासी निरंजन सिमुलडांगा हाई स्कूल के कक्षा दसवीं का छात्र था। स्थानीय लोगों ने बताया कि जिस जगह निरंजन डूबा है वहां इसके पूर्व भी कई लोगों की डूबने से मौत हो चुकी है।

अधेड़ महिला ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

JAMSHEDPUR : बोड़ाम थाना अंतर्गत पुनछा निवासी 55 वर्षीय जलेश्वरी बेहरा ने बुधवार देर रात फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों को इसकी जानकारी होने पर उन लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। गुरुवार सुबह पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजन आत्महत्या के कारणों के बारे में नहीं बता पा रहे है। पुलिस ने बताया कि गुरुवार सुबह परिजनों ने आत्महत्या की सूचना दी थी। परिजनों के बयान पर अस्वाभाविक मौत का मामला दर्ज किया गया है।

तारकंपनी के पास कार ने स्कूटी सवार को मारी टक्कर

JAMSHEDPUR : टेल्को थाना अंतर्गत तारकंपनी गोलचक्कर के पास गुरुवार को एक तेज रफ्तार कार ने स्कूटी सवार को जोरदार टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में स्कूटी सवार राहरगोड़ा निवासी दिलीप सिंह व उनके एक साथी घायल हो गए। इसी दौरान उस रास्ते से केन्द्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा के भतीजे नानू मुंडा भी गुजर रहे थे। राहगीर अमरनाथ चौबे के आग्रह पर नानू मुंडा ने घायल दिलीप व उनके साथी को अपनी गाड़ी से टाटा मोटर्स अस्पताल पहुंचाया। फिलहाल दोनों घायलों का इलाज अस्पताल में चल रहा है और उनकी स्थिति स्थिर बनी हुई है। घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने इस पहल के लिए नानू की खूब सराहना की। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि घटना को अंजाम देने वाली कार का नंबर भी कुछ लोगों ने नोट किया है।

विधायक ने ग्रामीणों की समस्याओं का किया समाधान

JAMSHEDPUR : गुड़ाबांदा प्रखंड अंतर्गत बालिजुड़ी पंचायत के नाईकानशोल में गुरुवार को बहरागोड़ा के विधायक समीर कुमार महंती ने ग्रामीणों की समस्याओं को सुना और त्वरित समाधान किया। विधायक ने प्रत्येक सप्ताह में एक दिन प्रखंड कार्यालय में खाद्य आपूर्ति पदाधिकारी को बैठने का निर्देश दिया, मंगलवार का दिन इसक लिए निर्धारित किया गया। विधायक क्षेत्र के हर पंचायत में बृहस्पतिवार को बैठकर लोगों की समस्या का समाधान करेंगे। मौके पर बहरागोड़ा प्रखंड के झामुमो सह बीस सूत्री अध्यक्ष असित मिश्रा, गुड़ाबांदा प्रखंड बीस सूत्री सदस्य बुकाई सोरेन, साकिला हेंब्रम, बेलबोती मुर्मू, देवदत्त गिरी, विनोद बागाल, मेघाराय हेंब्रम, दाशमात सोरेन, प्रशांत प्रधान, लालमोहन मांडी, साहेब राम सोरेन, कालिपदो साव, देवीलाल सोरेन, सुराई हेंब्रम, टिपु टुडू, झामुमो कार्यकर्ता और ग्रामीण उपस्थित थे।

JNAC के नए आदेश से नक्शा विचलन कर निर्माण करने वाले बिल्डरों को मिली राहत

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति (जेएनएसी) के विशेष पदाधिकारी संजय कुमार ने टाटा स्टील लैंड डिपार्टमेंट के प्रमुख को पत्र लिखकर नक्शा विचलन वाले फ्लैट और घरों का फिलहाल पानी-बिजली कनेक्शन काटने पर अगले आदेश तक रोक लगाने के निर्देश दिए हैं। इससे जहां तत्काल नक्शा विचलन कर निर्माण कर रहे बिल्डरों एवं भवन मालिकों को राहत मिली है, वहीं जेएनएसी के इस आदेश से बिल्डरों एवं भवन मालिकों को नक्शा विचलन करने की खुली छूट मिल गई है। इस संबंध में जेएनएसी के विशेष पदाधिकारी संजय कुमार से उनका पक्ष जानने का प्रयास किया गया, लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो पाया।

बिना आक्यूपेंसी व कंप्लीशन सर्टिफिकेट के दिए गए कनेक्शन : इस संबंध में हाईकोर्ट के वकील अखिलेश श्रीवास्तव ने कहा कि जेएनएसी क्षेत्र अंतर्गत निर्मित 1462 भवनों को जेएनएसी द्वारा आक्यूपेंसी व कंप्लीशन सर्टिफिकेट नहीं दिए गए हैं। इसके बावजूद टाटा स्टील द्वारा उन भवनों को पानी-बिजली का कनेक्शन किस आधार पर दिया गया, जबकि नगर विभाग की नियमावली के सेक्शन 440 में स्पष्ट

जेएनएसी कार्यालय। ● फोटोन न्यूज

उल्लेख है कि किसी भी भवन के निर्माण कार्य पूर्ण होने के पश्चात नगर निकाय द्वारा जांच करने के बाद पहले कंप्लीशन सर्टिफिकेट और उसके बाद आक्यूपेंसी सर्टिफिकेट जारी किया जाता है। तब इन सर्टिफिकेट के आधार पर बिजली और पानी का कनेक्शन देने के प्रावधान है।

जेएनएसी ने 28 भवनों को आक्यूपेंसी व कंप्लीशन सर्टिफिकेट दिया : आरटीआई एक्टिविस्ट सदन ठाकुर ने बताया कि सूचना के अधिकार के तहत सूचना जेएनएसी द्वारा 6 अक्टूबर 2022 को दिया गया था। उसके जवाब के अनुसार जेएनएसी द्वारा मात्र 28 भवनों को आक्यूपेंसी व कंप्लीशन सर्टिफिकेट जारी किया गया है। वहीं मानगो नगर निगम द्वारा 2022 तक मात्र 14 भवनों को आक्यूपेंसी व कंप्लीशन सर्टिफिकेट जारी किया गया है। जुगसलाई नगरपालिका द्वारा एक भी आक्यूपेंसी व कंप्लीशन सर्टिफिकेट जारी नहीं किया गया है, जबकि हजारों भवनों में लोग रह रहे हैं। बड़ा सवाल यह है कि जब जेएनएसी एवं मानगो नगर निगम ने आक्यूपेंसी व कंप्लीशन सर्टिफिकेट जारी नहीं किया तो टाटा स्टील अथवा एन्य एजेंसी द्वारा बिजली और पानी का कनेक्शन किस आधार पर दिया गया है।

एमएमसी के पास नहीं नक्शा पारित किए जाने से संबंधित आकड़ा : सूचना का अधिकार के तहत मानगो नगर निगम (एमएमसी) द्वारा 20 सितंबर 2022 दी गई सूचना के अनुसार निगम के पास नक्शा पारित किए जाने से संबंधित कोई आंकड़ा उपलब्ध नहीं है। अब तक कितने भवनों का नक्शा पास किया गया है। इसकी कोई जानकारी निगम के पास नहीं है। वहीं जेएनएसी द्वारा 2022 तक 1583 भवनों का नक्शा पारित किया गया है। जुगसलाई नगरपालिका द्वारा एक भी भवन का नक्शा पास नहीं किया गया है।

बिल्डरों को मिली खुली छूट : जेएनएसी द्वारा टाटा स्टील लैंड डिपार्टमेंट के प्रमुख को लिखे गए पत्र के बाद बिल्डरों को नक्शा विचलन कर निर्माण करने की खुली छूट मिल गई है। अब उन्हें बिजली-पानी कनेक्शन के लिए परेशान होने की जरुरत नहीं है। उल्लेखनीय है कि जेएनएसी द्वारा पूर्व में टाटा स्टील लैंड डिपार्टमेंट के प्रमुख को नक्शा विचलन वाले फ्लैट और घरों का जारी कनेक्शन काटने के निर्देश दिया गया था।

JSCA घोटाले के आरोपियों ने किया सरेंडर, मिली बेल

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन में घोटाले के आरोपियों ने गुरुवार को जमशेदपुर कोर्ट में सरेंडर कर दिया। हालांकि, कोर्ट ने आरोपियों को जमानत दे दी। आरोपियों में राजेश वर्मा, गोविंद मुखर्जी और रंजीत कुमार शामिल है। हालांकि मामले में आरोपी रहे अमिताभ चौधरी का देहांत हो चुका है। मामले की सुनवाई करते हुए सीजेएम निशांत कुमार ने सभी को जमानत दी। आरोपियों की ओर से अधिवक्ता तापस मित्रा और प्रकाश झा ने जमानत पर बहस की। प्रकाश झा ने न्यायलय को बताया कि मामले में आरोपियों को कस्टडी में रखे बिना बहस की जा सकती है। दलील सुनने के बाद कोर्ट ने आरोपियों को जमानत दी।

ये है मामला : जेएससीए के पदाधिकारियों के खिलाफ पूर्व रणजी खिलाड़ी उज्ज्वल दास ने बिष्टुपुर थाने में 196.23 करोड़ के गबन की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। सभी पर आरोप है कि

बीसीसीआई ने वर्ष 2013-14 में क्रिकेट स्टेडियम समेत अन्य विकास कार्यों के लिए 196 करोड़ रुपये दिए थे, लेकिन उक्त राशि की बंदरबांट की गई है। क्रिकेट और स्टेडियम के विकास के बजाए स्टेडियम को पूरी तरह से व्यवसायिक बना दिया गया। इसमें रेस्टोरेंट समेत अन्य गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। बीसीसीआई और जेएसएससी की ओर से बनाई गई नियमावली का उल्लंघन करते हुए उक्त राशि को अन्य मदों में स्थानांतरित किया गया। निचली अदालत ने सभी आरोपियों के खिलाफ संज्ञान लिया था।

टाटा स्टील के 1973 बैच के पूर्व अप्रेंटिस कर्मचारियों ने मनाया स्वर्ण जयंती समारोह

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : साकची स्थित एक होटल में गुरुवार को टाटा स्टील के 1973 बैच के अप्रेंटिस के पूर्व कर्मचारियों ने स्वर्ण जयंती समारोह मनाया। बता दें कि 50 वर्ष पूर्व आज ही के दिन 16-19 आयु वर्ग के करीब 100 युवा बतौर ट्रेड अप्रेंटिस टाटा स्टील में दाखिल हुए थे। इसी दिवस की याद में आयोजित समारोह में लगभग 70 साथियों ने भाग लिया। समारोह में कुछ लोग सप्तनिक शामिल हुए। प्रतिभागी साथियों के पंजीकरण के पश्चात 9:30 बजे सुबह से स्वागत भाषण और गणेश

समारोह में मौजूद अतिथि। ● फोटोन न्यूज

वंदना के साथ कार्यक्रम की शुरूआत हुई। इसके बाद उपस्थित साथियों ने अपने संस्मरण साझा कर जमशेदपुर टेक्निकल इंस्टीट्यूट आईटीआई और टाटा स्टील में व्यतीत सुनहरे पलों को याद किया। इस अवसर पर आमंत्रित गुरुजनों को अंग वस्त्र प्रदान कर उनका सम्मान किया गया। वक्ताओं ने कहा कि इन गुरुजनों की कृपा से ही वह कर्तव्य पथ पर चलने योग्य हुए।

साइबर सुरक्षा को लेकर कार्यशाला का आयोजन

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : जमशेदपुर के बिष्टुपुर थाना परिसर स्थित मल्टीपर्पस हॉल में गुरुवार को आईसीआईसीआई बैंक की ओर से एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में मुख्य रूप से जमशेदपुर एसएसपी प्रभात कुमार और साइबर डीएसपी जयश्री कुजूर के अलावा साइबर थाना की पुलिस और टेक्निकल सेल के कर्मी मौजूद रहे। इस कार्यशाला में बैंक की ओर से बताया गया कि अगर कोई साइबर फ्रॉड का शिकार हो जाता है तो किस तरह बैंक इसमें सहायता कर सकता है। मौके पर मौजूद आईसीआईसीआई बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक सुशांत

कार्यशाला में उपस्थित पुलिसकर्मी। ● फोटोन न्यूज

नायक ने बताया कि आज के दौर में साइबर ठग कई तरह से लोगों को अपना निशाना बना रहे हैं।

बैंक पुलिस को कैसे मदद करे इसकी जानकारी दी गई : ठगी की जानकारी मिलने पर पीड़ित सबसे पहले बैंक पहुंचता है जहां उसे सारी जानकारी दी जाती है। जिसके बाद वह स्थानीय थाना में शिकायत करने पहुंचता है। इसके अलावा मौके पर मौजूद पुलिस कर्मियों को बताया गया कि ठगी की शिकायत के बाद संबंधित बाद बैंक को सूचना देकर जिस खाते में रुपये ट्रांसफर हुए है उसे तत्काल फ्रीज करवाया जाए ताकि उक्त खाता से लेन-देन ना किया जा सके। इसके अलावा ठगी को रोकने के लिए बैंक किस तरह से पुलिस की मदद कर सकता है इसकी भी जानकारी दी गई।

इस दौरान एसएसपी प्रभात कुमार ने बताया कि फिलहाल इस कार्यशाला में साइबर और टेक्निकल सेल की टीम को रखा गया है। भविष्य में यह कार्यशाला थाना स्तर पर कराई जाएगी ताकि सभी थानों में साइबर को लेकर जानकारी रहे।

शहर की लेखिका कुमारी छाया की पुस्तक 'चाय सा हमसफर' जल्द होगी उपलब्ध

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : शहर की लेखिका कुमारी छाया की पुस्तक ह्लचाय सा हमसफरह्व जल्द ही उपलब्ध होगी। छाया की यह चौथी पुस्तक है। इससे पहले उनकी पहली पुस्तक 'एक प्याली चाय' साल 2021 में, दूसरी पुस्तक 'मेरी उम्मीद की ओर' साल 2022 में और तीसरी पुस्तक 'जिन्दगी अभी बाकी है' साल 2023 में आई, जो उन्होंने कैंसर पर लिखी थी।

छाया खुद भी कैंसर से लगातार लगभग तीन सालों से लड़ाई लड़

लेखिका कुमारी छाया की फाईल फोटो।

रहीं है। इसी क्रम में अब उनकी चौथी पुस्तक 'चाय सा हमसफर' पाठकों के लिये जल्द ही उपलब्ध होगी। उनकी लेखनी कैंसर से उनकी जंग में उनका पूरा सहयोग कर रही है। छाया की पहली पुस्तक 'एक प्याली चाय', जिसे 3 सितंबर 2021 को छत्तीसगढ़ के ऑथर्स ट्री पब्लिकेशन ने प्रकाशित किया था। इसके प्रकाशित होने के अगले दिन ही अमेजॉन पर इसे बेस्ट सेलर का टैग मिल गया था। छाया का कहना है कि वे प्रकृति में उपस्थित सभी चीजों से प्रेरणा लेती है। लेखन उनके लिये एक औषधि के समान है।

पत्नी से विवाद में युवक ने खाई नींद की गोलियां, गंभीर

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर के गोलमुरी थाना अंतर्गत गाढ़ाबासा निवासी राजाबाबू गोस्वामी ने पत्नी से विवाद के बाद नींद की गोलियां खा ली। गंभीर अवस्था में परिजन उसे लेकर इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल पहुंचे जहां उसकी स्थिति गंभीर बताई जा रही है। परिजनों ने बताया कि राजा बाबू की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। रांची के रिनपास से उसका इलाज चल रहा है। गुरुवार को उसकी पत्नी से किसी बात को लेकर उसका विवाद हो गया था जिसके बाद उसने घर में रखी नींद की गोली खा ली।

घर में चोरी मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : उलीडीह थाना अंतर्गत शंकोसाई रोड नंबर पांच निवासी संध्या पाल के घर बुधवार देर रात चोरी हो गई। घटना के वक्त संध्या अपने परिवार के संग धालभूमगढ़ गई थी। इधर, पुलिस ने घर में घुसकर चोरी करने के आरोप में चिंटू कुमार नमक युवक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने चिंटू के पास से चोरी का सामान भी बरामद किया है। चिंटू संध्या पाल का पड़ोसी है। पुलिस ने उसे गुरुवार को जेल भेज दिया।

सड़क दुर्घटना के बाद बेटे को देखने गई थी संध्या: बुधवार देर रात धालभूमगढ़ थाना क्षेत्र के भाटाजोड़ पुल के पास सड़क दुर्घटना में संध्या के बेटे जयदेव पाल की मौत हो गई थी। सूचना पाकर संध्या परिजनों संग घर बंद कर धालभूमगढ़ चली गई थी। इसी का फायदा उठाकर चिंटू ने घर में चोरी की। संध्या जब घर वापस लौटी तो उसे चोरी की

गिरफ्तार आरोपी। ● फोटोन न्यूज

जानकारी हुई। उसने तत्काल उलीडीह थाना को सूचित किया जिसके बाद पुलिस ने चिंटू को गिरफ्तार कर लिया।

खेलो इंडिया अस्मिता वीमेंस लीग 3 सितंबर को, तैयारी पूरी

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : जेआरडी टाटा स्पोर्टस कॉम्पलेक्स में झारखंड स्टेट बास्केटबॉल एसोसिएशन की ओर से 3 सिंतबर को खेलो इंडिया 33 अस्मिता वीमेंस लीग 2023 अंडर 17 का आयोजन किया जा रहा है। गुरुवार को जेआरडी टाटा स्पोर्टस कॉम्पलेक्स में झारखंड स्टेट बास्केटबॉल एसोसिएशन की

जानकारी देते एसोसिएशन के अध्यक्ष।

ओर से एक प्रेस वार्ता आयोजित की गई। प्रेस वार्ता में मौजूद एसोसिएशन के अध्यक्ष भरत सिंह ने बताया कि 3 सितंबर को इस लीग का आयोजन किया जाना है, जिसमें जमशेदपुर के स्कूल और कॉलेजों से कुल 15-20 टीमें हिस्सा लेंगी। यह लीग सुबह 8.30 बजे से शुरू होगा जो शाम 5.30 बजे तक चलेगा। इसके तहत कुल 25-30 मैच खेले जाएंगे। लीग में मुख्य अतिथि के रूप में जमशेदपुर के एसएसपी प्रभात कुमार मौजूद रहेंगे जो खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाएंगे।

क्रिकेट के टी20 की तर्ज पर हुई शुरूआत : जानकारी देते हुए सेक्रेटरी जेपी सिंह ने बताया कि जिस तरह क्रिकेट में टी20 की शुरूआत हुई उसी तरह बास्केटबॉल में 33 की शुरूआत की गई। मैच कुल 10 मिनट का होगा। जो टीम इस 10 मिनट में 21 प्वाइंट हासिल कर लेती है वह विजेता घोषित होगी। इस 33 लीग में एक टीम में कुल तीन खिलाड़ी ही शामिल हो सकते है। मौके पर अध्यक्ष भरत सिंह, सचिव जेपी सिंह, कोषाध्यक्ष राम कुमार उपाध्याय, मोहन कुमार, जलाल शेख, बसुदेव राव, राकेश महतो, अजहर खान, सुप्रिया करन, अंजली सौरव, नागेश राव, सुरजीत पांडे, समीर, स्नेहा, सुबोध, गुरदीप और अन्य उपस्थित थे।

23 साल बाद भी आदिवासी-दलितों की स्थिति में नहीं आया कोई बदलाव : काशिफ

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : मुसाबनी के भदिया में गुरुवार को आजाद समाज पार्टी की ओर से आदिवासी, दलित, पिछड़ा, अल्पसंख्यक अधिकार सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में बड़ी संख्या में आदिवासी, दलित, अल्पसंख्यकों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। सभा को संबोधित करते हुए भीम आर्मी के प्रदेश उपाध्यक्ष आकाश मुखी ने कहा कि झारखंड में आदिवासियों, दलितों, मुसलमानो और पिछड़ों पर अत्याचार जस की तस है। हेमंत सरकार ने चार साल गुजर जाने के बाद भी जनता के हित में कुछ नहीं किया। झारखंड में गरीबी, बेरोजगारी, भुखमरी और नफरत में कोई कमी नही आई है। वहीं आजाद समाज पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष तारिणी सेन मांझी ने कहा कि झारखंड में सरकार तो आदिवासी की है पर यहां के आदिवासी आज भी अपने मान, सम्मान और स्वाभिमान की लड़ाई लड़ रहे हैं।

XLRI में भारत सरकार के विदेश मंत्रालय व रिसर्च एंड इंफॉर्मेशन सिस्टम फॉर डेवलपिंग कंट्रीज के सहयोग से जी 20 कनेक्ट का आयोजन

हरित क्रांति जलवायु परिवर्तन, DIGITAL ECONOMY एवं टेक्नोलॉजी ट्रांसफॉर्मेशन होगा जी 20 का फोकस एरिया : पूर्व राजदूत

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : भारत इस बार जी-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। यह सम्मेलन इसी महीने नई दिल्ली में होने जा रहा है। इसी के मद्देनजर देशभर में जी-20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट प्रोग्राम का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में बुधवार की देर शाम एक्सएलआरआइ में भारत सरकार के विदेश मंत्रालय व रिसर्च एंड इंफॉर्मेशन सिस्टम फॉर डेवलपिंग कंट्रीज के सहयोग से जी 20 कनेक्ट का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में स्विट्जरलैंड, लिकटेंस्टीन, तुर्की

बैठक में मौजूद पूर्व राजदूत संजय भट्टाचार्य व अन्य। ● फोटोन न्यूज

और मिस्र में भारत के पूर्व राजदूत संजय भट्टाचार्य मौजूद थे। उन्होंने बताया कि जी 20 शिखर सम्मेलन 2023 की थीम वसुदेव कुटुम्बकम- एक विश्व, एक परिवार तय किया गया है। कहा कि यहां की दुनिया का मतलब केवल इंसान ही नहीं बल्कि दुनिया में जो कुछ भी है जिसमें पौधे, जानवर, कीड़े-मकोड़े, संसाधन आदि शामिल हैं। भारत के पूर्व राजदूत संजय भट्टाचार्य ने जी-20 के गठन, इसकी अध्यक्षता में भारत की प्राथमिकताओं और इस वैश्विक संवाद में युवाओं की भूमिका के बारे में कहानी साझा की। इससे पूर्व एक्सएलआरआइ के डायरेक्टर फादर एस जॉर्ज ने संस्थान को कार्यक्रम की मेजबानी का मौका प्रदान करने के लिए आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही स्थिरता, ऊर्जा, जलवायु, सुरक्षा और शांति की समस्याओं को हल करने में सभी सदस्य देशों के बीच सामूहिक प्रयासों के महत्व पर जोर दिया।

ग्लोबल लीडर बनने की राह पर है भारत: भट्टाचार्य ने बताया कि ग्रुप ऑफ ट्वेंटी (ऋ20) में 19 देश (अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, कोरिया गणराज्य, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्किये, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका) और यूरोपीय संघ शामिल हैं। जी-20 सदस्य देशों में वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 85%, वैश्विक व्यापार का 75% से अधिक और विश्व की लगभग दो-तिहाई आबादी है। भट्टाचार्य ने बताया कि अब भारत एक ग्लोबल लीडर बनने की राह पर है। उन्होंने कहा कि देशव्यापी जी-20 कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य मुख्य रूप से उन लोगों और युवाओं को शामिल करना है, जो दुनिया में भारत की भूमिका के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए सरकार के ब्रांड एंबेसडर हैं। जी-20 का फोकस एरिया में ग्रीन डेवलपमेंट, क्लाइमेट फिनांस, इन्क्लूसिव ग्रोथ, डिजिटल इकोनॉमी, पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ ही नारी सशक्तिकरण है।

प्रश्नोत्तरी का हुआ आयोजन: इस मौके पर विद्यार्थियों के बीच आयोजित विभिन्न प्रतियोगिता के विजेताओं को जहां पुरस्कृत किया गया, वहीं विद्यार्थियों के सवालों का भी पूर्व राजदूत संजय भट्टाचार्य ने जवाब दिया। छात्रों ने पूछा की भारत भविष्य में किन देशों को अपने मुख्य प्रतिद्वंदी के रूप में देख रहा है। इस संयजय भट्टाचार्य ने कहा कि भारत जिस गति से विकास की ओर बढ़ रहा है उसे देखकर कहा जा सकता है कि उसका मुकाबला किसी से भी नहीं है।

कम से कम छुट्टियां

बिहार सरकार के शिक्षा विभाग ने सरकारी स्कूलों की त्योहारी छुट्टियों में कमी करके एक साहसिक फैसला लिया है। हालांकि, इस फैसले के आलोचकों की संख्या भी कम नहीं है। चूंकि छुट्टी देने का फैसला आम तौर पर राजनीतिक आधार पर होता है, इसलिए कुछ छुट्टियों को खत्म करने के फैसले पर राजनीति स्वाभाविक है। बिहार के स्कूलों में सितंबर से दिसंबर के बीच 23 छुट्टियां होनी थीं, लेकिन इनमें से 12 छुट्टियों को खत्म कर दिया गया है। बदलते समय के साथ जरूरत भर की छुट्टियां ही रखी गई हैं। बिहार में हुआ यह सुधार उपयोगी ही नहीं, अनुकरणीय भी है। स्कूली शिक्षा में कम से कम छुट्टियां होनी चाहिए। समाज में हर प्रकार के लोग रहते हैं। अब कोई भी ऐसा त्योहार नहीं है, जिसे हर कोई मनाता हो, अनेक ऐसे त्योहार हैं, जिन्हें मनाने वाले लोग मुट्ठी भर होते हैं, लेकिन अवकाश का आनंद या नुकसान सभी उठाते हैं। जब पढ़ाई की जरूरत और उसमें प्रतियोगिता निरंतर बढ़ती जा रही है, तब किसी भी छात्र के लिए पढ़ाई का एक-एक दिन महत्वपूर्ण है। ऐसे में, बहुत जरूरी होने पर ही स्कूली बच्चों को सामूहिक रूप से अवकाश देना चाहिए। स्कूलों में होने वाली छुट्टियों को शिक्षा की गुणवत्ता के पैमाने पर देखना चाहिए। एक साल में छात्रों के लिए कितने दिन स्कूल खुलता है और विभिन्न प्रकार के कार्यों में व्यस्त शिक्षक बच्चों को कितने दिन पूरा समय देकर पढ़ा पाते हैं? अनेक स्कूलों में तो शिक्षकों का भी अभाव है। कुल मिलाकर, कई स्कूल पढ़ाई के गंभीर माहौल से साल भर वंचित रहते हैं। अवकाश की ऐसी आदत पड़ जाती है कि पढ़ाई या शिक्षण के प्रति समर्पण कम हो जाता है। नतीजा स्कूली स्तर पर पढ़ाई में स्पष्ट दिखता है। ऐसे अनेक सर्वे हैं, जो बताते हैं कि पांचवीं कक्षा के छात्र दूसरी कक्षा की पाठ्यपुस्तक भी ढंग से नहीं पढ़ पाते हैं। जब शिक्षा का स्तर अच्छा न हो, जब अधिसंख्य छात्रों को परीक्षा में प्रशंसनीय अंक न मिल पाते हों, तब छात्रों को जरूरत से ज्यादा त्योहारी छुट्टियां देने को भला कौन जायज ठहराएगा? हाल के दिनों में बिहार के अपर मुख्य सचिव के के पाठक ने स्कूली शिक्षा व्यवस्था में सुधार को लेकर कई निर्देश दिए हैं, जिनका स्वागत स्वाभाविक है। छुट्टियां तात्कालिक खुशी का कारण हैं, जबकि स्कूलों में ज्यादा से ज्यादा पढ़ाई छात्र के जीवन में स्थायी खुशी लाने का प्रयास है। दुर्गा पूजा में लगातार छह दिन या दिवाली से छठ पूजा तक लगातार नौ दिन की छुट्टी का कितना औचित्य था, इस पर ईमानदारी से विचार करना चाहिए। अगर किसी को लगता है कि एकाध छुट्टियों को फिर बहाल करना चाहिए, तो तर्क और व्यावहारिकता के साथ सामने आना चाहिए। बिहार शिक्षा विभाग की ओर से जारी संशोधित आदेश में उचित ही कहा गया है कि प्राथमिक विद्यालयों में कम से कम 200 कार्य दिवस और मध्य विद्यालयों में 220 दिन का कार्य दिवस होना जरूरी है, पर दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हो पाता है। कभी चुनाव, कभी परीक्षा, कभी आपदा, तो कभी त्योहार पढ़ाई में बाधक बन जाते हैं। स्कूलों में साल भर में सौ दिन की छुट्टी पर्याप्त होनी चाहिए।

भाला फेंक में नीरज का स्वर्णिम अभियान

सावन के पवित्र माह में चंद्रयान-3 की अभूतपूर्व सफलता के बाद भाला फेंक में नीरज चोपड़ा ने देशवासियों को नए सिरे से गौरवान्वित होने का मौका दे दिया। इस वर्ष का अधिमास सहित सावन अंतरिक्ष व क्रीड़ा जगत में नयी क्रांति का माह बन रहा है। भारत के नीरज चोपड़ा ने हंगरी के बुडापेस्ट में आयोजित विश्व एथलेटिक्स चैपिंयनशिप के फाइनल में पहली बार स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया है। भाला फेंक में भारत को स्वर्ण दिलाने वाले वह पहले भारतीय एथलीट बन गये हैं। नीरज की सफलता से आज संपूर्ण भारत गर्वित व आनंदित है। नीरज की स्वर्णिम सफलता पर राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित पूरे देश ने बधाई दी है। नीरज ने इस सफलता के साथ ही अगले ओलंपिक के लिए भी क्वालिफाई कर लिया है। नीरज ने फाइनल में 88.17 मीटर भाला फेंक कर स्वर्ण पदक जीता। बुडापेस्ट एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में पहली बार भारत के तीन खिलाड़ी भाला फेंक प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंचने में सफल रहे। जिसमें किशोर जेना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए पांचवें स्थान पर रहे जिनका स्कोर 84.77 और डीपी मनु छठे स्थान पर रहे जिनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 84.14 रहा। नीरज चोपड़ा के लिए यही एक प्रतियोगिता बची थी जिसमें उन्हें स्वर्ण नहीं मिला था और वह सपना भी इस बार पूरा हो गया है। इससे पूर्व वह इसी प्रतियोगिता में रजत पदक प्राप्त कर चुके हैं। इससे पूर्व टोक्यो ओलम्पिक में नीरज चोपड़ा ने भाला फेंक प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा था। तब नीरज ने 87.58 मीटर की थ्रो के साथ भारत की झोली में पहला स्वर्ण डाला था जिसके साथ ही पूरा देश खुशी से झूम उठा था और नीरज को कई मंचों पर सम्मानित किया गया था। भाला फेंक प्रतियोगिता में नीरज भारत के युवाओं के लिए आदर्श बनकर उभरे हैं। जब नीरज ने पहली बार ओलंपिक में स्वर्ण जीता तो संपूर्ण भारत में उनके व भाला फेंक के लिए दीवानगी युवाओं में देखी गयी थी।

समावेशी वैश्विक स्वास्थ्य संरचना की आधारशिला

ANALYSIS

डॉ. मनसुख मंडाविया

मंत्रियों, वरिष्ठ नीति निमार्ताओं और बहुपक्षीय एजेंसियों ने स्पष्ट तौर पर भारत की जी20 स्वास्थ्य प्राथमिकताओं का समर्थन किया है, जो सभी की स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच और उनकी क्षमताओं की जटिलताओं पर प्रकाश डालता है। इस प्रक्रिया में, हम बात पर एक व्यापक सहमति बनाने में सफल रहे हैं कि भविष्य की स्वास्थ्य आपात स्थितियों को रोकने, इसके लिए तैयार रहने और इसका मुकाबला करने के लिए सामूहिक वैश्विक कार्रवाई ही आगे का रास्ता है और महामारी से उबरने की प्रक्रिया न्यायसंगत होनी चाहिए। स्वास्थ्य पर कुछ महत्वपूर्ण वैश्विक कार्रवाइयों में शामिल हैं, चिकित्सा उपाय प्लेटफार्म के सिद्धांतों और संरचना पर आम सहमति बनाना, जो टीकों, उपचार, निदान और अन्य समाधानों तक पहुंच से जुड़ी मौजूदा असमानताओं में कमी ला सकता है और जिन्हें स्वास्थ्य संकटों से निपटने में प्रभावी उपाय माना जाता है; डिजिटल स्वास्थ्य पर एक वैश्विक पहल, जो देशों की डिजिटल स्वास्थ्य पहल की प्रगति की इस प्रकार सहायता करे कि अपने विशिष्ट संदर्भ में अन्य देशों के लिए समाधान अपनाने में अंतर को कम किया जा सके।

भारत नई दिल्ली में 18वें जी20 राष्ट्राध्यक्षों और शासनाध्यक्षों के शिखर सम्मेलन की मेजबानी की तैयारी कर रहा है। इस परिदृश्य में हमें यह स्वीकार करना चाहिए कि वास्तव में समावेशी और समग्र सार्वभौमिक स्वास्थ्य संरचना के निर्माण के लिए ग्लोबल साउथ और ग्लोबल नॉर्थ को जोड़ने वाले सेतु की आधारशिला रखी जा चुकी है, जब भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गांधीनगर में आयोजित स्वास्थ्य मंत्रिस्तरीय बैठक में कहा, हमें अपने नवाचारों का जनकल्याण के लिए उपयोग करना चाहिए। हमें वित्तपोषण के दोहराव से बचना चाहिए। हमें प्रौद्योगिकी की न्यायसंगत उपलब्धता की सुविधा प्रदान करनी चाहिए। यह देखकर खुशी होती है कि शक्तिशाली अंतरराष्ट्रीय मंच के सदस्यों ने महामारी के वर्षों के दौरान और उसके बाद से अर्जित सामूहिक ज्ञान के आधार पर कार्य करने के लिए एक लंबा सफर तय किया है - वास्तविक स्वतंत्रता तभी शुरू होती है, जब पूरी मानवता के स्वास्थ्य के साथ कोई समझौता नहीं किया जाता है। यदि कोई वायरस तबाही मचाने का फैसला करता है और हम इसका मुकाबला करने के लिए तैयार नहीं हैं, तो समाज किसी भी स्तर की आर्थिक खुशहाली का आनंद नहीं ले सकता है। यह बात, भारत की जी20 अध्यक्षता के तहत महत्वपूर्ण स्वास्थ्य प्राथमिकताओं पर विचार-विमर्श की अंतर्निहित अवधारणा रही है। मंत्रियों, वरिष्ठ नीति निमार्ताओं और बहुपक्षीय एजेंसियों ने स्पष्ट तौर पर भारत की जी20 स्वास्थ्य प्राथमिकताओं का समर्थन किया है, जो सभी की स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच और उनकी क्षमताओं की जटिलताओं पर प्रकाश डालता है। इस प्रक्रिया में, हम बात पर एक व्यापक सहमति बनाने में सफल रहे हैं कि भविष्य की स्वास्थ्य आपात स्थितियों को रोकने, इसके लिए तैयार रहने और इसका मुकाबला करने के लिए सामूहिक वैश्विक कार्रवाई ही आगे का रास्ता है और महामारी से उबरने की प्रक्रिया न्यायसंगत होनी चाहिए। स्वास्थ्य पर कुछ महत्वपूर्ण वैश्विक कार्रवाइयों में शामिल हैं, चिकित्सा उपाय प्लेटफार्म के सिद्धांतों और संरचना पर आम सहमति बनाना, जो टीकों, उपचार, निदान और अन्य समाधानों तक पहुंच से जुड़ी मौजूदा असमानताओं में कमी ला सकता है और जिन्हें स्वास्थ्य संकटों से निपटने में प्रभावी उपाय माना जाता है; डिजिटल स्वास्थ्य पर एक वैश्विक पहल, जो देशों की डिजिटल स्वास्थ्य पहल की प्रगति की इस प्रकार सहायता करे कि अपने विशिष्ट संदर्भ में अन्य देशों के लिए समाधान अपनाने में अंतर को कम किया जा सके; इस बारे में अपनी समझ विकसित करना कि जलवायु और स्वास्थ्य एक-दूसरे को कैसे प्रभावित करते हैं, ताकि विशिष्ट समाधानों को प्राथमिकता दी जा सके; और पारंपरिक औषधियों के हमारे भंडार से जानकारी प्राप्त करना, ताकि हमारे भविष्य का स्वास्थ्य हमारे अतीत के ज्ञान से लाभ उठा सके। दुनिया भर में कोविड-19 टीकाकरण और नैदानिक चिकित्सा ने हमारी निहित असमानताओं को उजागर किया है, जिन्हें हमें दूर करना होगा। आपस में अत्यधिक जुड़ी हुई दुनिया में, किसी देश में रोगाणुओं का खतरा, पूरी दुनिया के लिए खतरा है और हमें सिद्धांतों तथा एक वैश्विक संरचना पर सहमत होना चाहिए, जो टीकों, नैदानिक परीक्षणों, दवाओं और अन्य समाधानों तक न्यायसंगत और समय पर पहुंच में सभी देशों को सक्षम बना सके। ऐसा वैश्विक प्लेटफार्म समावेशी होना चाहिए, जिसका अर्थ है कि यह उन देशों को ध्यान में रखता है, जो समाधान तक पहुंच में बाधाओं का सामना करते हैं; कुशल होना चाहिए, जिसका अर्थ है कि यह मौजूदा क्षमताओं और नेटवर्क पर तेजी से आगे बढ़ता है; कार्यकुशल और अनुकूल होना चाहिए; जिसका अर्थ है कि इसमें बदलती जरूरतों और वैज्ञानिक प्रमाणों के अनुसार तेजी से अनुकूलन करने के लिए अंतर्निहित लचीलापन है; और जवाबदेह होना चाहिए; जिसका अर्थ है कि एक पारदर्शी संरचना में स्पष्ट और साझा जिम्मेदारी है। इसे शीघ्रता से किफायती चिकित्सा समाधान उपलब्ध कराने चाहिए। जी20 के माध्यम से, हमने डब्ल्यूएचओ के नेतृत्व में ऐसे प्लेटफार्म को लागू करने के परामर्श के लिए एक अंतरिम व्यवस्था के निर्माण पर बिना किसी देरी के अपनी प्रतिबद्धता जताई है, जहाँ निम्न और मध्यम आय वाले देशों का पर्याप्त प्रतिनिधित्व हो, ताकि अगली स्वास्थ्य आपात स्थिति से मुकाबले के लिए हम पूरे तरह तैयार रहें। जी-20 देशों ने विशेष रूप से विकासशील देशों में टीकों, चिकित्सीय और नैदानिक उत्पादों की क्षेत्रीय विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ाने के साथ-साथ सामूहिक रूप से अनुसंधान एवं विकास के एक इकोसिस्टम को विकसित करने की आवश्यकता पर जोर दिया है, ताकि स्वास्थ्य-आपातकालीन स्थितियों में बाजार की विफलताओं से बचा जा सके। सार्वभौमिक स्वास्थ्य देखभाल के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में, डिजिटल स्वास्थ्य सबसे शक्तिशाली उपायों में से एक के रूप में उभरा है। महामारी के दौरान हमने भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य में डिजिटल उपकरणों की परिवर्तनकारी क्षमता का अनुभव किया है। कोविड-19 के दौरान, डिजिटल जनकल्याण उपायों के रूप में परिकल्पित को-विन और ई-संजीवनी जैसे प्लेटफॉर्म पूर्ण रूप से गेम-चेंजर साबित हुए, जिसने एक अरब से अधिक लोगों तक, जिनमें सबसे कमजोर समुदाय भी शामिल थे, टीकों और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच के तरीके को पूरी तरह से लोकतांत्रिक बना दिया। भारत पहले से ही एक राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य इकोसिस्टम - आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) झ तैयार कर रहा है, जो मरीजों को उनके मेडिकल रिकॉर्ड का संग्रह करने, मेडिकल रिकॉर्ड तक पहुँच प्राप्त करने और उचित उपचार व अनुवर्ती चिकित्सा सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के साथ मेडिकल रिकॉर्ड साझा करने का अधिकार देता है। 120 से अधिक देशों ने अपनी राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य नीतियां या रणनीतियां विकसित की हैं, जो कम आय वाले देशों सहित दुनिया भर में डिजिटल स्वास्थ्य उपकरणों की जरूरत को दशार्ती हैं। लेकिन कुछ समय पहले तक, देशों के पास डिजिटल स्वास्थ्य पहल पर ज्ञान के आदान-प्रदान के लिए कोई आम प्लेटफार्म और भाषा नहीं थी, जबकि वे ऐसा करना चाहते थे। डिजिटल स्वास्थ्य में इस तरह से अलग-अलग से कार्य करने का मतलब है कि समान उत्पाद का कई रूपों में दोहराव होना है। भारत की जी-20 अध्यक्षता के तहत 19 अगस्त को डिजिटल स्वास्थ्य पर डब्ल्यूएचओ के नेतृत्व वाली वैश्विक पहल (जीआईडीएच) के लॉन्च के बाद इस स्थिति में बदलाव होना निश्चित है। इस पहल पर जी-20 देशों के सर्वसम्मत समर्थन ने यह सुनिश्चित किया है कि दुनिया, निर्णायक रूप से देशों के बीच बढ़ते डिजिटल-विभाजन को पाटने के लिए, एक विभाजित डिजिटल स्वास्थ्य व्यवस्था से वैश्विक डिजिटल स्वास्थ्य व्यवस्था की ओर आगे बढ़ेगी। इस पहल का उद्देश्य देशों को उच्च गुणवत्ता वाली डिजिटल स्वास्थ्य प्रणालियों की योजना बनाने और उन्हें लागू करने में सहायता करना और मरीजों को गोपनीयता और नैतिकता के उच्चतम सम्मान के साथ जन-केंद्रित दृष्टिकोण के आधार पर स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच की सुविधा प्राप्त करने में मदद करना है। इस तरह की संरचना को साधन प्रदान करने चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि दुनिया भर में लोगों को दी जाने वाली डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता एक निश्चित मानक पूरा कर रहीं हैं; देशों की डिजिटल स्वास्थ्य यात्रा को समझने और साझा करने के लिए एक मंच बनाया जा रहा है तथा उनकी जरूरतों को इस तरह से उजागर किया जा रहा है कि एक देश दूसरे देश से सीख सकें और सभी के लिए स्वास्थ्य की इस यात्रा की दूरी कम की जा सके। सभी क्षेत्रों में जलवायु संबंधी जागरूकता होने के बावजूद, मानव स्वास्थ्य, पशु स्वास्थ्य और पौधों के स्वास्थ्य को कवर करने वाले वन-हेल्थ परिदृश्य में जलवायु, स्वास्थ्य को कैसे प्रभावित करती है तथा इनका आपसी संबंध क्या है, को अभी तक पूरी तरह से समझा नहीं जा सका है। भारत की अध्यक्षता ने पहली बार जी-20 के माध्यम से इन अदृश्य कड़ियों को सुलझाने की आवश्यकता को स्वीकार किया है, ताकि हम समाधानों को प्राथमिकता दे सकें।

लेखक, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हैं।

युवाओं को राजनीति से जोड़ने की चुनौती

संसदीय चुनाव में उतरने की आयु सीमा घटाने की चर्चा राजनीतिक गलियारों में काफी समय से चल रही है। यह मुद्दा बहुत जोर-शोर से तो नहीं, लेकिन यदाकदा सतह पर आ ही जाता है। आगामी आम चुनाव से पहले यह मुद्दा फिर चर्चा में है। संसद की कार्मिक, लोक शिकायत, कानून और न्याय मामलों की समिति के सुझाव से इस बहस ने फिर जोर पकड़ा है। सुशील कुमार मोदी के नेतृत्व वाली इस समिति ने चुनाव लड़ने के लिए न्यूनतम आयु सीमा 25 वर्ष को घटाकर 18 वर्ष किए जाने की बात कही है। इससे पहले दिसंबर, 2022 में जयंत चौधरी ने संसद में इस विषय पर निजी सदस्य विधेयक पेश किया था। हालांकि, चुनाव आयोग ने आयु सीमा घटाने के इस प्रस्ताव पर सहमति नहीं जताई है। चुनाव लड़ने के लिए आयु सीमा घटाने की वकालत करने वालों का तर्क है कि इससे राजनीति में युवाओं की भागीदारी बढ़ेगी और चूंकि भारत युवा आबादी वाला देश है तो युवाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाया जाना आवश्यक है। दुनिया के कई लोकतांत्रिक देश ऐसे हैं, जहां 18 साल की आयु में चुनाव में उतरा जा सकता है। कनाडा, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, स्विट्जरलैंड और आस्ट्रेलिया ऐसे कुछ प्रमुख देश हैं, जहां 18 साल का पड़ाव पार करते ही चुनाव लड़ने की अर्हता प्राप्त हो जाती है। वहीं, अमेरिका के कुछ राज्यों, ब्राजील और इंडोनेशिया में 21 वर्ष की आयु सीमा चुनाव लड़ने के लिए न्यूनतम आयु वर्ग के रूप में स्वीकार्य है। इसके उलट भारत में यह 25 वर्ष है। जबकि भारत उन देशों में रहा है, जहां स्त्री और पुरुषों में कोई भेदभाव किए बिना आरंभ से ही सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार की परंपरा अपनाई गई। फिर मताधिकार के लिए न्यूनतम आयु सीमा को 1989 में 21 से घटाकर 18 वर्ष किया गया। साथ ही ड्राइविंग सरीखे कई अन्य कार्यों के लिए 18 वर्ष की आयु को मानक मान लिया गया। इसलिए चुनाव में उतरने के लिए आयु सीमा घटाने के लिए आवाज उठाई जाती है। ऐसे में यह पड़ताल जरूरी है कि क्या इससे वाकई कुछ फायदा होगा या फिर मौजूदा व्यवस्था ही बेहतर है? इसमें कोई संदेह नहीं कि युवाओं को राजनीति से जोड़ना किसी भी दृष्टि से श्रेयस्कर होगा। इससे नीति निर्माण में उनकी आकांक्षाओं की सहज रूप से अभिव्यक्ति हो सकेगी। भारतीय राजनीति और चुनावों में युवाओं की भागीदारी को समझने के लिए कुछ रुझानों पर नजर डालना बहुत उपयोगी होगा। वर्ष 2014 में करीब 9,500 तो 2019 में 10,000 उम्मीदवारों ने लोकसभा चुनाव लड़ा। इनमें से महज पांच प्रतिशत उम्मीदवार ही 25 से 30 वर्ष की आयु वर्ग के थे। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में 25 से 30 वर्ष आयु वर्ग के 32 उम्मीदवार ही ऐसे थे, जिन्हें पांच प्रतिशत से अधिक वोट मिले। जबकि 2019 में ऐसे 26 उम्मीदवार रहे जिन्हें पांच प्रतिशत से अधिक मत प्राप्त हुए। यदि जीत की बात करें तो 2014 में 11 और 2019 में आठ सांसद ही ऐसे जीतकर आए, जिनकी आयु 25 से 30 साल के बीच थी। इन आंकड़ों के निहितार्थ निकाले जाएं तो यही बात सामने आती है कि एक तो 25 से 30 वर्ष की आयु वर्ग वाले बहुत ज्यादा प्रत्याशी चुनाव में उतर नहीं रहे और उतर भी रहे हैं तो जीत नहीं पा रहे। जो चुनाव में उतरने के साथ जीत भी रहे हैं उनमें से अधिकांश राजनीतिक परिवारों से आते हैं। पिछले कुछ लोकसभा चुनावों की तस्वीर देखें तो संसद की औसत आयु 53 से 54 वर्ष के बीच निकलकर आएगी। यह स्पष्ट रूप से संकेत करती है कि संसद जैसी विधायी संस्था में युवा आबादी का प्रतिनिधित्व बढ़ना चाहिए। आखिर क्या कारण है कि ऐसा नहीं हो पा रहा है? प्रथमदृष्टया इसके सबसे बड़े दोषी तो राजनीतिक दल ही नजर आते हैं। राजनीतिक दल युवाओं को टिकट देने से परहेज करते हैं। टिकट दिया भी जाता है तो मुख्य रूप से उन्हीं को जिनकी राजनीतिक पारिवारिक पृष्ठभूमि या प्रभाव होता है। ऐसे में यदि चुनाव लड़ने के लिए न्यूनतम आयु सीमा घटाई जाएगी तो इसका एक बड़ा जोखिम यह होगा कि इससे हमारी राजनीतिक प्रणाली पर वंशवादी राजनीति का प्रभुत्व और बढ़ जाएगा। स्वाभाविक है कि राजनीति से युवाओं को जोड़ने की राह चुनाव लड़ने के लिए न्यूनतम आयु सीमा घटाने से होकर नहीं जाती, बल्कि इसके लिए राजनीतिक दलों को व्यापक रूप से अपना सोच-रवैया बदलना होगा। यदि राजनीतिक दल वाकई राजनीति में युवाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए गंभीर हैं तो उन्हें कई स्तरों पर कदम उठाने होंगे। सबसे पहले तो सरकार को युवाओं को लेकर मापदंड बदलना होगा। अभी 34-35 वर्ष की आयु वालों को भी युवा माना जाता है। इस पैमाने को घटाना होगा। पार्टियों को अपने सांगठनिक ढांचे में युवाओं को अधिक जगह देनी होगी। अमूमन यह देखने में आता है कि बड़े-बड़े राजनीतिक दलों की युवा इकाइयों की बागडोर भी प्रौढ़ावस्था की दहलीज पर खड़े नेताओं के हाथ में होती है। राजनीतिक दलों को अपने छात्र संगठनों के लिए भी अधिकतम आयु की एक सीमा निर्धारित करनी होगी। बेहतर होगा कि उसमें 30 से अधिक आयु वालों को जगह न ही दी जाए। राजनीतिक दलों के साथ ही सिविल सोसायटी को यह उपाय भी करना होगा कि मतदान में युवाओं की भागीदारी बढ़ाई जाए। मतदान के रुझान यही बताते हैं कि 18 से 25 वर्ष की आयु वर्ग वाले उसमें उदासीनता दिखाते हैं। इसका एक प्रमुख कारण यह है कि इस आयु वर्ग के युवा या तो पढ़ाई या फिर नौकरी के सिलसिले में उस स्थान से बाहर होते हैं, जहां उनका नाम मतदाता सूची में होता है। केवल मतदान के लिए वे अपने मूल स्थान नहीं जा पाते। युवाओं का राजनीति से मोहभंग यहीं से आरंभ होता है।

Social Media Corner

सच के हक में...

हर एक व्यक्ति को ईश्वर ने अलग बनाया है और सब में अनोखी प्रतिभाएं होती हैं। दूसरों से प्रेरणा लेना अच्छी बात है लेकिन अपनी रुचियों, अपनी क्षमताओं को समझकर, अपने लिए सही दिशा का चुनाव करना चाहिए।

(राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के ट्विटर अकाउंट से)

रक्षाबंधन के अवसर पर परिवार के साथ। रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर समस्त राज्यवासियों को अनेक-अनेक शुभकामनाएं और जोहार। आप सभी स्वस्थ रहें, सुखी रहें, यही कामना करता हूं।

(सीएम हेमंत सोरेन के ट्विटर अकाउंट से)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी गरीब परिवारों को मुफ्त अनाज उपलब्ध करा रहे हैं ' प्रधानमंत्री जी लगातार गरीबों, किसानों, आदिवासियों के उत्थान के लिए प्रयासरत हैं ' जबकि, झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार सिर्फ बिचौलियों की चिंता कर यहां के संसाधनों को लूटने में लगी हुई है ' आगामी उपचुनाव में एनडीए के पक्ष में मतदान कर हेमंत सरकार के लूटतंत्र को ध्वस्त करें।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी के ट्विटर अकाउंट से)

बेतुके विरोध का एक और उदाहरण

संसद के पिछले सत्र में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की ओर से आइपीसी, सीआरपीसी और एविडेंस एक्ट की जगह लेने वाले तीन नए विधेयकों का मसौदा संसद में पेश किया गया। इन विधेयकों-भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम पर और व्यापक विचार के लिए उन्हें संसदीय समिति के पास भेज दिया गया है। ये कानून अंग्रेजों ने बनाए थे। समय के साथ उनमें थोड़े-बहुत संशोधन हुए, लेकिन मूलतः वे काफी कुछ वैसे ही रहे, जैसे अंग्रेजों ने बनाए थे। इसीलिए यह कहा गया कि ये कानून उपनिवेशवाद की विरासत हैं। निःसंदेह विपक्षी नेताओं और विधि विशेषज्ञों की यह मांग सही है कि भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम पर और विचार-विमर्श की आवश्यकता है, लेकिन वे केवल यही मांग नहीं कर रहे हैं। कुछ विपक्षी नेता यह मांग भी कर रहे हैं कि इन विधेयकों के जो हिंदी नाम दिए गए हैं, वे हटाए जाएं। यह मांग इसके बाद भी की जा रही है कि ये विधेयक अंग्रेजी में ही बनेंगे। उनका नाम अवश्य हिंदी में होगा, लेकिन उनकी विषयवस्तु अंग्रेजी में ही होगी। द्रमुक ने इन विधेयकों के हिंदी नाम को लेकर कहा कि केंद्र सरकार की ओर से हम पर हिंदी थोपने की कोशिश की जा रही है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा कि इन विधेयकों को हिंदी नाम देना भाषाई साम्राज्यवाद है। उन्होंने यह बेतुकी बात भी कह डाली कि अब प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा को तमिल शब्द बोलने का अधिकार नहीं। ज्ञात हो कि प्रधानमंत्री अपने भाषणों में प्रायः तमिल कवियों को उद्धृत करते रहते हैं। स्टालिन के साथ उनकी पार्टी के वरिष्ठ नेता और प्रवक्ता टीकेएस एलंगोवन ने भी यह बेतुका बयान दिया कि प्रस्तावित विधेयकों में भारत के बजाय भारतीय शब्द का उपयोग इसलिए किया जा रहा है, क्योंकि वे यानी भाजपा नेता इंडिया शब्द से डरते हैं। द्रमुक के अन्य नेता भी स्टालिन की हां में हां मिला रहे हैं। यह बात और है कि अभी तीन-चार दिन पहले दिल्ली से प्रकाशित कुछ हिंदी दैनिकों के प्रथम पृष्ठ पर स्टालिन सरकार का एक विज्ञापन प्रकाशित हुआ। यह हिंदी में था। इसमें हिंदी में लिखा था.. ह्यभारत में पहली बार मुख्यमंत्री प्रातःकालीन भोजन योजना। आज शुभारंभ करेंगे श्री एमके स्टालिन...। आपको शायद यह भी स्मरण होगा कि तमिलनाडु के जिन क्षेत्रों में हिंदी भाषी लोग रहते हैं, वहां विधानसभा चुनावों के समय द्रमुक और अन्य दलों की ओर से मतदाताओं को लुभाने के लिए हिंदी में पोस्टर लगाए जाते हैं। आपराधिक न्याय प्रणाली से जुड़े प्रस्तावित तीन विधेयकों को लेकर संसदीय समिति की जो पहली बैठक हुई, उसमें भी द्रमुक सांसद दयानिधि मारन ने इन विधेयकों के हिंदी नाम पर असहमति दर्ज कराई। प्रस्तावित विधेयकों को हिंदी नाम दिए जाने से केवल द्रमुक को ही आपत्ति नहीं है। मद्रास बार एसोसिएशन ने 23 अगस्त को एक प्रस्ताव पारित कर उक्त विधेयकों के हिंदी नामकरण का विरोध किया। मद्रास बार एसोसिएशन की आम सभा में पारित प्रस्ताव में यह भी कहा गया कि इन विधेयकों का हिंदी नामकरण संविधान के प्रविधानों के विरुद्ध है। ध्यान रहे इसी दिन चंद्रयान-3 का लैंडर चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरा था। विश्व का शायद ही कोई मीडिया संस्थान हो, जिसने चंद्रयान शब्द का उपयोग न किया हो। यह गनीमत रही कि द्रमुक ने इसरो के इस तीसरे मून मिशन का नाम चंद्रयान-3 रखने पर आपत्ति नहीं जताई। ऐसा नहीं है कि हिंदी विरोध के लिए बहाने की तलाश में रहने वाली द्रमुक ने ही आपराधिक न्याय प्रणाली में सुधार के लिए लोकसभा में पेश तीन विधेयकों के हिंदी नामों का विरोध किया हो। इस विरोध में कुछ अन्य दलों के नेता भी शामिल हैं।

चीन की चालबाजी

चीन सरकार ने सोमवार को एक बार फिर नक्शा जारी कर ऐसे कई इलाकों पर अपना अधिकार जताया, जो उसके नहीं हैं। इन इलाकों में भारत का समूचा अरुणाचल प्रदेश और अक्साईचिन तो है ही, साउथ चाइना सी और ताइवान के वे इलाके भी हैं, जिन पर अन्य देश दावा करते हैं। हालांकि चीन ने कोई पहली बार इस तरह का दावा नहीं किया है। लेकिन इस बार यह ऐसे समय किया गया है, जब दस दिनों के अंदर भारत की अध्यक्षता में जी-20 की शिखर बैठक होने वाली है, जिसमें शामिल होने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन से लेकर खुद चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग भी आ रहे हैं। जाहिर है, भारत की पहली प्राथमिकता अभी यही होगी कि जी-20 बैठक के अजेंडे में शामिल विषयों से अलग अन्य कोई मसला एक हद से ज्यादा न उछले और माहौल इस कदर खराब न हो कि बैठक के नतीजों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका बन जाए। शायद यह भी एक वजह रही कि भारत ने हालांकि डिप्लोमैटिक चैनलों के जरिए इस पर अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया है, लेकिन खुद विदेश मंत्री एस. जयशंकर इसे ज्यादा तवज्जो देते नहीं दिखे। सवाल किए जाने पर उन्होंने इसे निरर्थक बताते हुए इतना ही कहा कि चीन पहले भी ऐसे दावे करता रहा है और यह इसकी पुरानी आदत है। मगर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने एक कदम आगे बढ़ते हुए यह भी जोड़ा कि ऐसे कदम सीमा से जुड़े सवालों को हल करना और मुश्किल बना सकते हैं। गौर करने की बात है कि अभी-अभी साउथ अफ्रीका के जोहानिसबर्ग में हुई ब्रिक्स शिखर बैठक के दौरान चीन के प्रयासों के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच द्विपक्षीय बैठक नहीं हुई। इसके पीछे एक बड़ी वजह यह बताई जाती है कि छअउ पर दोनों पक्षों के बीच जारी गतिरोध दूर करने की कोशिशें सफल नहीं हुईं और भारत ने पहले से ही स्पष्ट कर रखा है कि सीमा पर गतिरोध दूर करके 2020 से पहले की यथास्थिति बनाए बगैर दोनों देशों के रिश्ते सामान्य नहीं हो सकते।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, Jharkhand-835222, and Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

BRIEF NEWS

महिला सहायक कमांडेंट नुपुर चक्रवर्ती ने जवानों को बांधी राखी

CHAIBASA : नक्सल प्रभावित सारंडा जंगल के रोवाम स्थित सीआरपीएफ की सी-197 बटालियन कैम्प में तैनात एकमात्र महिला कंपनी कमांडर सह सहायक कमांडेंट नुपुर चक्रवर्ती ने कैम्प में गुरुवार को अपने साथी अधिकारी व जवान भाइयों को राखी बांधी। उन्होंने भाई-बहन का अटूट विश्वास व पवित्र प्रेम का पर्व रक्षा बंधन हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस दौरान जवानों ने भी नुपुर चक्रवर्ती की कलाई पर राखी बांधी। सभी ने एक-दूसरे के अलावे आम जनता की रक्षा करने का संकल्प लिया। नुपुर चक्रवर्ती ने सुबह पूजा-अर्चना कर पूजा की थाली में दीप जलाकर एक-एक कर सभी जवानों की आरती उतार उनकी कलाई पर राखी बांधी एवं मिठाई खिलाई। जवान भाइयों ने भी अपनी प्यारी बहन को यथासंभव उपहार दिया। कैम्प के सभी जवानों में रक्षा बंधन को लेकर भारी उत्साह का माहौल था।

महिला जागृति शाखा ने सीआरपीएफ जवानों को बांधी राखी

CHAIBASA : रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर मारवाड़ी युवा मंच की महिला जागृति शाखा ने सीआरपीएफ के जवानों को राखी बांधी। देश की रक्षा करने हेतु अपने परिवार से दूर रह रहे सभी सीआरपीएफ जवानों को राखी बांध कर उनके दीघार्यु की कामना की। मंच की इस नई पहल के अवसर पर द्वितीय कमान अधिकारी कुलदीप कुमार, एसएम राजवीर बेनीवाल सहित 70 सीआरपीएफ जवान शामिल थे। उन्होंने आपने आशीर्वाद स्वरूप कुछ उपहार एवं स्नेहवचनों के साथ सभी को विदाई दी एवं सभी बहनों और देश की रक्षा करने का प्रण लिया।

भागाविला घाटी में मारुति कार में लगी आग, चालक व यात्री सुरक्षित

CHAIBASA : चाईबासा के मंझारी थाना क्षेत्र के भागाविला घाटी में गुरुवार की सुबह 10 बजे के करीब एक मारुति ओमिनी वैन में आग लग गई। कार में घाटी में चढ़ने के क्रम में अचानक आग लग गई। इस घटना से यात्री डर गए। हालांकि चालक ने वैन रोक दी और सभी यात्री और चालक उतर कर भाग गए। वहां मौजूद युवा वैन के जलने का कारण नहीं बता पाए। चालक व यात्री जान बचाकर भागने में सफल रहे। वैन पूरी तरह से जल गया है। इधर, स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दे दी है। समाचार लिखे जाने तक जला हुआ वैन वहीं पड़ा है।

सेवानिवृति पर सेलकर्मी को खदान प्रबंधन ने दी विदाई

KIRIBURU : सेल की किरीबुरू खदान के सेलकर्मी कामता प्रसाद के सेवानिवृत्त होने पर प्रबंधन ने विदाई समारोह आयोजित कर विदाई दी। इस दौरान बतौर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद खदान के सीजीएम कमलेश राय ने कामता प्रसाद को डीनर सेट, प्रशस्ति पत्र आदि देकर सम्मानित किया। उन्होंने सेवानिवृत्त सेलकर्मी एवं उनके पूरे परिवार के लिए स्वस्थ एवं सुखमय जीवन की कामना की। उन्होंने कहा कि कामता प्रसाद ने किरीबुरू खदान को अपना बहुमूल्य योगदान देकर प्रबंधन को नई ऊंचाईयों पर ले जाने में सहयोग किया। उनकी योगदान को भुलाया नहीं जा सकता है। इस दौरान महाप्रबंधक राम सिंह, वरिष्ठ प्रबंधक रोहित टोप्पो, अनिल शर्मा, राजेन्द्र सिंधिया, संजीत मिश्रा आदि दर्जनों मौजूद थे।

भागाबिला घाटी में लूट की योजना बनाते दो अपराधी पिस्टल के साथ गिरफ्तार

PHOTON NEWS CHAIBASA : मंझारी थाना क्षेत्र के भागाबिला घाटी के पास लूट की योजना बनाते दो अपराधी पकड़े गए। पुलिस ने गुप्त सूचना पाकर एक टीम कर दोनों अपराधियों को लोडेड देशी पिस्टल के साथ धर दबोचा। गुरूवार को सदर एसडीपीओ दिलीप खलखो ने प्रेसवार्ता आयोजित कर इसकी जानकारी दी। एसडीपीओ ने बताया कि दोनों अपराधी बुधवार की रात भागबिला घाटी में हथियार के साथ लूट की योजना बना रहे हैं।

गिरफ्तार अपराधी व जानकारी देती पुलिस। ● फोटोन न्यूज

सूचना के आधार पुलिस ने एक टीम का गठन कर भागाबिला घाटी पहुंचे। जहां पर दो व्यक्तियों को यूनीकॉर्न मोटरसाईकिल से भागते हुए देखा गया। पुलिस टीम दोनों व्यक्तियों को रोकने का इशारा किया, परन्तु दोनों पुलिस को देख कर भागने लगे। इस पर पुलिस टीम ने पीछा करते हुए दोनों को पकड़ लिया।

पकड़े गए अपराधी पूछे जाने पर एक ने अपना नाम कृष्णा पूर्ती, गांव- सेरेगबिल थाना मंझारी (तांतनगर) एवं दूसरा व्यक्ति रवि गोडसोरा उर्फ मोटू उर्फ लगडा उर्फ रोबिन सरायकेला थाना क्षेत्र के छुड़गदा का रहने वाला बताया। तलाशी लेने के क्रम में कृष्णा पूर्ती क पास एक लोडेड देशी पिस्टल व दो जिंदा गोली एवं रवि गोडसोरा के पास से एक लोहे का दाउली बरामद हुआ। दोनों अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के क्रम में झारखंड व ओडिशा के विभिन्न थाना क्षेत्र के 13 कांडों में अपनी संलिप्तता की स्वीकार की।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया भाई बहन का त्योहार रक्षा बंधन

PHOTON NEWS CHAIBASA : सावन माह की पूर्णिमा पर भाई बहन का त्योहार रक्षा बंधन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर बहनों ने अपने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर उनके कलाई पर राखी बांधी और मिठाई खिलाई। रक्षा बंधन को लेकर शहर के हर आयु वर्ग के महिलाओं एवं बच्चियों में काफी उत्साह देखने को मिला। ज्यादातर छोटे-छोटे बच्चियों में उत्साह दिखा जिन्होंने अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधी।

रक्षा बंधन को लेकर इस वर्ष शुभ समय को लेकर संशय बना हुआ था। कुछ लोगों ने 30 अगस्त को रक्षा बंधन मनाया तो कुछ ने 31 अगस्त को रक्षा बंधन मनाया। हालांकि 31 अगस्त को सुबह 7.30 बजे तक ही शुभ समय था। हिन्दू धर्म के अनुसार उदया तिथि को मानने वाले लोगों ने सुबह 7.30 बजे के बाद भी राखी बंधवाया।

अफीम रखने के मामले में दो आरोपियों को दस दस साल की सजा, एक लाख का जुर्माना

PHOTON NEWS CHAIBASA : प्रतिबंधित पदार्थ अफीम रखने के आरोप में खूंटी जिलांतर्गत अड़की थाना क्षेत्र के करूंगा निवासी मनोज सामड व चरण सामड को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के न्यायालय में दोषी करार देते हुए हुए दस-दस साल की सजा सुनाई गई है। साथ ही एक-एक लाख रूपए का जुमार्ना भी लगाया गया है। इस संबंध में 2 मई 2022 को थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। जिसमें बताया गया है कि 2 मई 22 चाकी स्कूल के पास चेंकिग के दौरान अभियुक्त मनोज सामड एवं चरण सामड तलाशी के क्रम मोटर साईकिल (ळश्र अढअउल्ए) के सीट के नीचे से प्रतिबंधित पदार्थ अफीम मिला था। इसके बाद पुलिस ने दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इसके बाद सभी साक्ष्यों को वैज्ञानिक तरीके से संग्रह करते न्यायालय में आरोप पत्र समर्पित किया गया। जिसके आधार पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के न्यायालय से दोषी करार देते हुए ठऊ्ढर अू३ में दोनों अभियुक्तों को 10-10 साल का कठोर कारावास तथा एक-एक लाख रुपए जुमार्ना की सजा दी गई है।

गिरफ्तार आरोपी। ● फोटोन न्यूज

लायंस क्लब के सदस्यों ने सीआरपीएफ के जवानों संग मनाया रक्षा बंधन का त्योहार

PHOTON NEWS CHAIBASA : गुरुवार को लायंस क्लब ऑफ चाईबासा के सदस्यों ने 197वीं बटालियन के जवानों को राखी बांध कर रक्षा बंधन का त्योहार मनाया। 197वीं बटालियन परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम में क्लब की सदस्यों ने सभी जवानों को रक्षा सूत बांधी व उनके लंबी उम्र की कामना की। ये जवान अपने घर परिवार से दूर रहकर हमारे देश की रक्षा करने के लिए तत्पर रहते हैं और जरूरत पड़ी तो अपने प्राणों का बलिदान देने से भी नहीं चुकते हैं।

रक्षाबंधन कार्यक्रम में शामिल महिला व सीआरपीएफ के जवान। ● फोटोन न्यूज

यह कार्यक्रम द्वितीय कमान अधिकारी परविंदर सिंह, सीएमओ डॉक्टर विजय चौधरी, डिप्टी कमांडेंट प्रदीप कुमार पांडे के नेतृत्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन लायन दीपक सिंह ने किया। मौके पर क्लब की अध्यक्ष लायन पिंकी अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष लायन शालिनी सराफ, लायन बारिश, लायन प्रीति, लायन पल्लवी राठौर, लायन आरती मोदी, लायन खुशी मोदी उपस्थित थीं।

मतकमहातु में हुआ जल-नल का उद्घाटन

उद्घाटन के मौके पर जुटे लोग। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS CHAIBASA : चाईबासा के सदर प्रखंड अंतर्गत मतकमहातु में गुरुवार को जल नल का उद्घाटन किया गया। नल का उद्घाटन संयुक्त रूप से पंचायत समिति सदस्य मंजू देवगम, सदर प्रखंड झामुमो बीस सूत्री उपाध्यक्ष चंद्रमोहन देवगम व ग्राम मुंडा धनुर्जय देवगम ने फीता काटकर किया। मौके पर पंसस मंजू देवगम ने कहा कि गांव के लोग पेयजल समस्या से जूझ रहे थे, लेकिन अब जल नल निर्माण से ग्रामीणों में काफी हर्ष है।

उन्होंने कहा कि जल का सदुपयोग करें। इसे बर्बाद ना करें। मालूम हो कि इस जल नल का निर्माण 1,76,726 रुपए की लागत से की गयी है। मौके पर आदिवासी हो समाज युवा महासभा सदर अनुमंडल के कोषाध्यक्ष चाहत देवगम, धर्मराज देवगम, मानकी देवगम, रमाय देवगम, डाकुआ बोस गोप, कुंती देवगम, सुनीता देवगम, संध्या देवगम, डोबरा देवगम, गीता देवगम समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

सीएम पटनायक व केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने भुवनेश्वर उत्केला उड़ान सेवा को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

PHOTON NEWS BHUBANESHWAR : ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक और नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गुरुवार को भुवनेश्वर और कालाहांडी जिले के उत्केला के बीच पहली उड़ान सेवा को हरी झंडी दिखा रवाना किया। सिंधिया वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए कार्यक्रम में शामिल हुए जबकि पटनायक यहां बीजू पटनायक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मौजूद थे। दोनों ने ओडिशा की वाणिज्य एवं परिवहन मंत्री टुकुनी साहू और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अशोक पांडा की उपस्थिति में उत्केला हवाई अड्डे का भी उद्घाटन किया।

ओडिशा के विमानन क्षेत्र में एक और सुनहरा अध्याय जुड़ा : पटनायक ने एक्स पर कहा कि भुवनेश्वर और कालाहांडी जिले में नये उद्घाटन किए गए उत्केला हवाई अड्डे के बीच पहली उड़ान को हरी झंडी दिखाकर खुशी हुई। हवाई अड्डे ने ओडिशा के विमानन क्षेत्र में एक और सुनहरा अध्याय जोड़ा है। यह कनेक्टिविटी, वाणिज्य और पर्यटन को बढ़ावा देगी, क्षेत्र के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करेगी। सिंधिया ने एक्स पर कहा कि पूर्वी भारत ने हमेशा अपनी समृद्ध संस्कृति, कला और सभ्यता के साथ देश के आर्थिक और सामाजिक विकास में योगदान दिया है और आज जब भारत अपने अमृतकाल में आगे बढ़ रहा है, तो इस क्षेत्र का विकास हमारी प्राथमिकता है।

भुवनेश्वर उत्केला उड़ान सेवा को हरी झंडी दिखा किया रवाना करते मुख्मंत्री व अन्य। ● फोटोन न्यूज

इंडियावन एयरलाइन मंगलवार और गुरुवार को उड़ानों का संचालन करेगी : उन्होंने कहा कि इसी संकल्प के साथ आज नवीन पटनायक और जनरल वीके सिंह द्वारा न केवल उत्केला (कालाहांडी) में नये हवाई अड्डे बल्कि उड़ान योजना के तहत उत्केला और भुवनेश्वर के बीच हवाई सेवा का भी उद्घाटन किया गया। मुझे विश्वास है कि इससे न केवल ओडिशा के नागरिक उड्डयन क्षेत्र को नये पंख लगेंगे, बल्कि रोजगार, उद्यमिता और समावेशी विकास को भी नयी गति मिलेगी। 31 अगस्त से उत्केला हवाई अड्डे के संचालन के साथ, यह भुवनेश्वर, झारसुगुड़ा, जयपोर और राउरकेला के बाद ओडिशा का पांचवां हवाई अड्डा बन गया है। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि इंडियावन एयरलाइन मंगलवार और गुरुवार को उड़ानों का संचालन करेगी।

झारखंड पुनरुत्थान अभियान ने 15 दिनों का दिया अल्टीमेटम, आंदोलन की चेतावनी

PHOTON NEWS CHAIBASA : चाईबासा में ह्यझारखंडह्न के नाम पर तंबाकू फैक्ट्री चलने को लेकर अब लगातार विरोध होना शुरू हो गया है। झारखंड पुनरुत्थान अभियान के संयोजक सन्नी सिंकु ने कहा कि झारखंड के नाम का दुरुपयोग हो रहा है। लेकिन सरकार मौन है। इससे साफ साबित हो रहा है कि यह सब मिलीभगत के तहत चल रहा है। इसमें जिले के कई जन प्रतिनिधि भी शामिल है। उन्होंने कहा कि तंबाकू इंसानों के सेहत के लिए खराब है। इसके बावजूद भी सरकार ह्यझारखंड खैनीह्न के नाम पर तंबाकू बेचने का आदेश दिया है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। झारखंड सरकार को 15 दोनों का अल्टीमेटम दिया जा रहा है कि नाम को बदलकर कारोबार कराया जाए। अन्यथा आने वाले दिनों में चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा।

झारखंड को बदनाम ना करें कारोबारी : सन्नी ने कहा कि चाईबासा कारोबारी नितिन प्रकाश को झारखंड से लेना-देना नहीं है। वह सिर्फ अपना कारोबार करना चाहते हैं। झारखंड राज्य इतनी आसानी से नहीं प्राप्त हुआ है। इसे पाने में कई लोगों ने अपनी शहादत दी है। लेकिन अब यह स्थिति आ गई है कि तंबाकू पदार्थ पर ह्यझारखंडह्न नाम और झारखंड का नक्शा लगाकर बेचा जा रहा है। उन्होंने कहा कि कारोबारी कारोबार करें लेकिन, झारखंड के नाम को बदनाम ना करें। ह्यझारखंडह्न नाम से यदि तंबाकू जैसे कारोबार होंगे तो इसका विरोध पूरे झारखंड भर में किया जाएगा। जब तक झारखंड सरकार ह्यझारखंड तंबाकूह्न पर कोई कार्रवाई नहीं करेगी, तब तक इसका विरोध किया जाएगा।

राज्य स्तरीय योगासन प्रतियोगिता कल से राज्य भर से करीब 400 प्रतिभागी लेंगे भाग

PHOTON NEWS CHAIBASA : जिला योग एसोसिएशन की ओर से 2 व 3 सितंबर को चाईबासा में आयोजित राज्य स्तरीय योगासन प्रतियोगिता की तैयारी अंतिम चरण में है। कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए एसोसिएशन के सचिव कन्हैयालाल अग्रवाल ने सभी सदस्यों के साथ रुंगटा मैरिज हाउस में बैठक की। उन्होंने सभी सदस्यों से अलग-अलग निर्धारित कार्य की जानकारी ली तथा उन्हें दी गई जिम्मेवारियों का आकलन भी किया। ज्ञात हो कि दो दिवसीय इस योगासन प्रतियोगिता में राज्य भर से लगभग 400 प्रतिभागी भाग लेंगे। सभी प्रतिभागी 1 सितंबर तक शहर पहुंच जाएंगे। जिनके रहने और खान-पान की व्यवस्था राजस्थान भवन टुंगरी और रुंगटा मैरिज हाउस में की गई है। यह सारी व्यवस्था संगठन के द्वारा की जा रही है। सभी प्रतियोगिताएं पिल्लई टाउन हॉल में संपन्न होगी। कार्यक्रम के प्रायोजक रुंगटा स्टील टीएमटी बार है।

बैठक में शामिल एसोसिएशन के सदस्य। ● फोटोन न्यूज

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रमंडलीय आयुक्त मनोज कुमार और बतौर विशिष्ट अतिथि उपायुक्त अनन्य मित्तल व पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर ने अपनी सहमति प्रदान की है। समापन समारोह सह पुरस्कार वितरण में मुख्य अतिथि डीआईजी अजय लिंडा तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर उपस्थित होंगे।

हो जनजातीय जीवनी दर्शन पर आधारित संग्रहालय का मनाया गया स्थापना दिवस समारोह

MUSEUM में मौजूद पारंपरिक वस्तुएं बच्चों की मौखिक क्षमता बढ़ाने के साथ-साथ संस्कृति को जीवंत रखेंगी

PHOTON NEWS CHAIBASA : मझगांव प्रखंड अंतर्गत मध्य विद्यालय देवधर में हो जनजातीय जीवनी दर्शन पर आधारित संग्रहालय का स्थापना दिवस समारोह मनाया गया। समारोह में जिले के विभिन्न प्रखंडों के शिक्षक-शिक्षिकाएं शामिल हुए। बच्चों ने एक से बढ़कर एक आकर्षक मनभावन सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। हरे-भरे पेड़ों के बीच और नदी के किनारे अवस्थित विद्यालय प्रांगण में अभिभावकों एवं समुदाय के लोगों का हुजूम समारोह में चार चांद लगाया।

समारोह में उपविकास आयुक्त संदीप बक्शी बतौर मुख्य अतिथि, जिला शिक्षा अधीक्षक सह जिला शिक्षा पदाधिकारी अभय कुमार शील, प्रखंड विकास पदाधिकारी जोसेफ कंडुलना, मानकी मुंडा संघ अध्यक्ष गणेश पाट पिंगुवा, जिला परिषद सदस्य माधव चंद्र कुंकल, हो समाज युवा महासभा उपाध्यक्ष इपिल सामड, महासचिव गब्बर सिंह हेम्ब्रम, पूर्व अध्यक्ष भूषण पाट पिंगुवा, मुखिया सोना सिंह पिंगुवा, ग्राम मुंडा पासवंत पिंगुवा, रवींद्र बाल संस्कार स्कूल असुरा के निदेशक सिकंदर बुड़ीउली आदि विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। समारोह में मध्य विद्यालय देवधर, उमवि मरांदा, लोवाहातु, मोंडोहम के कलाकारों ने एक से एक बढ़कर नृत्य व गीत प्रस्तुत किया। शिक्षक मंगल सिंह मुंडा ने प्रेरणा गीत अञ दोञ सेनोःआ स्कूल ते प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में मौजूद अतिथि। ● फोटोन न्यूज

नृत्य प्रस्तुत करते कलाकार। ● फोटोन न्यूज

समारोह में उपस्थित अतिथियों ने कहा संग्रहालय में मौजूद पारंपरिक वस्तुओं के माध्यम से बच्चों के मौखिक क्षमता बढ़ने के साथ-साथ संस्कृति को जीवंत रहेगी। समारोह में अतिथियों ने विद्यालय प्रबंधन समिति को बच्चों के लिए पठन पाठन की सामग्रियां भेंट किया और बच्चों से संवाद किया। समारोह का कार्यक्रम का संचालन शिक्षक कृष्णा देवगम ने किया।

मौके पर देवधर मवि के प्रधान शिक्षक जगदीश सावैयां, मेनंती पिंगुवा, देवानंद तिरिया, कविता महतो, चंद्रशेखर तामसोय, मार्शल पुरती, सुभाष गागराई, महती तिरिया, सुरसिंह मुंडा, सुषमा मुंडा समेत काफी संख्या में अभिभावक एवं बच्चे- बच्चियां उपस्थित थे। अंत में अतिथियों का पारंपरिक अंदाज में पेड़ पौधों से मिलने वाली चीजें भेंटकर विदाई दी गई।

छऊ गुरु तपन पटनायक ने विधायक से की मुलाकात

छऊ गुरु को सम्मानित करते विधायक। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS CHAIBASA : झारखंड गौरव एवं संगीत नाटक अकादमी अवार्ड से सम्मानित राजकीय छऊ नृत्यकला केंद्र के पूर्व निदेशक तपन कुमार पटनायक ने गुरुवार को चक्रधरपुर के विधायक सह छऊ कलाकार सुखराम उरांव से मुलाकात की। इस दौरान छऊ गुरु तपन पटनायक का विधायक ने स्वागत किया और छऊ नृत्य के विकास को लेकर विचार चर्चा की।

बता दें कि कृषि विश्वविद्यालय रांची के द्वारा राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन के कर कमलों से छऊ गुरु तपन कुमार पटनायक को छऊ के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए सम्मानित किया गया था। चक्रधरपुर के विधायक ने गुरु तपन कुमार पटनायक के छऊ के प्रति समर्पण एवं उनकी निष्ठा की प्रशंसा की। छऊ गुरु तपन पटनायक ने भी विधायक द्वारा छऊ के विकास हेतु किए गए कार्यों की सराहना की।

पटना में काला बिल्ला लगाकर शिक्षकों ने की ड्यूटी

महिला शिक्षकों ने स्कूल में ही भाई को बांधी राखी, बच्चे नहीं पहुंचे स्कूल

पटना। आज पूरा देश राखी का त्यौहार मना रहा है, तो दूसरी और बिहार में शिक्षा विभाग की ओर से छुट्टी की लेकर नए फरमान जारी होने के बाद से रक्षाबंधन समेत अन्य त्योहारों पर शिक्षकों का छुट्टी निरस्त कर दिया गया है। छुट्टी निरस्त होने से बिहटा प्रखंड के कई सरकारी स्कूलों में शिक्षक-शिक्षिकाओ ने काला बिल्ला लगाकर विरोध जाता रहे हैं। क्लास रूम बच्चों के बिना खाली पड़ा हुआ है। पूरा स्कूल परिसर बच्चों के बिना विरान है। दूसरी और शिक्षक और शिक्षिका काला बिल्ला लगाकर स्कूल परिसर में उपस्थित हैं। साथ ही बच्चों को नहीं आने पर एमडीएम की लिस्ट को शून्य पर बनाकर वरीय अधिकारी को भेजा रहा हैं। तो दूसरी ओर बिहटा प्रखंड मुख्यालय में स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय प्रखंड कॉलोनी में भाई-बहन की अटूट रिश्ता देखा गया। एक तरफ ड्यूटी तो दूसरी तरफ भाई-बहन के पावन त्योहार रक्षा बंधन का भी फर्ज निभाया गया। ड्यूटी से पहले भाई ने बहन की स्कूल में पहुंच कर राखी बंधवाया। बिहटा प्रखंड स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय में शिक्षिका रुचि कुमारी के भाई संतोष कुमार भी भोजपुर के एक स्कूल में शिक्षक के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने ड्यूटी से पहले बहन के हाथों से पहले राखी बंधवाया और उसके बाद स्कूल का ड्यूटी निभाया। शिक्षिका रुचि कुमारी ने बताया की सरकार की और से जारी नई छुट्टी नीति से खाफी लोग खफा हैं, लेकिन क्या करें। इसके आगे किसकी चली है ? आज पूरे देश की बहनें राखी का त्यौहार का मना रही हैं, लेकिन हमलोग अपने अपने स्कूलों में ड्यूटी निभा रहे हैं। चाहे बच्चे आए या ना आए। राखी के पर्व को लेकर हम लोग काफी उत्साहित थे, पूरी प्लानिंग बनाकर रखे थे कि छुट्टी पर मायके अपने बच्चों के साथ जाएंगे, लेकिन अचानक सरकार की ओर से छुट्टी को निरस्त कर दिया गया। इससे काफी दुख हुई। महिला शिक्षक ने कहा कि हमने आज अपने भाई को अपने विद्यालय में बुलाकर राखी बांधा है। इसके बाद स्कूल के कामों में लग गए। अन्य शिक्षकों ने सरकार से कहा कि रक्षाबंधन का त्योहार हर कोई हिंदू मुस्लिम भाईचारे के साथ मानता है, लेकिन शिक्षा विभाग की ओर से जारी नई शिक्षा नीति को लेकर सरकार हिंदू विरोधी है। हिंदू के पर्वों पर छुट्टी पर रोक लगा दी है, जिसे बिहार की सभी सरकारी स्कूल में तैनात शिक्षक इस आदेश से खफा हैं। इसे जल्द से जल्द वापस लेने को बात कही। बिहटा प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों में तमाम शिक्षक और शिक्षिकाएं काला बिल्ला लगाकर विरोध जताते हुए कार्य कर रही हैं। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी नभेष कुमार ने बताया कि सरकार का जो निर्देश है। उसका हर-हाल में पालन होना चाहिए और सरकार के नीतियों का विरोध करने वालों पर करवाई किया जाएगा। बिहटा प्रखंड में काला बिल्ला लगाने की कोई सूचना नहीं है।

7 वर्षीय बच्चे की डूबने से मौत

भोजपुर । आहर में डूबने से एक बच्चे की मौत हो गई। जिसके बाद ग्रामीणों के मदद से शव को आहर से बाहर निकाला गया। घटना को लेकर लोगों के बीच अपरा तफरी मची रही। जानकारी के अनुसार मृत बालक संदेश थाना क्षेत्र के बडीहा गांव निवासी सुरेंद्र यादव का 7 वर्षीय पुत्र सूरज कुमार है एवं वह दूसरी कक्षा का छात्र था। हादसा जिले के संदेश थाना क्षेत्र के बडीहा गांव के पश्चिम स्थित बासूबाग आहार में हुआ। इधर,मृत बालक के पिता सुरेंद्र यादव ने बताया कि बुधवार की शाम वह गांव के ही पांच बच्चों के साथ गांव के पश्चिम स्थित बधार की ओर खेलने गया था। जहां वह बासूबाग आहार में अपने दोस्तों के साथ नहाने चला गया,जहां नहाने के बाद सभी निकल गए । लेकिन सूरज गहरे पानी में जाने से डूब गया। जिससे उसकी मौत हो गई। कुछ देर बीत जाने के बाद वही पर खेत में कम कर रहे एक बुजुर्ग ने उसके शव को आहार में तैरते देखा। इसके बाद उन्होंने इसकी सूचना मृत बालक के परिजनों को दी। सूचना पाकर मृत बालक के परिजन घटनास्थल पर पहुंचे और आहार में प्रवेश कर उसके शव को पानी से बाहर निकाला। इसके पश्चात परिजनों ने इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी। सूचना मिलते ही स्थानीय थाना मौके पर पहुंच शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम करवाया। बताया जाता है कि मृत बालक अपने चार भाई व तीन बहन में पांचवें स्थान पर था। मृत बालक के परिवार में मां रिंकू देवी,तीन भाई कुंदन,चंदन साहिल व तीन बहन रेखा,मीरा एवं सुरुचि है। हादसे के बाद मृत बालक के घर में कोहराम मच गया है। वही इस हादसे के बाद मृत बालक की मां रिंकू देवी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

दुकान पर ताबड़तोड़ फायरिंग

भोजपुर । एक मार्बल दुकान में बाइक सवार हथियारबंद बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। फायरिंग से दुकान के आगे लगा ग्लास पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। वहां बैठे दुकानदार और अन्य लोगों ने काउंटर के नीचे छिपकर अपनी जान बचाई। इस फायरिंग में दुकान बैठे सभी लोग बाल-बाल बच गए। घटना बुधवार शाम जिले के उदवंतनगर थाना क्षेत्र के जीरो माइल स्थित वामोर्रा मार्बल दुकान की है। बताया जा रहा है कि दुकानदार के एक साथी का कुछ देर पहले सड़क पर विवाद हो गया था। 2 बाइकों की भिड़ंत के बाद वो उन लोगों को समझाने की कोशिश कर रहा था। इसी दौरान उसका एक बाइक सवार से विवाद हो गया। इसके बाद वो दुकान पर आ गया। 15 मिनट बाद ही बदमाश भी दुकान पर पहुंच गए और फायरिंग कर दी। घटना को अंजाम देने के बाद हथियारबंद बदमाश हथियार लहराते हुए फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही उदवंतनगर थानाध्यक्ष अवधेश कुमार अपने पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की छानबीन में जुट गए हैं। सीसीटीवी में दिख रहा है एक बदमाश दुकान पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर रहा है। दूसरे फुटेज में दिख रहा है कि दुकान के काउंटर पर 5-6 लोग बैठे हैं। बुलेट दुकान में लगे ग्लास को तोड़ते हुए अंदर आती है। सभी इधर-उधर भागने लगते हैं। कुछ लोग काउंटर के नीचे छिप जाते हैं। कुछ भागकर अपनी जान बचाते हैं। पुलिस ने घटनास्थल से पांच खोखे भी बरामद किए हैं। फायरिंग की पूरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। हथियारबंद बदमाशों द्वारा पांच से छह राउंड फायरिंग करने की बात सामने आ रही है। दुकान के मालिक विकास कुमार ने बताया कि बुधवार की देर शाम जब वह अपने मार्बल दुकान पर बैठे हुए थे। तभी एक सफेद कलर की अपाचे बाइक पर सवार दो हथियारबंद बदमाश बाहर आकर खड़े हो गए। इसके बाद बाइक पर पीछे पीला टी-शर्ट पहनकर बैठा हथियारबंद बदमाश उतरकर आया और ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। उनके द्वारा करीब पांच-छह राउंड फायरिंग की गई है। जिसमें दुकान के बाहर लगा ग्लास पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हम लोगों ने डरकर काउंटर के नीचे और दुकान के अंदर जाकर किसी तरह अपनी जान बचाई। वहीं दूसरी ओर दुकान के मालिक विजय कुमार ने अपने किसी भी व्यक्ति से किसी भी प्रकार की विवाद एवं दुश्मनी की बातों से साफ इनकार किया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार तेतरिया गांव निवासी दिग्विजय सिंह अपने घर से बाइक पर सवार होकर जीरो माइल की तरफ आ रहे थे। तभी बीच रास्ते में ही दो बाइक की आपसी भिड़ंत में कुछ लोग झगड़ रहे थे। उसी बीच उन्होंने कुछ कह दिया। जिसको लेकर एक बाइक पर सवार दो लोग उनसे ही उलझ गए, लेकिन उस समय बात खत्म हो गई थी।

संक्षिप्त डायरी

बेगूसराय में पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं की उमरी भीड़: गंगा में स्नान कर की पूजा, जलस्तर में वृद्धि की वजह से हुई परेशानी

पूर्णिमा । मौके पर आज बेगूसराय के सिमरिया गंगा घाट पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। इस दौरान श्रद्धालुओं ने गंगा में डुबकी लगाने के बाद पूजा अर्चना किया। साथ ही साथ गंगा घाट पर रक्षाबंधन के अवसर पर अपने भाई की कलाई में रखी भी बांधी। हालांकि इस बार पूर्णिमा 30 एवं 31 अगस्त दोनों दिन मनाया गया है। लेकिन रक्षाबंधन का पर्व आज ही शुभ मुहूर्त में मनाया जा रहा है। इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु गंगा स्नान को पहुंचे हैं एवं गंगा स्नान के बाद पूजा अर्चना करते हुए देखे जा रहे हैं । गंगा के जलस्तर में वृद्धि की वजह से श्रद्धालुओं को थोड़ी परेशानियों का सामना जरूर करना पड़ रहा है। लेकिन लोगों की आस्था पर इन परेशानियों का कोई खास असर देखने को नहीं मिल रहा है। सिमरिया धाम में प्रशासन के द्वारा भी चाक चौबंद व्यवस्था की गई है तथा एनडीआरएफ की टीम को भी किसी भी खतरे से निपटने के लिए तैनात किया गया है। श्रद्धालुओं का कहना है कि आज पूर्णिमा के मौके पर गंगा स्नान करना एक महत्व मानी जाती है। आज खासकर रक्षाबंधन है और रक्षाबंधन के दिन लोग अवश्य गंगा स्नान करने के लिए आते हैं।

अपने ही विभाग के कार्यक्रम में नहीं पहुंचे मंत्री तेजप्रताप

पटना। सीएम नीतीश ने पटना के राजधानी वाटिका में गुरुवार को वृक्ष को राखी बांधी। वन पर्यावरण विभाग की ओर से आयोजित कार्यक्रम में सीएम नीतीश कुमार और मंत्री विजय चौधरी शामिल हुए। वहीं, मंत्री तेजप्रताप यादव अपने ही विभाग के कार्यक्रम में खुद नहीं दिखे। ना भी डिप्टी सीएम ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया। वहीं, सीएम नीतीश ने वृक्ष को रांखी बांधकर उन्हें सुरक्षित रखने का संकल्प लिया। हालांकि इस पूरे कार्यक्रम में वह काफी हड़बड़ी में दिखें। वह सिर्फ 4 मिनट तक इस कार्यक्रम में रहे। कहा जा रहा कि विपक्षी एकता की मीटिंग में शामिल होने को लेकर वह हड़बड़ी में दिखें। इधर, इस मौके पर वन पर्यावरण विभाग की ओर से कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और वन पर्यावरण मंत्री तेज प्रताप यादव का भी नाम लिखा गया था। लेकिन दोनों ही कार्यक्रम में शिरकत नहीं ले पाए। बिहार के मंत्री तेजप्रताप यादव ने अपनी बहन अनुष्का राव, चंदा यादव से राखी बंधवाई। तेजप्रताप ने ट्विटर से राखी के फोटो भी शेयर किए हैं। इंस्टा पर तेजप्रताप ने बहन चंदा यादव के साथ रील भी शेयर की है। फोटोज में तेजप्रताप अपनी बहनों के साथ दिख रहे हैं। वो पहले राखी बंधवाते हैं फिर उनसे आशीर्वाद लेते हैं। फोटो शेयर करते हुए तेजप्रताप ने लिखा है कि आज भाई बहन का अटूट, पावन, पवित्र प्रेम के पर्व रक्षा बंधन पर मैंने बहनों से गुड़गांव आकर उनके आवास पर राखी बंधवाई।

दरभंगा के कीरतपुर प्रखंड में एक दर्जन गांव बाढ़ प्रभावित

कोशी नदी के जलस्तर में वृद्धि से बाढ़ जैसी स्थिति, कई जगह पलायन करने को मजबूर ग्रामीण

दरभंगा। जिले के किरतपुर प्रखंड क्षेत्र से होकर तीन नदियां बहती है। इसमें कोशी, कमला और गेहुंआ नदी शामिल है। ऐसे में एक साथ तीनों नदियों के जलस्तर में वृद्धि होने के कारण सभी यहां के लोगों का जन जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। कई लोग पलायन करने को मजबूर है तो कई लोगों के साथ खाने तक की समस्या उत्पन्न हो गई है। कोशी नदी के जलस्तर में वृद्धि होने के कारण एक दर्जन गांव वदीर्पुर, सिरनिया, पकरिया, अमृतनगर, लक्ष्मीपुर, भंडरिया कदवारा, कटरिया,राम खेतरिया, सहित अन्य गांव पुरी तरह से बाढ़ प्रभावित हो गया है। बाढ़ के पानी से लोगों का घर चारों तरफ से पानी से घिर गया है। बाढ़ के चलते खाने और पीने के पानी को लेकर लोगों के सामने संकट उत्पन्न हो गया है। मवेशी का चारा पानी में डूब गया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि कुछ दिन पूर्व इसी महीने में कोशी नदी के जलस्तर में वृद्धि हुई थी जिस कारण से लोग बाढ़ के दंश को झेला था। फिर इसी महीने में दूसरी बार कोशी नदी में बाढ़ आ गई है जिस कारण से मवेशी के चारा को लेकर संकट उत्पन्न हो गया है वहीं स्थानीय लोगों का जीना दूभर हो गया है। स्थानीय लोग राशन, मवेशी चारा, दवाईयां तथा अन्य कार्य हेतु नाव से कोशी नदी के तेजधारा से होकर जान जोखिम में डालकर आवागमन करते हैं। वहीं दूसरी तरफ कमला नदी के जलस्तर में वृद्धि होने के कारण किरतपुर प्रखंड क्षेत्र के लोग दोहरी बाढ़ के मार को झेल रहे हैं। कनीय अभियंता अश्विनी कुमार ठाकुर ने बताया कि झंझारपुर में लगे मापक यंत्र के अनुसार अभी पानी की स्थिति 69.10 मीटर है जो कि अलार्मिंग है। उन्होंने बताया कि नदी के जलस्तर में वृद्धि होने की सूचना है बांध पर लगातार नजर रखी जा रही है तथा रेनकट इत्यादि को लगातार दुरूस्त किया जा रहा है तथा सभी तैयारियां बाढ़ के मद्देनजर किया गया है। वहीं गेहुंआ नदी के जलस्तर में उफान तो नहीं है लेकिन बाढ़ का पानी लोगों के घरों के आसपास से भर गया है स्थानीय लोग आवागमन के सहारे ही आवागमन कर पाते हैं। किरतपुर प्रखंड क्षेत्र के दर्जनों गांव के लोग बाढ़ की विभिषका से जूझ रहे हैं । किरतपुर प्रखंड प्रमुख प्रतिनिधि संजय झा ने अविलंब किरतपुर प्रखंड क्षेत्र को पूर्ण रूप से बाढ प्रभावित घोषित करने तथा लोगों को राहत उपलब्ध करने को लेकर जिलाधिकारी दरभंगा राजीव रोशन से मांग किया है। वहीं अंचलाधिकारी किरतपुर आशुतोष सनी से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का उन्होंने खुद नाव से पूरे दिन मुआयना किया है तथा 285 लोगों के बीच पॉलिथीन शीट आंचल प्रशासन के द्वारा उपलब्ध कराया गया है तथा कुल 17 नाव का परिचालन कराया जा रहा है जल्द ही पीने की पानी की व्यवस्था तथा जगह-जगह कम्युनिटी किचन का संचालन किया जाएगा। तथा वार्ड प्रभावित लोगों के लिए आंचल प्रशासन युद्ध स्तर पर लगातार दिन-रात कम कर रही है।

मोतिहारी के सिकरहना नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी

मोतिहारी । सुगौली से होकर गुजरने वाली सिकरहना नदी कहर बरपा रही है। लगातार जलस्तर में वृद्धि हो रही है। नदी का पानी निचले इलाके के बाद अब रिहायशी इलाकों में प्रवेश करने लगा है। इस बीच सिकरहना नदी से कुछ दूरी पर बना सुगौली थाना में बाढ़ का पानी प्रवेश करना शुरू कर दिया है। इसको देखते हुए थाने के सभी कागजात प्राइवेट स्थल पर भेज दिया गया है। ताकि पानी ज्यादा आने के बाद थाना का कागजात खराब न हो जाए। हालांकि सुगौली थाना के लिए यह कोई नई बात नहीं है। जब भी बाढ़ आता है तो उसके अपना जगह बदलना पड़ता है। इसके आलावा सुगौली के नगर पंचायत के कुछ वार्ड के निचले हिस्से में बाढ़ का पानी घुस गया है। वहीं कुछ बस्ती बाढ़ के चपेट में आ गया है। प्रखंड के उतरी क्षेत्र के सरेह में बाढ़ के पानी का फैलाव हो रह है। सिकरहना नदी के जलस्तर में बीते दिन काफी तेजी से बढ़ोतरी हुई। वहीं दो दिन से जलस्तर कभी बढ़ रहा है, तो कभी स्थिर हो रहा है। प्रखंड क्षेत्र के उतरी इलाके सहित सिकरहना नदी के पास बसे आसपास के लोग काफी चिंतित हैं। हालांकि बाढ़ का जलस्तर स्थिर रहा, बावजूद भी कुछ नए हिस्से में पानी प्रवेश किया। वहीं थाना से निमुई जाने वाले मार्ग में कुछ जगह पर बाढ़ का पानी पहुंच गया है। नगर के वार्ड एक के नायका टोला बस्ती पूरी तरह से बाढ़ से प्रभावित है। वहीं अमीर खां टोला में कुछ घर बाढ़ से घिर गया है। इसको लेकर बीडीओ तेजप्रताप त्यागी ने बाढ़ प्रभावित नायका टोला पहुंच बाढ़ का जायजा लिया और बाढ़ पीड़ितों की समस्याएं सुन समाधान के दिशा में कार्य करने की बात कही।

सुकुलपाकड़ धुमनी टोला के पास बीते बाढ़ में बांध ध्वस्त हुआ था। इसका प्रशासन की तरफ से मरम्मत नहीं कराया गया था। उसी रास्ते से बाढ़ का पानी सरेही इलाके में तेजी से फैल रहा है। इससे सुकुलपाकड़, चीलझपटी सरेह होते हुए प्रखंड के सुकुलपाकड पंचायत सहित कई गांव के सरेही इलाकों में प्रवेश कर गया है। खेतों में फैल रहे पानी से किसानों को अपनी फसल की नुकसान की चिंता सता रही है। लालपरसा सीरिसीया टोला निवासी कैलाश सहनी, श्यामबाबू साह, लाल बाबू ने बताया कि धूमनी टोला बांध के ध्वस्त होने से इधर पानी का बहाव हो रहा है। इससे हम लोगों के धान का फसल डुबकर बर्बाद हो रहा है। अगर बांध का मरम्मत हो गया रहता तो यह स्थिति नहीं होती। कर्ज लेकर हमलोग खेती किए थे, मगर बाढ़ के पानी ने अरमान पर आंसू बहा दिया है।

रात को भिगोकर सुबह खाएं बादाम और किशमिश, सेहत पर दिखेगा जबरदस्त असर

आप अपने दिन की शुरूआत किस तरह से करते हैं, इसका काफी असर आपके पूरे दिन और स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। स्वस्थ रहने के लिए सुबह कुछ हेल्दी आदतों को अपनी रूटीन में शामिल करना चाहिए। सुबह के समय अधिकतर लोग भीगे नट्स खाने की सलाह देते हैं। क्योंकि जब आप भीगे हुए नट्स से दिन की शुरूआत करती हैं, तो आप पूरा दिन एनर्जेटिक बनी रहती हैं। हालांकि नट्स खाने के कई फायदे होते हैं।

लेकिन सुबह के समय आपको ये नट्स कितनी मात्रा में खाने हैं। अपनी डाइट में किन नट्स को शामिल करना है। इसके बारे में सही जानकारी होना जरूरी है। सुबह के समय बादाम और किशमिश से दिन की शुरूआत करने से स्वास्थ्य को कई लाभ मिलते हैं। आइए जानते हैं कि सुबह के समय बादाम और किशमिश खाने से सेहत को कई लाभ मिलते हैं।

बादाम और किशमिश खाने के फायदे

-अपने दिन की शुरूआत भीगे हुई बादाम और किशमिश खाने से पूरा दिन शरीर में एनर्जी बनी रहती है।
-बादाम खाने से शरीर में कोलेस्ट्रॉल लेवल कम होता है। बादाम में भरपूर मात्रा में एंटी-ऑक्सीडेंट्स और विटामिन ई पाया जाता है।
-इसके सेवन से शरीर को शुगर मैनेज करने में मदद मिलती है।
-अक्सर इन दोनों चीजों को लोग अलग-अलग डाइट में शामिल करते हैं। इनको भिगोकर एक साथ खाना ज्यादा फायदेमंद होता है।
-कब्ज की समस्या से परेशान लोगों को सुबह के समय इसका सेवन करना चाहिए।
-बादाम और किशमिश खाने से स्किन और बालों की सेहत सुधरती है।
-इसके सेवन से डाइजेशन में सुधार होता है और एसिडिटी की समस्या नहीं होती है।
-बादाम और किशमिश के सेवन से बल्ड प्रेशर कंट्रोल होता है।
-जिन महिलाओं को पीरियड्स से संबंधित परेशानियां होती हैं, उन्हें किशमिश खाना चाहिए।
-आंतों की सेहत और हड्डियों के लिए भी किशमिश फायदेमंद होती है।

कैसे खाएं बादाम और किशमिश

-रात में 4-5 बादाम और 5-6 किशमिश को भिगो दें।
-सुबह बादाम का छिलका उतार दें।
-इसके बाद दोनों को ऐसे ही खा लें।
-इसके बाद पानी पी लें।

सूखे आलूबुखारे खाने के फायदे

इसके अलावा आप अपनी डाइट में आलूबुखारा खा सकते हैं। इसमें पोटेशियम की भरपूर मात्रा पायी जाती है। आलूबुखारे में फाइबर और आयरन भी अधिक मात्रा में होता है। वहीं खून की कमी को पूरा करने के लिए बादाम और किशमिश के साथ इसे भी भिगोकर खाना चाहिए।

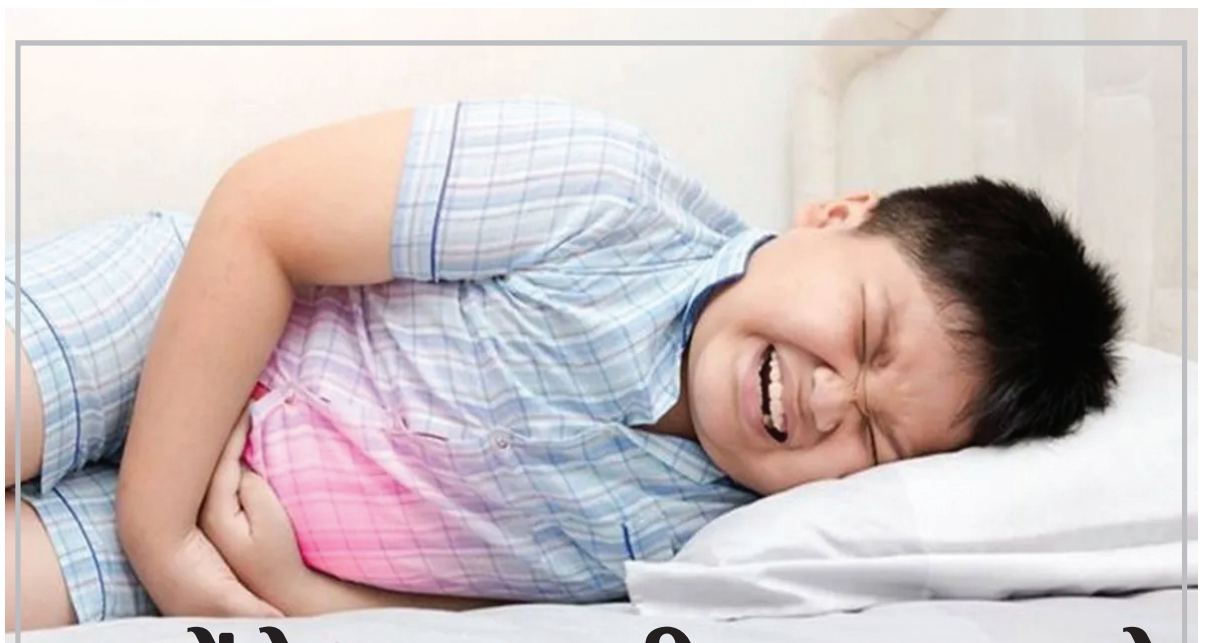

बच्चों के कब्ज की समस्या को दूर करेंगे ये उपाय...

कब्ज एक ऐसी समस्या है, जो सिर्फ बड़ों को ही नहीं, बच्चों को भी परेशान कर सकती है। खासतौर से, जब बच्चे फार्मूला मिल्क लेते हैं या फिर सॉलिड फूड लेते हैं तो उनके बाउल मूवमेंट में परेशानी हो सकती है। ऐसे में उन्हें कब्ज की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। यूं तो बच्चों को कब्ज की समस्या होने पर डॉक्टर से सलाह लेने की हिदायत दी जाती है, लेकिन कुछ आसान घरेलू उपाय भी उनकी काफी मदद कर सकते हैं। तो चलिए आज इस आसान उपायों के बारे में ही जानते हैं-

पेट की करें मालिश

शिशुओं और छोटे बच्चों में कब्ज की समस्या होने पर पेट की मालिश करना एक अच्छा विचार हो सकता है। आप बच्चे की हल्की मसाज करें या फिर उसके पैरों को साइकिल चलाने की तरह चलाएं। इससे उसे मल त्याग करने में काफी मदद मिलती है।

नेचुरल लैक्सेटिव की लें मदद

जब बच्चे को कब्ज की शिकायत होती है तो ऐसे में उसे नेचुरल लैक्सेटिव देना अच्छा विचार हो सकता है। इसलिए, आप उसकी डाइट में आलूबुखारा, सेब और नाशपाती आदि को शामिल करें। इन फलों में सोर्बिटोल नामक शुगर पाया जाता है, जो आंतों में पानी खींचकर मल को नरम करती है। जिससे बच्चे को कब्ज में आराम मिलता है।

पानी की मात्रा बढ़ाएं

एक वर्ष से अधिक उम्र के बच्चों को अपनी डाइट में पानी की मात्रा बढ़ा देनी चाहिए। यह शरीर को हाइड्रेटेड रखता है, जिससे मल त्यागने में भी आसानी होती है। जब बच्चे पर्याप्त मात्रा में पानी पीते हैं, तो इससे कब्ज को रोकने में मदद मिलती है।

बढ़ाएं फाइबर की मात्रा

जब बच्चे की डाइट में फाइबर की मात्रा बढ़ाई जाती है तो इससे बच्चे को स्टूल पास करने में आसानी होती है। कोशिश करें कि आप बच्चे की डाइट में फल व सब्जियों की मात्रा बढ़ाएं। ऐसे फल व सब्जी का सेवन करें, जिनमें पानी व फाइबर भरपूर हो।

डेयरी को करें कम

अगर बच्चा इन दिनों कब्ज से जूझ रहा है तो उसकी डाइट में डेयरी की मात्रा थोड़ी कम कर दें। अत्यधिक डेयरी का सेवन विशेषकर दूध कब्ज पैदा कर सकता है। कई बच्चों में गाय के दूध में पाए जाने वाले प्रोटीन के प्रति सेंसेटिविटी होती है। इसके अलावा, अन्य डेयरी प्रोडक्ट्स जैसे पनीर या चीज भी कब्ज पैदा कर सकते हैं।

पर्याप्त नींद नहीं होने से दिमाग होता है प्रभावित

व्यस्त आधुनिक जीवन में आजकल किसी के पास समय नहीं है। ऐसे में लाग पर्याप्त नींद तक नहीं ले पाते। इससे उन्हें कई बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है। कम से कम 7 घंटे की नींद न लेने से दिमाग को आराम नहीं मिलता है और हम दिनभर थकान का अनुभव करते हैं। इससे याद रखने की क्षमता भी कम होती है। ऐसे में समय के साथ-साथ दिमाग की काम करने की क्षमता कम हो जाती है। इसका भी दिमाग पर बुरा असर पड़ सकता है। इसके अलावा भी कई अन्य कारणों से दिमाग प्रभावित होता है। ज्यादातर अकेले रहने से दिमाग पर बुरा असर पड़ता है। इससे आगे चलकर अल्जाइमर बीमारी का खतरा भी बढ़ जाता है।

जंक फूड में सोडियम की मात्रा काफी ज्यादा होती है जो दिमाग के न्यूरॉन रिसेप्टर्स को नुकसान पहुंचाता है। ज्यादा मात्रा में जंक फूड खाने पर कंफ्यूजन, सिरदर्द और वॉमटिंग जैसी समस्याएं हो सकती हैं। लगातार कई घंटों तक हेडफोन या इयरफोन लगाकर तेज आवाज में गाने सुनने से ब्रेन टिश्यूज पर बुरा असर पड़ता है। इससे अल्जाइमर की समस्या भी हो सकती है। हर दिन कोई भी फिजिकल ऐक्टिविटी न करने से डायबीटीज, हार्ट डिजीज और हाई ब्लड प्रेशर की समस्या हो सकती है। इनका दिमाग पर बुरा असर होता है। स्मोकिंग के दौरान हमारे शरीर में कई हार्मफुल केमिकल्स आ जाते हैं। ये खून को गाढ़ा कर देते हैं, जिससे दिमाग तक खून की सप्लाई कम हो जाती है। भूख से अधिक खाने का संबंध भी दिमाग से ही है। ज्यादा खाने से दिमाग के सोचने की क्षमता पर भी असर पड़ता है। वहीं प्राकृतिक रौशनी में न रहने और ज्यादातर समय अंधेरे में रहने के कारण अवसाद बढ़ जाता है। इसका भी दिमाग पर बुरा असर पड़ता है।

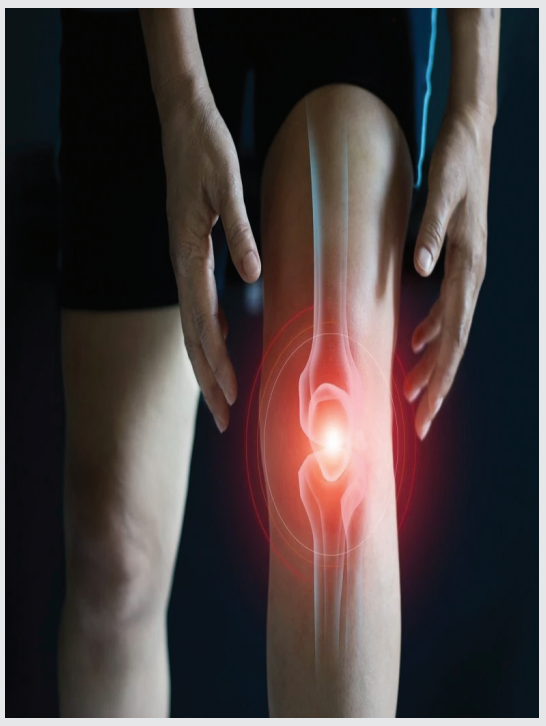

ज्वॉइंट पेन से हो चुके हैं परेशान तो अपनाएं ये घरेलू नुस्खा

आमतौर पर जोड़ों के दर्द को बुढ़ापे से जोड़कर देखा जाता था। आपने भी बुजुर्ग लोगों को कई बार कहते हुए सुना होगा कि उम्र बढ़ने के साथ ही उन्हें जोड़ों का दर्द परेशान करने लगा है। लेकिन वर्तमान समय में गलत खानपान और अनहेल्दी लाइफस्टाइल के कारण लोगों को कम उम्र में ही जोड़ों का दर्द परेशान करने लगा है। मुश्किल से 30 की उम्र पार करने के बाद से ही लोगों को जोड़ों का दर्द परेशान करने लगा है।

जोड़ों के दर्द होने के पीछे फ्ल्यूड और कोलेजन का कम होना है। हालांकि अपनी डाइट में बदलाव कर ज्वॉइंट पेन की समस्या से राहत पाई जा सकती है। साथ ही इसके लिए एक्सरसाइज भी जरूरी मानी जाती है। ऐसे में अगर आप ज्वॉइंट के दर्द से परेशान हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एक ऐसे खास मिक्चर के बारे में बताने जा रहे हैं। जिसके इस्तेमाल से जोड़ों के दर्द को दूर करने में मदद मिल सकती है।

जोड़ों के दर्द को दूर करने वाले मिक्चर की सामग्री

बादाम- 1/2 कटोरी
मखाना- 1/2 कटोरी
भुने हुए चने- 1/2 कटोरी
सौंठ- 1/2 टीस्पून
अजवाइन- 1 टीस्पून
दालचीनी- 1/2 टीस्पून
सूखा हुए खजूर- 5
मिश्री- 1/4 कटोरी

ऐसे बनाकर करें तैयार

इन सभी चीजों के ग्राइंडर कर महीन पाउडर बना लें।
फिर 1 चम्मच पाउडर को 1 गिलास पानी में मिलाएं।
इसके बाद रोजाना दिन में एक बार इसका सेवन करें।

जोड़ों के दर्द से निजात पाने का घरेलू नुस्खा

मखाना शरीर में कैल्शियम लेवल को बढ़ाने में मदद करता है। इसके साथ ही आस्टियो आर्थराइटिस के लक्षणों को भी कम करता है।
बादाम में कैल्शियम और मैग्नीशियम की भरपूर मात्रा पायी जाती है। यह ज्वॉइंट्स के इंफ्लेमेशन को मजबूत करने के साथ ज्वॉइंट के दर्द में राहत देता है।
भुने हुए चने में विटामिन-के पाया जाता है। यह शरीर को कैल्शियम प्रदान करने के साथ जोड़ों के दर्द में भी आराम देता है।
सूखे हुए खजूर में विटामिन सी और विटामिन डी की भरपूर मात्रा पायी जाती है। इसके सेवन से कोलेजन प्रोजक्शन बूस्ट होता है और ज्वॉइंट में लचीलापन आता है।
अजवाइन में विटामिन-के की प्रचुर मात्रा पायी जाती है। यह मांसपेशियों को आराम पहुंचाता है और जोड़ों का दर्द और सूजन खत्म करता है।
दालचीनी में सिनेमिक एसिड पाया जाता है। इसके सेवन से जोड़ों के दर्द और इंफ्लेमेशन से राहत मिलती है।
मिश्री डाइजेस्टिव जूस को रिलीज करने में सहायक होती है। इससे गैस की समस्या नहीं होती और पाचन में सुधार होता है।
सौंठ में एंटी-इंफ्लेमेटरी प्रॉपर्टीज पाया जाता है, यह ज्वाइंट में होने वाली ऐंठन को कम करती है।

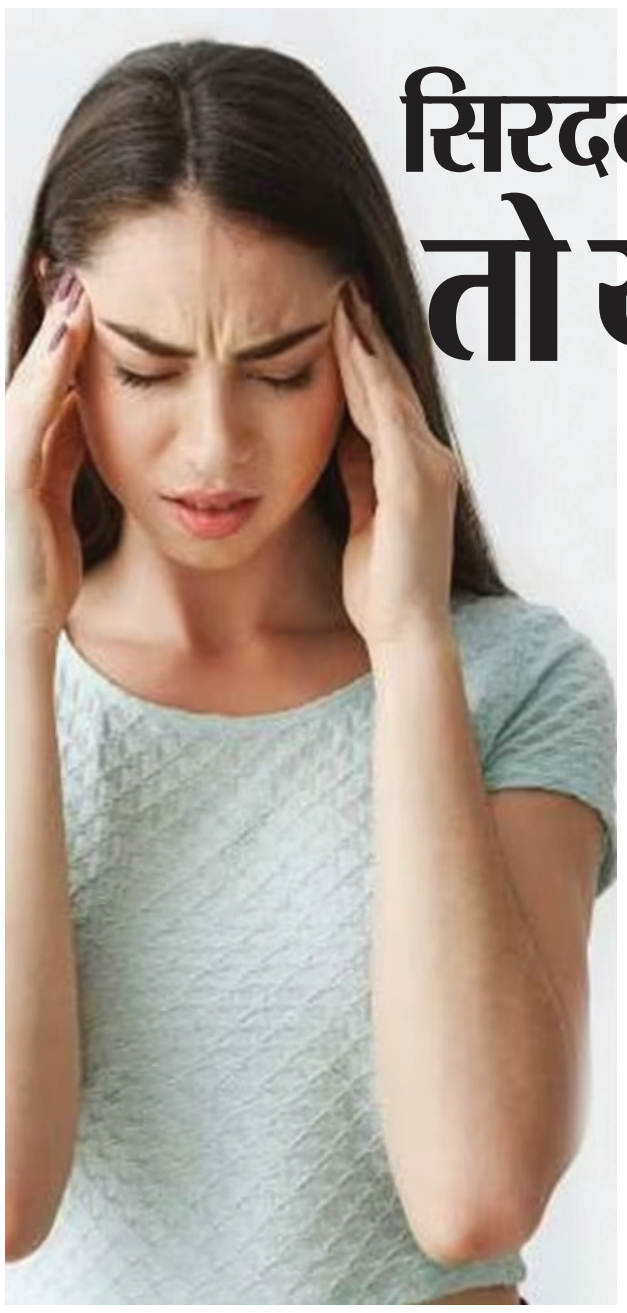

सिरदर्द की समस्या से हो गए हैं परेशान तो यह हो सकती है वजह

आजकल की भागदौड़ भरी लाइफस्टाइल में सिरदर्द होना एक आम समस्या हो गई है। हालांकि सिरदर्द के कई कारण हो सकते हैं। जिनमें तनाव, गैस, गलत खान-पान, सर्दी-जुकाम और थकान वगैरह भी सिरदर्द की वजह हो सकती है। सिरदर्द के पीछे का एक कारण शरीर में पोषक तत्वों की कमी भी हो सकती है। अक्सर सिर दर्द होने पर हम पेन किलर खा लेते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इसके गंभीर परिणाम भी हो सकते हैं।

ऐसे में अगर आपको भी अक्सर सिरदर्द की समस्या रहती है, तो इसके पीछे का कारण जानना बेहद जरूरी होता है। साथ ही सिरदर्द को दूर करने के तरीकों के बारे में भी जानकारी होना जरूरी है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको सिरदर्द होने के कारण और इससे बचने के तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं।

जानिए सिरदर्द के पीछे का कारण

हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो जब शरीर में सोडियम की कमी होती है, तो सिरदर्द हो सकता है। वहीं अगर आप अक्सर सिर दर्द की समस्या से परेशान रहते हैं, तो आपको सोडियम लेवल की जांच जरूर करवानी चाहिए। क्योंकि शरीर में सोडियम की कमी होने पर थकान, भूख में कमी और चिड़चिड़ापन के लक्षण नजर आ सकते हैं। बता दें कि लंबे समय तक शरीर में सोडियम की कमी होने पर हमारे शरीर के कई फंक्शन्स पर भी असर पड़ता है। यहां तक की कई बार सोडियम की कमी से व्यक्ति बेहोश तक हो जाता है। सोडियम की कमी होने पर लोगों के सिर में दर्द बना रहता है।

ऐसे दूर करें सोडियम की कमी

व्यक्ति के शरीर में पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी होने पर सोडियम लेवल में कमी आ सकती है। ज्यादा पसीना या ज्यादा यूरिन आने के कारण भी ऐसा हो सकता है। ऐसे में आप अपनी डाइट में सोडियम की मात्रा कम लेते हैं, तो खाने में नमक की मात्रा का खास ख्याल रखना चाहिए। इसके साथ ही शरीर में पानी की सही मात्रा का होना भी काफी जरूरी होता है। क्योंकि शरीर में पानी की कमी होने पर डिहाइड्रेशन की समस्या हो सकती है। डिहाइड्रेशन से भी शरीर में सोडियम की कमी हो सकती है।

ऐसे में अगर आपको अक्सर सिरदर्द रहता है, तो हो सकता है कि आप पर्याप्त मात्रा में पानी ना पी रहे हों। वहीं उल्टी व दस्त की समस्या होने पर भी शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स का बैलेंस बनाए रखने के लिए आप नमक की सही मात्रा का सेवन करें।

बुजुर्गों की हड्डियों को कमजोरी से बचाता है सीबीएफ-बीटा प्रोटीन

शोधकर्ताओं ने एक ऐसी प्रणाली की पहचान की है जो बताता है कि बुजुर्गों की हड्डियों में कमजोरी क्यों आ जाती है। साथ ही शोधकर्ताओं ने ऐसा तरीका खोज निकाला है, जिसके जरिए बढ़ती उम्र के साथ हड्डियां कमजोर होने के इलाज में काम आ सकता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि ऑस्टियोपोरोसिस यानी हड्डी के पतलेपन और डेंसिटी में कमी के कारण हड्डी टूटने का खतरा बढ़ जाता है। यह बुजुर्गों की एक प्रमुख स्वास्थ्य समस्या है। अक्सर ये हालात बोन मैरो में फैट सेल्सर की वृद्धि के साथ पैदा होते हैं। बर्मिंघम के अलबामा विश्वविद्यालय के प्रोफेसर यू-पिंग ली के एक अध्ययन में सामने आया है कि सीबीएफ-बीटा नामक एक प्रोटीन हड्डियों के बनने में मददगार कोशिकाओं को शरीर में बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

एक परीक्षण में पाया गया कि युवा चूहों की तुलना में वृद्ध चूहों की बोन मैरो सेल्स में सीबीएफ-बीटा का स्तर कम पाया गया। इस निष्कर्ष से पता चलता है कि इस प्रणाली में खराबी आने पर, कोशिकाएं हड्डियों को बनाने में मदद करना बंद कर देती हैं और फैट सेल्स को बनाने में मदद करती हैं। ली ने कहा कि सीबीएफ-बीटा नाम के प्रोटीन को बनाए रखना ह्यूमन लाइफ रिलेटिड ऑस्टियोपोरोसिस को रोकने में मदद कर सकता है।शोधकर्ताओं का कहना है कि इस प्रणाली की जानकारी होने से कम से कम साइड इफेक्ट के साथ ह्यूमन बोन मेरो का इलाज किया जा सकता है।

भारत-पाकिस्तान मैच में बारिश बन सकती है बाधा

अगर भारत बनाम पाकिस्तान मैच बारिश के कारण हो जाए रद्द तो क्या होगा?

पालेकल (एजेंसी)। एशिया कप 2023 के सबसे बड़े मुकाबलों में से एक भारत बनाम पाकिस्तान के बीच शनिवार को कैंडी के पल्लेकेले इंटरनेशनल स्टेडियम में होने वाले मुकाबले पर बारिश का बड़ा खतरा मंडरा रहा है। श्रीलंका के दक्षिणी हिस्से में अगले कुछ दिनों में भारी बारिश होने की उम्मीद है। ये तथ्य एशियाई क्रिकेट परिषद को सूचित किय गया था। जिसके बाद कैंडी की जगह पर दांबुला को वैकल्पिक स्थल के रूप में रखा गया है। शनिवार को मौसम विभाग के मुताबिक, 70 प्रतिशत बारिश की संभावना है।

कैंडी का मौसम

भारत के शुरुआती दोनों मैच पाकिस्तान और नेपाल के खिलाफ हैं। जो शनिवार और सोमवार को कैंडी में होने वाले हैं। मौसम विभाग के अनुसार कैंडी में भारत बनाम पाकिस्तान के दौरान बारिश की संभावना वर्तमान में लगभग 70 प्रतिशत है। दोपहर 2.30 बजे बारिश शुरू होने की उम्मीद है। जिससे टॉस और आखिर में मैच में देरी हो सकती है। लेकिन अगर बारिश जारी रही तो मैच रद्द होने की संभावना है।

मैच रद्द होने पर क्या होगा?

हालांकि, राहत की बात ये है कि 50 ओवरों की प्रतियोगिता है और ग्राउंड स्टाफ को ये सुनिश्चित करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करने के लिए बहुत समय मिलेगा कि मैच पूरा हो। अगर बारिश से मैच बाधित होता है, तो दोनों पक्षों के बीच 20 ओवर के मुकाबले के लिए तैयार रहें। लेकिन अगर ये भी संभव नहीं हुआ तो भारत और पाकिस्तान के बीच अंक बांट दिए जाएंगे।

पाकिस्तान स्वचालित रूप से सुपर 4 चरणों में प्रवेश कर जाएगा, क्योंकि वे पहले ही ग्रुप एक की दूसरी टीम नेपाल को हरा चुके हैं। भारत को अगले दौर में आगे बढ़ाने के लिए अपने ग्रुप मैच में नेपाल को हराना होगा।

नोवाक जोकोविच तीसरे दौर में पहुंचे, रूड, सितसिपास हुए उलटफेर का शिकार

न्यूयार्क (एजेंसी)। सर्बिया के दूसरी सीड नोवाक जोकोविच ने अमेरिकी ओपन के दूसरे दौर में स्पेन के बर्नाब मिरालेस को हराकर तीसरे दौर में प्रवेश किया, हालांकि 5वीं सीड कैस्पर रूड और 7वीं सीड स्टेफानोस सितसिपास उलटफेर का शिकार हो गए। चीन के झांग झीजेन ने अपने करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज करते हुए नॉर्वे के रूड को तीन घंटे 18 मिनट में 6-4, 5-7, 6-2, 0-6, 6-2 से हराया। स्विट्जरलैंड के डोमिनिक स्ट्राइकर ने पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम आयोजन के तीसरे दौर के यूनान के सितसिपास को कड़े मुकाबले में 7-5, 6-7(2), 6-7(5), 7-6(6), 6-3 से हराया।

दूसरी ओर, जोकोविच ने अपने 24वें ग्रैंड स्लैम खिताब की ओर एक और मजबूत कदम बढ़ाते हुए मिरालेस को 6-4, 6-1, 6-1 से हरा दिया। सर्बियाई दिग्गज ने अपना पहला मैच सीधे सेटों में जीतकर सोमवार एटीपी रैंकिंग में नंबर एक पर वापसी की और मिरालेस के खिलाफ भी उनका प्रदर्शन प्रभावशाली रहा। जोकोविच ने इस मुकाबले में सभी छह ब्रेक पॉइंट बचाते हुए दो घंटे दो मिनट में जीत दर्ज की। उन्होंने अपने पहले दो मैचों में सिर्फ 11 गेम गंवाए हैं।

जोकोविच ने जीत के बाद कहा कि उन्होंने अच्छी शुरुआत की। हमारी कुछ रैलियां लंबी और थकाने वाली थीं, इसलिए इसमें थोड़ा अधिक समय और प्रयास लगा। मेरे लिए एक ब्रेक काफी था। दूसरे सेट में मैं अच्छा खेला। तीसरे की शुरुआत में, कुछ करीबी गेम हुए लेकिन आखिरी चार गेम में मैंने वास्तव में अच्छा खेल दिखाया। कोर्ट पर खेलते हुए मैं जिस तरह से महसूस कर रहा हूं, उससे मैं खुश हूं। अगले दौर में जोकोविच का सामना हमवतन लासलो जेरे से होगा।

जोकोविच ने जेरे के बारे में कहा कि वह बहुत अच्छे फॉर्म में हैं। यह सर्बियाई टेनिस के लिए बहुत अच्छा है कि हम तीसरे दौर में भिड़ रहे हैं। एक सर्बियाई निश्चित रूप से चौथे दौर में पहुंचेगा, जो हमारे टेनिस जगत के लिए अच्छा होगा।

विक्रम राऊत प्रो कार्ड जीतने वाले ओडिशा के पहले बॉडीबिल्डर बने

ताकातपुर (ओडिशा) (एजेंसी)। चेन्नई में आईसीएन (आई कॉम्पीट नेचुरल) नेशनल बॉडीबिल्डिंग चैंपियनशिप में अपने सफल कार्यकाल के बाद विक्रम राउत प्रो कार्ड जीतने वाले ओडिशा के पहले बॉडीबिल्डर बन गए। मयूरभंज जिले के रहने वाले विक्रम ने 26 अगस्त को पुरुषों की बॉडीबिल्डिंग और पुरुषों की फिजिक में दो स्वर्ण पदक और नकद पुरस्कार के साथ एक प्रो कार्ड हासिल करने के लिए देश भर के 400 प्रतिभागियों को पीछे छोड़ दिया।

विक्रम ने कहा कि आई कॉम्पीट नेचुरल भारत में एकमात्र महासंघ है जो प्राकृतिक शरीर सौष्ठव को बढ़ावा देता है। वे ऑस्ट्रेलिया से आते हैं और चेन्नई में एक प्रतियोगिता का आयोजन करते हैं। इसमें लगभग 400 प्रतियोगी थे और मैंने दो स्वर्ण पदक और एक प्रो कार्ड जीता। यह पहला प्रो है कार्ड जो ओडिशा में जीता गया है।

प्रो कार्ड हासिल करने के बाद, विक्रम को अब एक पेशेवर बॉडीबिल्डर माना जाएगा और वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भाग लेने के लिए भी पात्र है। 28 वर्षीय खिलाड़ी का बचपन से ही स्वर्ण पदक जीतने का सपना था। अपने सपने के करीब जाने के लिए उन्होंने तकतपुर इलाके में लीजेंड नाम से जिम खोला और पिछले 5 से 6 साल तक कड़ी मेहनत की. वह ओडिशा में प्रो कार्ड हासिल करने वाले एकमात्र बॉडीबिल्डर बन गए

ऑस्ट्रेलिया ने पहले टी20 में दक्षिण अफ्रीका को 111 रनों से हराया

डरबन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ने यहां मेजबान दक्षिण अफ्रीका को पहले ही टी20 मैच में 111 रनों से हरा दिया। इस प्रकार तीन टी20 मैचों की इस सीरीज में दक्षिण अफ्रीकी टीम 1-0 से आगे हो गयी है। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया की जीत में कप्तान मिचेल मार्श की अहम भूमिका रही। मार्श ने सबसे अधिक 92 रन बनाए।

इस मैच में दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर ऑस्ट्रेलिया को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। ऑस्ट्रेलिया ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 6 विकेट पर 226 रन बनाए। मार्श ने 13 चौके और 2 छक्के लगाकर कीवी गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। मार्श के अलावा अलावा टिम डेविड ने 64 रन बनाये। वहीं दक्षिण अफ्रीका की ओर से लिजाद विलियम्स ने सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए। इसके अलावा मार्को यानसन, तबरेज शम्सी और गेराल्ड कोएट्जी को भी 1-1 विकेट मिला।

जीत के लिए मिले 227 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीकी टीम ढ़ह गयी। रीजा हेंड्रिक्स ही 56 रन बना पाये बाकि अन्य बल्लेबाज एक के बाद एक पेवेलियन लौटते गये। टीम 15.3 ओवरों में ही 115 रनों पर सिमट गयी। ऑस्ट्रेलिया की ओर से भारतीय मूल के गेंदबाज तनवीर सांघा ने 4 जबकि मार्कस स्टोयनिस ने 3 विकेट मिले। वहीं स्पेंसर जॉनसन को 2 जबकि सीन एबॉट को एक विकेट मिला।

इंग्लैंड ने पहले ही टी20 में न्यूजीलैंड को सात विकेट से हराया

चेस्टर ले स्ट्रीट (एजेंसी)। इंग्लैंड ने यहां न्यूजीलैंड को पहले टी20 में सात विकेट से हरा दिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ने 139 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले इस लक्ष्य को इंग्लैंड ने केवल 14 ओवरों में ही तीन विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। इंग्लैंड की ओर से डेविड मलान ने सबसे ज्यादा 54 जबकि हैरी ब्रुक ने 43 रन बनाये। इस जीत के साथ ही इंग्लैंड ने सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है।

टी20 विश्व विजेता बनने के बाद इंग्लैंड की इस प्रारुप में ये पहली जीत है। वहीं टीम साउदी ने इस मैच में विके लेते ही टी20 अंतराष्ट्रीय में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकार्ड अपने नाम किया। साउदी के अब सबसे अधिक 141 विकेट हो गये हैं जबकि दूसरे स्थान पर 140 विकेट के साथ ही शाकिब अल हसन और 130 विकेट के साथ ही तीसरे स्थान पर राशिद खान हैं।

इस मैच में इंग्लैंड की ओर से पदार्पण करने वाले ब्रायडन कार्स ने घातक गेंदबाजी की। कार्स और वुड ने कीवी बल्लेबाजी को ढ़हा दिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड ने तेज शुरुआत की पर एक बार जो विकेट गिरने शुरु हुए तो टीम दबाव में आकर बिखर गयी। डेवोन कॉन्वे 3 और टिम सेफर्ट 9 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। ये दोनों विकेट वुड ने लिए। इसके बाद एलन ने 21 रन जबकि ग्लेन फिलिप्स ने सबसे ज्यादा 41 रन बनाये।

वहीं अंत में ईश सोढ़ी ने 16 रन बनाकर टीम को 9 विकेट पर 139 रनों तक पहुंचाया। वहीं इंग्लैंड की ओर से वुड ने 37 रन देकर 3 जबकि कार्स ने 23 रन देकर 3 विकेट लिए। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही और जॉनी बेयरस्टो पहले ही ओवर में 4 रन बनाकर पेवेलियन लौट गये पर इसके बाद विल जैक और मलान ने पारी को संभाल लिया।

रोहन बोपन्ना और मैथ्यू एबडेन ने अमेरिकी ओपन में जीत के साथ किया आगाज

भारत क रोहन बोपन्ना और आस्ट्रेलिया के मैथ्यू एबडेन की जोड़ी ने अमेरिकी ओपन के पुरूष युगल वर्ग में क्रिस्टोफर ओकोनेल और अलेक्जेंडर वुकिच को सीधे सेटों में हराकर दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया। छठी वरीयता प्राप्त बोपन्ना और एबडेन ने आस्ट्रेलिया की जोड़ी को एक घंटे से भी कम समय में 6.4, 6.2 से हराया। 43 वर्ष के बोपन्ना और 35 वर्ष के एबडेन ने पांच में से तीन ब्रेक प्वाइंट भुनाये। दोनों विम्बलडन में भी सेमीफाइनल तक पहुंचे थे। अमेरिकी ओपन 2010 उपविजेता बोपन्ना और एबडेन का सामना अब अमेरिका के अलेक्जेंडर कोवासेविच और निकोलस मोरेनो डि अलबोरान और कजाखस्तान के आंद्रेइ गोलुबेव और रूस के रोमन साफिउलिन के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।

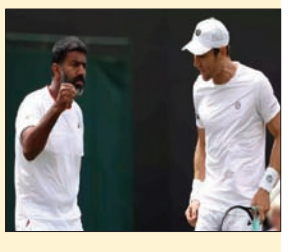

सूर्यकुमार को एकदिवसीय विश्वकप के लिए शामिल करने से पहले सभी बातों पर गौर करे प्रबंधन : मांजरेकर

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने कहा है आगामी एकदिवसीय विश्वकप से पहले बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को लेकर कोई फैसला करना होगा। मांजरेकर के अनुसार सूर्यकुमार टी20 में बेहद सफल रहे हैं और कभी भी मैच का रुख बदलने की क्षमता उनमें है पर एकदिवसीय में वह अब भी अधिक सफल नहीं हुए हैं। इसलिए उनको शामिल करने से पहले देखना होगा कि वह सभी मानकों पर खरे उतरते हैं या नहीं। मांजरेकर ने सूर्यकुमार के टूर्नामेंट में खेलने को लेकर कहा, 'यह बल्लेबाज अगर अच्छी फॉर्म में हो तो अधिकांश मामले सुलझ जाते है। टीम प्रबंधन उनके नाम पर विचार करेगा हालांकि 50 ओवर के क्रिकेट में वह वैसा प्रभाव नहीं छोड़ पाया है जैसा टी20 में उसने दिखाया है इसलिए उसे खिलाना एक लालच के समान है क्योंकि जब पारी में 15 से 17 ओवर बचे हों और वह मैदान पर उतरे तो मैच का रुख बदल सकता है। उन्होंने कहा, 'भारत को इस मामले का हल निकालना होगा कि वे सूर्यकुमार को शामिल करना चाहते हैं या नहीं। मांजरेकर ने साथ ही कहा कि अगर विश्वकप में भारत को अच्छा प्रदर्शन करना हे तो तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या को काफी गेंदबाजी करनी होगी। उन्होंने कहा, 'पांड्या की गेंदबाज फॉर्म थोड़ी चिंता की बात है। इसका कारण है कि विश्व कप में आपको काफी कड़ी मेहनत करनी होती है। ऐसे में आपको एक ऑलराउंडर के रूप में उसकी जरूरत है। केवल बल्लेबाज के रूप में नहीं, इसलिए उसे प्रत्येक पारी में कम से कम छह से सात ओवर फेंकने होंगे। मांजरेकर ने कहा, 'जब भारत ने 2011 में विश्व कप जीता था तब सुरेश रैना और युवराज सिंह ने भी बीच के ओवरों में गेंदबाजी की थी।

ओमान को 12-2 से हराने के बाद भारत को पाकिस्तान से मिली 4-5 से शिकस्त

सलालाह (ओमान) (एजेंसी)। भारत ने बुधवार को यहां पुरुष एशियाई हॉकी 5 विश्व कप क्वालीफायर में ओमान पर 12-2 से शानदार जीत दर्ज की लेकिन चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ 4-5 से हार गया। पाकिस्तान के खिलाफ शाम के दूसरे मैच में भारत के लिए मनिंदर सिंह (17वें, 29वें मिनट), गुरजोत सिंह (12वें) और मोहम्मद राहील (21वें मिनट) ने गोल किए। पाकिस्तान के लिए एहतेशाम असलम (दूसरा, तीसरा), जिकरिया हयात (पांचवां), अब्दुल रहमान (13वां) और अब्दुल राणा (26वां गोल दागे। पाकिस्तान ने मैच की शुरुआत में दबदबा बनाया और असलम ने भारतीय रक्षापंक्ति में बिखराव का फायदा उठाते हुए रिवर्स हिट से गोल कर दिया।

भारतीय टीम ने जवाबी हमला किया लेकिन पाकिस्तान के गोलकीपर अली रजा ने शानदार बचाव कर असलम के लिए एक और मौका बनाया जिस पर इस खिलाड़ी ने पाकिस्तान की बढ़त को दोगुना कर दिया। मनिंदर ने मैच के बाद गेंद पर नियंत्रण बनाने की कोशिश की लेकिन हयात ने उनसे गेंद अपने पाले में कर के पाकिस्तान के लिए एक और गोल कर दिया। गुरजोत ने

इसके बाद आक्रामक रवैया अपनाकर मैच में भारत की वापसी की लेकिन अब्दुल ने पाकिस्तान के लिए एक और गोलकर मध्यांतर से पहले पाकिस्तान को 4-1 से आगे कर दिया।

भारतीय टीम ने दूसरे हाफ में आक्रामक तेवर दिखाया लेकिन पाकिस्तान ने भी जवाबी हमला जारी रखा। मनिंदर ने इस दौरान रिवर्स हिट से भारत के लिए दूसर गोल किया। इसके कुछ समय के बाद पवन राजभर की मदद से राहिल ने गोल कर मैच में भारतीय टीम की वापसी कर दी। जब ऐसा लग रहा था कि भारतीय टीम पाकिस्तान से बराबरी कर आगे निकल जाएगी तभी कप्तान राणा के गोल से पाकिस्तान 5-3 से आगे हो गया। मनिंदर ने मैच के आखिरी क्षणों में अपना दूसरा गोल किया लेकिन इससे भारत की हार का अंतर ही कम हुआ। इससे पहले, दिन में भारत ने मेजबान ओमान को 12-2 से हराया। राहील (दूसरे, नौवें, 30वें), राजभर (नौवें, 10वें, 21वें) और मनिंदर (16वें, 23वें, 26वें) ने एक-एक हैट्रिक बनाई, जबकि जुगराज सिंह (तीसरे, 28वें) ने दो गोल किए। सुखविंदर (29वें) ने भी एक गोल किया।

भारत ने मंगलवार रात को मनिंदर सिंह और मोहम्मद राहील के क्रमश=4 और 3 गोल की मदद से अपने पहले मैच में बांग्लादेश को 15-1 से हराया था। मनिंदर ने 10वें, 18वें, 28वें और 30वें मिनट में गोल दागे। वहीं राहील ने दूसरे, 15वें और 24वें मिनट में गोल किया। सुखविंदर ने 13वें और 22वें, गुरजोत सिंह ने 13वें और 23वें, पवन राजभर ने 19वें और 26वें मिनट में गोल किए। मनदीप मोर ने 8वें और दिप्सन टिर्की ने नौवे मिनट में गोल दागा। बांग्लादेश के लिए एकमात्र गोल सावन सरोवर ने दूसरे मिनट में किया।

क्रिकेटरों ने मनाया रक्षाबंधन, प्रशंसकों को बधाई दी

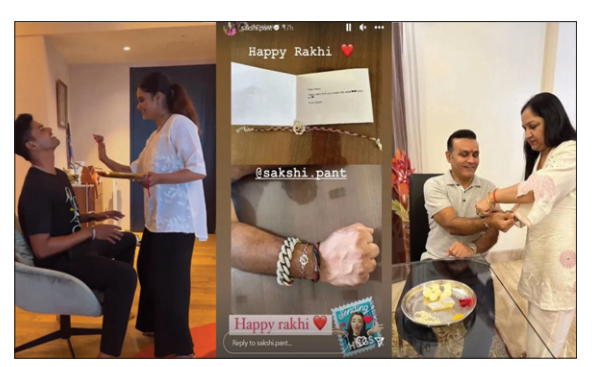

नई दिल्ली। क्रिकेटरों ने भी उमंग और उत्साह के साथ रक्षाबंधन मनाया और प्रशंसकों को बधाई दी। तेज गेंदबाज दीपक चाहर से लेकर श्रेयर अय्यर तक सभी ने रक्षाबंधन की तस्वीरें साझा की हैं। भारतीम टीम के मध्यक्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर और उनकी बहन श्रेष्ठा ने रक्षाबंधन की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की हैं। इसमें श्रेष्ठा ने वीडियो सोशल मीडिया पर एक वीडिया साझा किया है। इसमें श्रेयस अपनी बहन से राखी बंधवाते दिख रहे हैं। श्रेष्ठा ने वीडियो को साझा करते हुए लिखा, हैप्पी रक्षाबंधन। वहीं पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग भी अपनी बहन से राखी बंधवाते दिखे। तेज गेंदबाज दीपक चाहर की एक तस्वीर आई है इसमें वह अपनी बहन को रक्षाबंधन पर शुभकामनाएं देते दिखे। आईपीएल में धूम मचाने वाले रिंकू सिंह भी एक तस्वीर में अपनी बहन से राखी बंधवाते दिखे। इसके अलावा पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह की भी एक तस्वीर सामने आयी है। इसमें हरभजन की बहन उन्हें राखी बांधती दिखीं।

यह अहंकार नहीं है मैं पुरानी गेंद से भी गेंदबाजी कर सकता हूं: मोहम्मद शमी

पालेकल(एजेंसी)। मोहम्मद शमी को वनडे क्रिकेट में नई गेंद की बजाय पुरानी कूकाबूरा से भी गेंदबाजी करने में कोई गुरेज नहीं है और उनका कहना है कि वह टीम की जरूरत के अनुसार ढलने को तैयार हैं और उनमें कोई अहंकार नहीं है। एशिया कप के लिए जसप्रीत बुमराह की वापसी के साथ देखना यह होगा कि पाकिस्तान के खिलाफ शनिवार को उनके साथ नई गेंद कौन संभालेगा।

बुमराह की गैर मौजूदगी में शमी और मोहम्मद सिराज ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ मार्च में वनडे श्रृंखला में नई गेंद संभाली थी। शमी ने एशिया कप से पहले कहा कि मुझे नई गेंद या पुरानी गेंद से गेंदबाजी करने में कोई हिचक नहीं है। मुझमें इस तरह का कोई अहंकार नहीं है। हम तीनों (बुमराह, शमी और सिराज) अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं और यह टीम प्रबंधन पर निर्भर करता है कि वह किसे उतारना चाहता है। अगर मुझे नई गेंद दी जाती है या जब भी गेंदबाजी करने को कहा जाता है तो मैं हमेशा तैयार हूं।

उन्होंने कहा कि सफेद और लाल गेंद को लेकर काफी बात की जाती है। लेकिन अगर सटीक गेंदबाजी करते हैं तो किसी भी प्रारूप में कोई दिक्कत नहीं है। मेरा एक ही लक्ष्य है कि मैदान पर अपना शत प्रतिशत देना है। अगर ऐसा कर सके तो नतीजे खुद ब खुद मिलेंगे।

उन्होंने कहा कि विश्व कप से पहले बुमराह की वापसी से टीम का मनोबल बढ़ेगा। शमी ने कहा कि जस्सी (बुमराह) लंबे समय से नहीं खेल रहा था। हमें उसकी कमी खली। उसकी वापसी से हमारी गेंदबाजी काफी मजबूत हुई है। वह फिट दिख रहा है और अच्छा खेल रहा है। उम्मीद है कि एशिया कप में प्रदर्शन अच्छा होगा।

पाक के खिलाफ मैच से पहले ईशान किशन के बल्लेबाजी क्रम को लेकर असमंजस बरकरार

नई दिल्ली। केएल राहुल की अनुपस्थिति में ईशान किशन एशिया कप में विकेटकीपर बल्लेबाज की भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं लेकिन पाकिस्तान के खिलाफ दो सितंबर को होने वाले भारत के पहले मैच से पूर्व इस बाएं हाथ के बल्लेबाज के बल्लेबाजी क्रम को लेकर असमंजस बरकरार है। राहुल एशिया कप के पहले दो मैचों के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे और ऐसे में किशन को सलामी बल्लेबाज के तौर पर भी उतारा जा सकता है। वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत की पिछली एकदिवसीय श्रृंखला में उन्होंने शुभमन गिल के साथ पारी का आगाज किया था और अपना अच्छा प्रभाव छोड़ा था। किशन ने उस श्रृंखला के तीन मैचों में 61.33 की औसत से 184 रन बनाए थे। उन्होंने 52, 55 और 77 रन की अर्धशतकीय पारियां खेली थी। वेस्टइंडीज के खिलाफ श्रृंखला में हालांकि रोहित शर्मा को विश्राम दिया गया था। अब जबकि रोहित की वापसी हो गई है तो उनका सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरना तय है और ऐसे में भारतीय टीम प्रबंधन को किशन के बल्लेबाजी क्रम को लेकर विचार करना पड़ रहा है। किशन ने पारी का आगाज करते हुए अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने पिछले साल बांग्लादेश के खिलाफ सलामी बल्लेबाज के रूप में ही दोहरा शतक जड़ा था। भारतीय टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री का मानना है कि किशन को सलामी बल्लेबाज के रूप में उतारना चाहिए क्योंकि वह अपनी बेफिक्र बल्लेबाजी से भारत को शुरू में मजबूत स्थिति में पहुंचा सकते हैं। अगर किशन पारी की शुरुआत करते हैं तो फिर गिल को तीसरे और विराट कोहली को चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरना होगा। इसका मतलब यह होगा कि चोट से उबर कर वापसी करने वाले श्रेयस अय्यर पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे। ऐसे में हार्दिक पंड्या छठे नंबर पर उतरेंगे और टीम में सूर्यकुमार यादव के लिए कोई जगह नहीं होगी। सूर्यकुमार अभी तक वनडे में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं लेकिन उनके कौशल को देखकर उन्हें टीम में रखा गया है।

नीरज चोपड़ा का दावा- विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2027 की मेजबानी के लिए बोली लगाएगा भारत

ज्यूरिख (एजेंसी)। भारत 2027 में होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप का आयोजन कर सकता है क्योंकि ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता और हाल में विश्व चैंपियन बनने वाले नीरज चोपड़ा ने खुलासा किया कि देश इस प्रतियोगिता की मेजबानी के लिए बोली लगाने जा रहा है।

डायमंड लीग प्रतियोगिता से पहले चोपड़ा से भारत की विश्व चैंपियनशिप की मेजबानी की संभावना और दर्शकों के भाला फेंक स्पर्धा को देखने के लिए पहुंचने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि वे बोली लगाने जा रहे हैं। मैं प्रशंसकों से आग्रह करूंगा और मुझे उम्मीद है कि वह बड़ी संख्या में इस प्रतियोगिता को देखने के लिए पहुंचेंगे।

चोपड़ा ने कहा कि भारत में भाला फेंक अब मशहूर हो चुका है। भारत में साक्षात्कार में मैं हमेशा कहता रहा हूं कि हमें एथलेटिक्स को समझने की जरूरत है क्योंकि एथलेटिक्स केवल भाला फेंक तक सीमित नहीं है। इसमें कई अन्य स्पर्धाएं होती हैं। इसलिए अगर दर्शक नहीं आते हैं तो मैं उन्हें स्टेडियम में पहुंचने के लिए प्रेरित करूंगा।

उन्होंने कहा कि भारतीय लोग बहुत समर्थन करते हैं और अब वे एथलेटिक्स में दिलचस्पी लेने लगे हैं। बुडापेस्ट में भाला फेंक में शीर्ष छह में भारत के तीन खिलाड़ी शामिल थे। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) को विश्व चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए औपचारिक बोली लगानी होगी और सबसे पहले उसे सरकार से मंजूरी हासिल करनी होगी। एएफआई ने अभी तक सरकार से संपर्क नहीं किया है, जबकि बोली आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि दो अक्टूबर है।

तोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने के बाद चोपड़ा को चोटों से भी जूझना पड़ा लेकिन उन्होंने अपना आत्मविश्वास नहीं डिगने दिया। उन्होंने कहा कि ग्रोइन की चोट के कारण इस साल मैं अधिक प्रतियोगिताओं में भाग नहीं ले पाया। मई से लेकर विश्व चैंपियनशिप तक मैंने केवल 5 या 6 अभ्यास सत्र में भाग लिया था और तब भी पूरे रन अप में नहीं दौड़ा था। चोपड़ा ने कहा कि विश्व चैंपियनशिप मेरे लिए चुनौतीपूर्ण थी लेकिन मैं मन से पूरी तरह तैयार था। विश्व चैंपियनशिप शरीर के लिए ही नहीं बल्कि मन के लिए भी कठिन होती है।

रूस से कच्चे तेल का आयात 24 प्रतिशत घटा, 7 महीने में सबसे कम

नई दिल्ली ।

अगस्त में रूस से सस्ता तेल खरीदने में भारत की रफ्तार धीमी हुई। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि भारी मानसूनी बारिश के कारण तेल की जरूरत कम हो गई और तेल रिफाइनरियों ने इस दौरान नियमित मेंटिनेंस की योजना बनाई थी। भारत, जो वैश्विक स्तर पर तेल का तीसरा सबसे बड़ा ग्राहक है, उन्होंने लगातार तीसरे माह रूस से कम तेल आयात किया। उन्होंने अगस्त में प्रतिदिन लगभग 1.57 मिलियन बैरल खरीदे। यह पिछले महीने की तुलना में 24 प्रतिशत की कमी थी, और जनवरी के बाद से सबसे कम तेल का आयात था। भारतीय तेल रिफाइनरियों ने इराक से भी कम तेल खरीदा, जो एक अन्य भारत का प्रमुख सप्लायर है। अगस्त में इराक से भारत का आयात पिछले महीने की तुलना में 10 प्रतिश घटकर 848,000 बैरल प्रति दिन रह गया। हालांकि, उन्होंने सऊदी अरब से अपने तेल आयात में भारी वृद्धि करके इस कमी की कुछ भरपाई की। सऊदी अरब से आयातित तेल की मात्रा एक ही महीने में 63 प्रतिशत बढ़ गई, जो प्रति दिन 852,000 बैरल तक पहुंच गई। पिछले साल से भारत रूस से काफी ज्यादा तेल आयात कर रहा है। मई में, भारत प्रतिदिन 2.15 मिलियन बैरल रूसी तेल का उपयोग करके अपने उच्चतम पॉइंट पर पहुंच गया था। यह बढ़ोतरी इसलिए हुई क्योंकि भारतीय तेल रिफाइनरियां रूस द्वारा बेचे जा रहे डिस्काउंट वाले तेल को खरीदना चाहती थीं। मैंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड, जिसकी यूनिट की क्षमता प्रतिदिन 301,000 बैरल है, उन्होंने आयात दो-तिहाई कम किया है। उनकी फैसिलिटी हर दिन 301,000 बैरल तेल प्रोसेस कर सकती है, लेकिन उन्होंने अपने आयात में दो-तिहाई की कटौती की है। एक अन्य कंपनी, रिलायंस इंडस्ट्रीज आमतौर पर प्रति दिन लगभग 1.2 से 1.3 मिलियन बैरल तेल खरीदती है। हालांकि, इस अवधि में उनकी खरीद घटकर 1.1 मिलियन बैरल प्रति दिन रह गई। केप्लर के प्रमुख क्रूड विश्लेषक विक्टर कटोना ने कहा, यह कमी इसलिए हुई क्योंकि वे सितंबर में अपनी तेल डिस्टिलेशन यूनिट का कुछ हिस्सा बंद करने की योजना बना रहे हैं।

सितंबर में खुदरा मुद्रास्फीति में गिरावट संभव

एलपीजी के दामों में कटौती का असर होने का अनुमान

नई दिल्ली ।

एलपीजी गैस सिलिंडर के दामों में 200 रुपये की कटौती किए जाने से सितंबर में खुदरा मुद्रास्फीति में गिरावट संभव है। यह गिरावट 20 से 30 आधार अंक (बीपीएस) की हो सकती है। जानकारों के मुताबिक, इससे खुदरा मुद्रास्फीति केंद्रीय बैंक के छह फीसदी के ऊपरी दायरे से नीचे आ सकती है।

एक विश्लेषक के मुताबिक उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपाई) में एलपीजी का प्रत्यक्ष भार 1.29 प्रतिशत है। इससे तैयार भोजन के दाम पर भी परोक्ष असर पड़ता है, जिसका भार 5.6 फीसदी है। सिटी रिपोर्ट के मुताबिक, 'इसके मुताबिक मुद्रास्फीति में 30 आधार अंक की गिरावट आएगी। टमाटर के बढ़े हुए दाम भी घटने लगे हैं। लिहाजा सितंबर, 2023 में मुद्रास्फीति 6 फीसदी से कम आ सकती है। हमारा अनुमान है कि वित्त वर्ष 24 की शेष अवधि में उपभोक्ताओं के 200 अरब रुपये या सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 0.07 फीसदी की बचत होगी।' आईडीएफसी फर्स्ट बैंक इकनॉमिक्स रिसर्च में भी ऐसे ही रुझान हैं। सब्जियों के दामों में गिरावट का असर सितंबर में दिखाई देगा। इसके मुताबिक, 'हमारे सितंबर के अनुमानों के अनुसार इसमें और गिरावट आएगी। टमाटर के दामों में गिरावट और एलपीजी के दाम में कटौती होने से यह गिरावट आएगी।' उच्च मुद्रास्फीति और राज्यों व आम चुनाव निकट आने के दौर में एलपीजी के सभी सिलिंडरों के दामों में 200 रुपये की कटौती का फैसला किया गया है। जुलाई में खुदरा मुद्रास्फीति 15 महीने के उच्च स्तर 7.44 फीसदी पर पहुंच गई थी। इसका कारण सब्जियों, दालों, अनाजों और मसालों के दामों में बेतहाशा वृद्धि होना था।

भारतीय रिजर्व बैंक ने अपनी नवीनतम मौद्रिक नीति की समीक्षा में सितंबर तिमाही के मुद्रास्फीति के अनुमानों को संशोधित कर 6.2 प्रतिशत किया और वित्त वर्ष 24 के लिए 5.4 प्रतिशत किया है। हालांकि नीतिगत दर 6.5 प्रतिशत में कोई बदलाव नहीं किया गया है। बैंक ऑफ बड़ौदा के केयर रेटिंग्स के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस, 'एलपीजी के दाम में कटौती करने का निश्चित रूप से मुद्रास्फीति पर सुखद प्रभाव पड़ेगा। हमें देखना होगा कि यह कटौती कब तक रहती है और क्या इसे चुनाव के बाद वापस लिया जाता है।

डेल, एचपी समेत वैश्विक दिग्गज कंपनियों ने पीएलआई में दिखाई दिलचस्पी

- भारत में कंपूयटर बनाने के लिए कतार में लगी दुनिया भर की कंपनियां

नई दिल्ली ।

भारत में कंप्यूटर बनाने के लिए पीएलआई योजना के तहत दु निया की दिग्गज कंपनियां कतार में लग गई हैं। बता दें कि आईटी हार्डवेयर के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना बदलकर लाई गई है। सरकार की इस योजना के तहत कुल 32 कंपनियों ने देश में पर्सनल कंप्यूटर, लैपटॉप, टैबलेट, सर्वर तथा एज कंप्यूटर उपकरण बनाने के लिए आवेदन किया है। इनमें डेल, ह्यूलेट पैकर्ड (एचपी), फॉक्सकॉन, आसुस, एसर और फ्लेक्स जैसी कंपनियां शामिल हैं। फॉक्सकॉन ने अपनी सहायक इकाई के जरिये पीएलआई के लिए आवेदन किया है। हालों कि इस योजना के तहत पंजीकरण के लिए आवेदन की आज आखिरी तारीख थी। केंद्रीय संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि इस योजना से अगले 6 साल में 3.35 लाख करोड़ रुपये का वृद्धिशील उत्पादन होने की उम्मीद है। पीएलआई 2.0 के तहत आए कुल 32 आवेदनों में से करीब 8 कंपनियों ने इस योजना में शामिल की गई नई हाइब्रिड श्रेणी के अंतर्गत आवेदन किया है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा कि करीब 25 आवेदन स्थानीय कंपनियों से आए हैं। आवेदन करने वाली भारतीय कंपनियों में डिक्सन टेक्नोलॉजीज, वीवीडीएन टेक्नोलॉजीज, ऑप्टिमस टेलीकम्युनिकेशन और सहस्र इलेक्ट्रॉनिक सॉल्यूशंस आदि शामिल हैं। संशोधित योजना में उपकरणों को देश में ही बने कलपुर्जों के साथ असेंबल करने पर अतिरिक्त प्रोत्साहन देने की बात है। स्थानीय स्तर पर तैयार प्रोसेसर के साथ हार्डवेयर असेंबल करने वाली कंपनियों को वृद्धिशील बिक्री का 3 फीसदी प्रोत्साहन के तौर पर दिया जा सकता है। कुल मिलाकर 8 से 9 फीसदी प्रोत्साहन मिल सकता है।

मंत्री वैष्णव ने कहा कि इस अतिरिक्त प्रोत्साहन से उत्पादन में 35 से 48 फीसदी मूल्यवर्धन स्थानीय स्तर पर होगा। उन्होंने कहा कि कई कंपनियों ने अपनी स्थानीय डिजाइन प्रक्रिया भी तेज की है, जिससे मूल्यवर्धन और भी बढ़ जाएगा। वैष्णव ने कहा` कि देश में पीसी, लैपटॉप और सर्वर बनाने के लिए प्रतिक्रिया बहुत उत्साह भरी है। आवेदन करने वाली सभी कंपनियां तेजी से उत्पादन करने तथा मौजूदा उत्पादन को बढ़ाने में जुट गई हैं।

गोयनका की अपील पर ज़ी मामले में सैट ने 4 सितंबर तक मांगा जवाब

नई दिल्ली ।

गोयनका की अपील पर ज़ी मामले में सैट संतुष्ट नहीं है, इसलिए फिर से जवाब मांगा है। जानकारी के अनुसार ज़ी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज के प्रवर्तक पुनीत गोयनका की अपील पर सुनवाई करते हुए प्रतिभूति अपील पंचाट (सैट) ने बाजार नियामक सेबी को 4 सितंबर तक जवाब देने का निर्देश दिया है। पंचाट ने मामले पर अंतिम फैसले के लिए 8 सितंबर की तारीख तय की है। इस संबंध में न्यायमूर्ति तरुण अग्रवाल ने आज कहा` कि जहां तक आठ महीने तक चली जांच और आपकी तरफ से दी गई नोटिस का सवाल है, हम संतुष्ट नहीं हैं। ऐसे में यह अनिश्चितकाल तक नहीं चल सकता। मैं इससे सहमत नहीं हूं कि जिस आदेश को चुनौती दी गई है वह आठ महीने तक ऐसे ही पड़ा रहा। रकम की कथित हेराफेरी मामले में बाजार नियामक सेबी के पुष्टि वाले आदेश में गोयनका को ज़ी समूह की चार फर्मों और सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया के साथ विलय के बाद बनने वाली इकाई में अहम प्रबंधकीय और निदेशक का पद लेने से रोक दिया गया था।

यह मामला येस बैंक में 200 करोड़ रुपये जमा को लेकर ज़ी के एक और प्रवर्तक सुभाष चंद्रा की तरफ से लेटर ऑफ कंफर्ट दिए जाने और फिर इस रकम की हेराफेरी संबंधित इकाइयों के जरिये करने से जुड़ा है।

वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने गोयनका के लिए दलील पेश करते हुए कहा कि सेबी का आदेश दंडात्मक है, न कि निरोधात्मक और आठ महीने की अवधि इस प्रावधान को अक्षम बनाता है। उन्होंने कहा कि सोनी के साथ विलय के बाद बनने वाली इकाई में निदेशक मंडल का ढांचा अलग होगा और सोनी पिक्चर्स के सदस्य बोर्ड में होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रस्ताव पर 99.99 फीसदी शेयरधारकों ने सहमति जताई थी। अग्रवाल ने कहा` कि अगर सार्वजनिक हित इसमें है कि अमुक व्यक्ति निदेशक बने रहे और कामकाज का प्रबंधन करे तो इस पर सिर्फ इस वजह से पाबंदी लगनी चाहिए कि विगत में रकम की हेराफेरी का कुछ मामला पाया गया था।

होंडा की बाइक हॉर्नेट 2.0 बाजार में लॉन्च

-बाइक को बीएस 6 फेज 2 के हिसाब से किया तैयार

नई दिल्ली ।

ऑटोमोबाइल कंपनी होंडा ने ने हॉर्नेट 2.0 को बाजार में लॉन्च कर दिया है। होंडा ने इसके लिए बाइक को बीएस 6 फेज 2 के हिसाब से तैयार किया है। एमिशन नॉर्म्स को पूरा करने के लिए कंपनी ने इंजन कंपोनेंट्स में कई तरह के सेंसर्स को लगाया है। अब बाइक में किसी भी तरह की खराबी होने पर इंस्ट्रूमेंट पैनल पर इसकी पूरी जानकारी मिलेगी।इसी के साथ बाइक में असिस्ट और स्लीपर क्लच दिया गया है।वहीं बाइक में अप साइड डाउन फ्रंट फॉर्क भी दिया गया है।मोटरसाइकिल के डिजाइन को पूरी तरह से अपडेट कर दिया गया है।साथ ही बाइक के फीचर्स को भी अपडेट किया गया है।बाइक में नए ग्राफिक्स के साथ ही बड़ा पेट्रोल टैंक दिया गया है।इसी के साथ एलईडी लाइट्स, स्प्लिट सीट, टैंक पर की प्लेसमेंट, डिस्क ब्रेक, ब्लूटूथ कनेक्टिविटी जैसे फीचर्स दिए गए हैं।मोटरसाइकिल में असिस्ट और स्लीपर क्लच दिया गया है।इसी के साथ सेगमेंट में पहली बार अप साइड डाउन फ्रंट फॉर्क भी दिया गया है।मोटरसाइकिल को इस बार कंपनी ने पहले से ज्यादा सुरक्षित बनाया है।बाइक में सिंगल चैनल एबीएस दिया है। इसी के साथ फ्रंट और रियर में डिस्क ब्रेक दिए गए हैं।इसी के साथ हॉरनेट के साथ भी कंपनी अपना स्पेशल वारंटी पैकेज दे रही है।बाइक पर आपको 10 साल की वारंटी मिलती है।इसमें 3 साल की नॉर्मल वारंटी और 7 साल की ऑप्शन वारंटी शामिल है। रियर में मोनो शॉक सस्पेंशन दिया गया है जो राइड को ज्यादा कंफर्टेबल बनाता है।वहीं बाइक का फ्रंट टायर 110 मिमी और रियर टायर 140 मिमी चौड़ा दिया गया है।मोटरसाइकिल में इसी के साथ आपको इंजन स्टार्ट स्टॉप का स्विच, हजार्ड लाइट, साइड स्टैंड इंडीकेटर जैसे फीचर भी देखने को मिलेंगे।

रुपया बढ़त पर बंद

नई दिल्ली । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 8 पैसे बढ़कर 82.65 पर बंद हुआ। इससे पहले रुपया सुबह 8 पैसे बढ़कर 82.65 पर खुला। वहीं गत दिवस बुधवार को रुपया दो पैसे की गिरावट के साथ ही 82.73 पर बंद हुआ था। आज डॉलर के मुकाबले दूसरी एशियाई मुद्रा में तेजी आई है। थाई बात में 0.32 फीसदी की बढ़त आई। जापान येन में 0.29 फीसदी की बढ़त दर्ज की गयी जबकि मलेशिया रिंगित में 0.16 फीसदी उछाल आया जबकि फिलीपींस की मुद्रा पेसो में 0.1 फीसदी की बढ़त आई।

एस्सेल ग्रुप ने जेसी फ्लॉवर्स कंपनी से समझौता किया

मुंबई । एस्सेल ग्रुप ने अपने करीब 6500 करोड़ रुपये के कर्ज के सेटलमेंट के लिए जेसी फ्लॉवर्स कंपनी से समझौता किया है। ये पूरा मामला 6500 करोड़ रुपये के कर्ज से जुड़ा है दरअसल, जेसी फ्लॉवर्स ने यह कर्ज यस बैंक से डिस्काउंट पर खरीदा था। यस बैंक ने अपना 48,000 करोड़ रुपये का डूबा कर्ज (एनपीए) जेसी फ्लॉवर्स को ट्रांसफर कर दिया था। ये एनपीए करीब 11,183 करोड़ रुपये में बेचा गया था। वहीं इस मामले में एस्सेल ग्रुप की कंपनी जी लर्न ने पहले इस कर्ज के मामले में जेसी फ्लॉवर्स के साथ निपटारा करने के संकेत दिए थे। जी लर्न ने 8 अगस्त को स्टॉक एक्सचेंजों को इस बाबत जानकारी दी थी। कंपनी ने सेटलमेंट से जुड़े तथ्यों की पूरी जानकारी नहीं दी है। बताया गया हैं कि एग्रीमेंट के तहत एस्सेल ग्रुप की एंटीटीज ने 7 महीने के अंदर जेसी फ्लॉवर्स को 1,500 करोड़ रुपये चुकाने के वादा किए हैं। समझौते की शर्त में कहा गया है कि इस अमाउंट का 15 फीसदी पहले 30 दिन में पेमेंट कर दिया जाएगा। बाकी 85 फीसदी अमाउंट छह महीनों में चुकाया जाएगा।

ग्रामीण बैंकों को दिए जन धन खातों की डुप्लीकेसी हटाने के निर्देश

नई दिल्ली । केन्द्र सरकार ने ग्रामीण बैकों को जनधन खातों से डुपलीकेसी हटाने के निर्देश दिए हैं। मिली जानकारी के अनुसार केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) को जन धन खातों के दोहराव को हटाने और विशेष रूप से जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में सेब उत्पादकों के लिए भंडारण सुविधा की सुविधा देने का निर्देश दिया। उन्होंने आरआरबी की समीक्षा बैठक के दौरान यह बात कही। उन्होंने आरआरबी की डिजिटल क्षमता उन्नयन पर जोर दिया और पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के अध्यक्ष को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि इसके दायरे में आने वाले सभी आरआरबी 1 नवंबर, 2023 तक डिजिटल ऑनबोर्डिंग क्षमता हासिल कर लें। बैठक के दौरान बैंकिंग सचिव, अतिरिक्त सचिव, आरआरबी के प्रमुख, आरबीआई के अधिकारी और नाबार्ड के प्रतिनिधि भी मौजूद थे। निर्मला सीतारमण ने यह भी कहा कि बैंकों को आरआरबी को एमएसएमई समूहों के साथ मैप करना चाहिए और एमएसएमई मंत्रालय द्वारा पहचाने गए क्लस्टर क्षेत्रों में ग्रामीण शाखाओं के नेटवर्क को बढ़ाने पर अधिक जोर देना चाहिए। उन्होंने मुद्रा योजना और वित्तीय समावेशन के तहत पैठ बढ़ाने पर जोर दिया, जबकि कहा कि निर्धारित गतिविधियों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए एक रोडमैप तैयार करने की जरुरत है।

फूड बास्केट ऑफ इंडिया के तौर पर अपनी पहचान बनने में जुटा यूपी

लखनऊ ।

देश के ग्रोथ इंजन के तौर पर अपनी भूमिका को विस्तार देता उत्तर प्रदेश न केवल वन ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बनने की ओर तेजी से प्रयासरत है, बल्कि वैश्विक पटल पर फूड बास्केट ऑफ इंडिया के तौर पर भी अपनी पहचान बना रहा है। इसकारण उत्तरप्रदेश कृषि व खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में नित नई ऊंचाइयों को छू रहा है। इसके बाद जब 21 से 25 सितंबर के बीच ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेंटर व मार्ट में इंटरनेशनल ट्रेड शो 2023 का आयोजन होने जा रहा है, तब यह निश्चित है कि इस मेगा ट्रेड शो में फूड, डेयरी और एग्रो सेक्टर से जुड़ी व प्रदेश में व्यापक उपस्थिति रखने वाली कंपनियों को एक बड़ा मंच प्रदान किया जाएगा। इस ट्रेड शो में यूं पूरी दुनिया से ही सभी क्षेत्रों की तमाम दिग्गज कंपनियां हिस्सा लेंगी मगर खास तौर पर उत्तर प्रदेश में व्यापक उपस्थिति रखने वाली फूड, डेयरी व एग्रो बेस्ड कंपनियों को प्राथमिकता दी जाएगी। इससे न केवल ये कंपनियां उत्तरप्रदेश की ब्रांडिंग का हिस्सा बनेंगी बल्कि व्यापक वैश्विक बाजार तक इन कंपनियों के प्रोडक्ट्स की पहुंच का मार्ग भी प्रशस्त हो सकेगा। इस मेगा ट्रेड शो में एग्रो, फूड व डेयरी बेस्ड जिन कंपनियों की व्यापक उपस्थिति रहने वाली हैं, उसमें पतंजली, हल्दीराम, प्रिया गोल्ड, बिकानेरवाला, वैद्यनाथ, रिचुअल फूड्स, फ्रेश फूड्स, ऑगस्टिया फूड्स, इंडियन बी कीपर श्री गिरिजा, पारस, अमूल, प्राइम फूड्स, ज्ञान डेयरी, क्रीमी फूड फेयर एक्सपोर्ट व अन्य प्रमुख हैं। इसके अतिरिक्त खाद्य, कृषि व डेयरी उत्पादों से संबंधित ग्रामीण, लघु व कुटीर उद्योगों को भी ट्रेड शो में प्राथमिकता दी जाएगी। इसके अतिरिक्त, खाद्य प्रसंस्करणों से जुड़े विभागों, लॉजिस्टिक्स-वेयरहाउसिंग, पशुपालन, मत्स्य पालन, डेयरी व अन्य प्रमुख विभागों से संबंधित स्टॉल्स भी ट्रेड शो में व्यापक उपस्थिति दर्ज कराएंगे।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 255 , निफ्टी 93 अंक गिरा

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले मिश्रित संकेतों के बीच ही बिकवाली हावी होने से आई है। इससे पहले आज सुबह बाजार की तेज शुरुआत हुई और इसमें उछाल आने लगा पर समय बीतने के साथ ही बाजार नीचे आ गया। कारोबार के दौरान वित्तीय और उपभोक्ता क्षेत्र के शेयरों में हुई बिकवाली से बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा। कारोबार के दौरान बजाज फाइनेंस, इंडसइंड बैंक, एक्सिस बैंक, एचयूएल, एसबीआई, पावर ग्रिड, कोटक बैंक, नेस्ले इंडिया, एशियन पेंट्स, टीसीएस, टाटा मोटर्स, जेएसडब्ल्यू स्टील, बजाज फाइनेंस, आईटीसी और आरआईएल के शेयरों में गिरावट आई। वहीं बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांक मिश्रित रूप से बंद हुए और स्मॉलकैप सूचकांक 0.7 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 255.84 अंक करीब 0.39 फीसदी नीचे आकर 64,831.41 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान सेंसेक्स 65,277.04 तक ऊपर जाने के बाद 64,723.63 तक फिसला।

दूसरी ओर पचास शेयरों पर अधारित नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 93.65 अंक तकरीबन 0.48 फीसदी गिरावट के साथ ही 19,253.80 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 19,388.20 तक ऊपर जाने के बाद 19,223.65 के निचले स्तर पर पहुंचा।

आज के कारोबार में सेंसेक्स के शेयरों में 9 शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। मारुति, टाइटन, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा स्टील और टेक महिंद्रा सेंसेक्स के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे। मारुति के शेयर सबसे ज्यादा 2.22 फीसदी तक उछले।

इसके अलावा आईसीसीआई बैंक, जियो फाइनैंशियल सर्विसेज, एचसीएल टेक और विप्रो लाभ में रहे। वहीं सेंसेक्स के शेयरों में 21 शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये हैं। इनमें एशियन पेंट्स, इंडसइंड बैंक, एक्सिस बैंक, एसबीआई और एचयूएल रहे। एशियन पेंट्स के शेयर सबसे ज्यादा 1.33 फीसदी तक टूटे। आज सुबहगिफ्ट निफ्टी फ्यूचर्स 35 अंक बढ़कर 19,480 के स्तर पर पहुंच गया, जो कि निफ्टी फ्यूचर्स के गत दिवस के बंद स्तर के मुकाबले है।दूसरी ओर अमेरिकी बाजारों की बात करें तो चौथे दिन तेजी जारी रही। इससे डॉव जोन्स, नेसडेक कंपोजिट और एसएंडपी 500 सूचकांक 0.5 फीसदी ऊपर आया। इसके अलावा एशियाई बाजारों में भी शुरूआती कारोबार के दौरान बढ़त देखी गयी। निक्केई 225, टोपिक्स, कोस्पी और एसएंडपी 200 जैसे प्रमुख सूचकांक 0.3 फीसदी तक बढ़े।

अडानी ग्रुप पर लगे शेयरों में गड़बड़ी के आरोप

-ओसीसीआरपी नाम की संस्था ने लगाए आरोप

नई दिल्ली।

गौतम अडानी समूह पर ऑर्गेनाइज्ड क्राइम एंड करप्शन रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट (ओसीसीआरपी) नाम की एक ग्लोबल संस्था ने गड़बड़ी के आरोप लगाए हैं। संस्था की रिपोर्ट के मुताबिक प्रमोटर परिवार के बिजनेस पार्टनर्स ने मॉरीशस स्थित गुमनाम निवेश फंडों के माध्यम से अडानी समूह के शेयरों में करोड़ों डॉलर का निवेश किया था।

इस रिपोर्ट में कहा कि इसकी जांच में कम से कम दो मामले पाए गए जहां गुमनाम निवेशकों ने ऐसी ऑफशोर स्ट्रक्चर के माध्यम से अडानी ग्रुप के स्टॉक खरीदा और बेचा। हालांकि, अडानी समूह ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। ओसीसीआरपीके आरोपों पर अडानी समूह ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। अडानी समूह ने कहा कि यह हिंडनबर्ग रिपोर्ट को पुनर्जीवित करने और समूह की प्रतिष्ठा को खराब करने के लिए विदेशी मीडिया के एक वर्ग द्वारा समर्थित प्रयास है। ओसीसीआरपी के आरोप के मुताबिक अडानी समूह ने मॉरीशस स्थित गुमनाम निवेश फंड्स के जरिए ग्रुप के शेयरों में करोड़ों रुपये लगाए हैं। बता दें किओसीसीआरपीको अरबपति जॉर्ज सोरोस और रॉकफेलर ब्रदर्स फंड जैसे संस्थाओं द्वारा फंडिंग मिलती है। जॉर्ज सोरोस वही अरबपति हैं, जो समय-समय पर केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार की आलोचना करते रहते हैं।जनवरी महीने में अमेरिका की शॉर्ट सेलर फर्म हिंडनबर्ग ने भी ऐसे ही आरोप लगाए थे। हिंडनबर्ग ने कहा था कि अडानी ग्रुप ने शेल कंपनियों के जरिए शेयरों में गड़बड़ी की है। इसके अलावा ऑडिट और कर्ज समेत कई अन्य मुद्दों पर भी समूह को घेरा था। अडानी समूह ने हिंडनबर्ग के दावों को भ्रामक और बिना सबूत वाला बताया और कहा कि उसने हमेशा कानूनों का अनुपालन किया है। हालांकि, अडानी समूह को हिंडनबर्ग के खुलासे की कीमत भी चुकानी पड़ी। ग्रुप के सभी शेयरों में भारी गिरावट दर्ज की गई और मार्केट कैप .150 बिलियन कम हो गया। हाल के महीनों में कुछ कर्ज चुकाने और कुछ निवेशकों का विश्वास हासिल करने के बाद सुधार के बाद रिकवरी देखने को मिल रही है। वहीं, रिपोर्ट के बाद गौतम अडानी की दौलत में भी बड़ी गिरावट आई और वह टॉप 25 अरबपतियों की सूची से भी बाहर हो गए थे। भारत के सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बाद सेबी हिंडनबर्ग रिपोर्ट की जांच कर रहा है। सर्वोच्च न्यायालय में इस मामले की सुनवाई जल्द होगी। बता दें कि हिंडनबर्ग रिपोर्ट में भी मॉरीशस का जिक्र किया गया था।

ओमुनि ने अपने 60-70 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला

मुंबई ।

शिप्रॉकेट के स्वामित्व वाले रिटेल सास (सॉफ्टवेयर-ए-ए-सर्विस) प्लेटफॉर्म ओमुनि ने माह की शुरुआत में पुनर्गठन प्रक्रिया के तहत अपने लगभग 60-70 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी गई है। सूत्रों के हवाले से बताया कि नौकरी में कटौती ने तकनीकी, उत्पाद और बिक्री टीमों के कर्मचारियों को प्रभावित किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि बेंगलुरु स्थित कंपनी सीईओ और सह-संस्थापक मुकुल बाफना और सीटीओ सुमीत चंडोक सहित वरिष्ठ प्रबंधन टीम को भी बाहर कर देगी। शिपरॉकेट के प्रवक्ता के हवाले से कहा गया, शिपरॉकेट में, हम एक पूर्ण-स्टैक ई-कॉमर्स सक्षम मंच का निर्माण कर रहे हैं और हमेशा साझेदारी, विलय और अधिग्रहण के माध्यम से अपने व्यापारियों के लिए एक बड़ा व्यावसायिक प्रभाव पैदा करने के अवसरों की तलाश में रहते हैं। जैसा कि हम ओमुनि सहित अधिग्रहणों के साथ तालमेल तलाशते हैं, इसके परिणामस्वरूप अक्सर संगठन-व्यापी स्तर पर कार्यबल का एकीकरण होता है और हमने विभिन्न समूह कंपनियों में कुछ टीमों को एकीकृत किया है। ओमुनि, जिसकी स्थापना 2014 में हुई थी, ब्रांडों और खुदरा विक्रेताओं के लिए एक सर्वव्यापी खुदरा मंच है। शिपरॉकेट ने पिछले साल जुलाई में स्टॉक और नकद सौदे में 200 करोड़ रुपये में ओमुनी को अरविंद इंटरनेट प्राइवेट लिमिटेड से खरीदा था।

पेट्रोल डीजल की कीमतों में नहीं हुआ बदलाव

नई दिल्ली । देश में तेल की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं ओर गुरुवार को भी उसमें कोई बदलाव नहीं हुआ। सरकारी तेल कंपनियों ने अंतिम बार अप्रैल 2022 में पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ाये थे। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपये और डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर पर है। नोएडा में पेट्रोल 96.79 रुपये और डीजल 89.96 रुपये प्रति लीटर है। गाजियाबाद में प्रेट्रोल 96.58 रुपये और डीजल 89.75 रुपये प्रति लीटर जबकि बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 107.24 रुपये और डीजल 94.04 रुपये प्रति लीटर हो गया है। चारों महानगरों की बात करें तो पहले की तरह ही दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 90..08 रुपये प्रति लीटर जबकि मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर वहीं कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर पर हैं। वहीं चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर पर मिल रहा है।

एक मिनट के एक करोड़ रुपए कमाती हैं उर्वशी रौटेला !

बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौटेला अक्सर किसी न किसी वजह से सुर्खियों में रहती हैं। मॉडलिंग से एक्टिंग की दुनिया में आई उर्वशी ने 2013 में फिल्म ''सिंह साब द ग्रेट' से बॉलीवुड डेब्यू किया था। उर्वशी भले ही फिल्मों में कम नजर आती हो लेकिन सोशल मीडिया पर अपनी हॉट एंड ग्लैमरस तस्वीरों की वजह से छाई रहती हैं।

उर्वशी इन दिनों अपने एक वीडियो की वजह से ट्रोल्र्स के निशाने पर आ गई है। दरअसल, इस वीडियो में उर्वशी उन दावों की पुष्टि कर रही है कि वह बॉलीवुड की हाईएस्ट पेड एक्ट्रेस हैं। उर्वशी का कहना है कि वह 1 मिनट परफॉर्म करने के 1 करोड़ रुपए चार्ज करती हैं।

वायरल हो रहे वीडियो में एक रिपोर्टर उर्वशी से पूछता है कि कैसा लगता है सबसे ज्यादा कमाई करने वाली एक्ट्रेस बनकर क्योंकि आप 1 मिनट का 1 करोड़ रुपए चार्ज करती हैं। इस दावे पर प्रतिक्रिया देते हुए उर्वशी कहती हैं, मुझे लगता है कि हर एक सेल्फ मेड एक्टर या एक्ट्रेस को अपने करियर में ये उपलब्धि देखनी चाहिए।

इस वीडियो के सामने आने के बाद यूजर्स उर्वशी को जमकर ट्रोल कर रहे है। एक यूजर ने लिखा, 'देवी उर्वशी नए पीआर स्टंट के साथ वापस आ गई हैं।' एक अन्य ने लिखा, 'दीदी 1 घंटे में 60 करोड़ कमाती हैं!! एक दिन में 1440 करोड़!! वाह। दीदी तुम मंगल पर जाके रहो यहां जरूरत नहीं है।' एक और यूजर ने लिखश, '50 रुपए काटो ओवर एक्टिंग का।''

बीते दिनों खबर सामने आई थी कि उर्वशी ने राम पोथिनेनी की अपकमिंग फिल्म के एक गाने में 3 मिनट परफॉर्म करने के लिए 3 करोड़ रुपए फीस की मांग की थी। हालांकि इस बारे में फिल्म के मेकर्स ने कभी कोई कमेंट नहीं किया।

अरमान ने गर्लफ्रेंड आशना श्रॉफ के साथ की सगाई

बॉलीवुड सिंगर अरमान मलिक ने अपनी लॉन्ग टाइम गर्लफ्रेंड आशना श्रॉफ साथ सगाई कर ली है। अरमान ने सोशल मीडिया पर अपने खूबसूरत मोमेंट भी शेयर की है। फोटो में वह फिल्मी अंदाज में आशना को प्रपोज करते नजर आ रहे हैं। अरमान ने अपनी सगाई की तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा- और हमारी हमेशा के लिए अभी-अभी शुरुआत हुई है। पहली तस्वीर में सिंगर ऑफ-व्हाइट सूट पहने घुटनों के बल बैठकर आशना की उंगली में अंगूठी डालते नजर आ रहे हैं। इस दौरान उनकी लेडी लव बेहद खुश नजर आ रही हैं। वह सफेद और लाल रंग की फ्लोरल प्रिंट ड्रेस में बेहद प्यारी लग रही हैं। ये तस्वीरें सामने आने के बाद लोग कपल को खूब बधाइयां दे रहे हैं। गायिका नीति मोहन ने कमेंट करते हुए लिखा-, ओएमजी बधाई हो दोस्तों। कितना प्यारा है। दिव्यांका त्रिपाठी ने लिखा- बधाई हो! इस नई शुरुआत के साथ आप दोनों को खुशी, स्वास्थ्य और समृद्धि की शुभकामनाएं!

अरमान मलिक एक संगीतकार परिवार से ताल्लुक रखते हैं। वह सिंगर और म्यूजिक कंपोजर अनु मलिक के भतीजे हैं। ऐसे में उन्होंने 8 साल की उम्र में ही गाना शुरू कर दिया था। पर उन्हें असली पहचान उनके गाए गाने बोल दो न जरा से मिली। बता दें कि अरमान मलिक और लाइफस्टाइल ब्लॉगर आशना श्रॉफ लंबे समय से एक दूसरे को डेट कर रहे हैं। दोनों ने वैसे कभी अपने रिश्ते को छिपाने की कोशिश भी नहीं की है।

बंबई मेरी जान के ग्लोबल प्रीमियर की घोषणा

बंबई मेरी जान के ग्लोबल प्रीमियर की घोषणा कर दी है। यह प्राइम वीडियो का आने वाले क्राइम ड्रामा है। इस सीरीज़ का प्रीमियर 14 सितंबर को भारत और 240 देशों और क्षेत्रों में विशेष रूप से प्राइम वीडियो पर होगा। एक्सेल मीडिया एंड एंटरटेनमेंट के रितेश सिधवानी, कासिम जगमगिया और फरहान अख्तर द्वारा निर्मित, एस. हुसैन जैदी की कहानी के साथ, बंबई मेरी जान रेंसिल डिसिल्वा और शुजात सौदागर द्वारा क्रिएट की गई हैं। वहीं ये सीरीज शुजात सौदागर द्वारा निर्देशित हैं। इस सीरीज में अमायरा दस्तूर अहम रोल में हैं। जबकि के के मेनन, अविनाश तिवारी, कृतिका कामरा और निवेदिता भट्टाचार्य जैसे बहुमुखी और प्रतिभाशाली कलाकार भी इसका हिस्सा हैं। यह फिक्शनल क्राइम सीरीज एक पिता और बेटे की एक मनोरंजक कहानी है, दोनों एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। ये सीरीज अच्छाई वर्सेज बुराई की क्लासिक, यूनिवर्सल लड़ाई की खोज करती है। आजादी के बाद के दिनों पर आधारित, यह कहानी एक युवा, दारा कादरी (तिवारी द्वारा अभिनीत) के जीवन और उत्थान को दर्शाती है, जो अपने पिता की कानून प्रवर्तन विरासत (मेनन द्वारा अभिनीत) और संगठित अपराध के केंद्र में अपनी यात्रा के बीच उलझा हुआ है। प्राइम वीडियो में इंडिया ओरिजिनल्स की हेड अपर्णा पुरोहित ने कहा, 'बंबई मेरी जान सपनों और महत्वाकांक्षाओं की एक जटिल और दिलचस्प कहानी है, जहां सत्ता के लिए कभी न मिटने वाली भूख किसी की पसंद को परिभाषित करती है। कहानी एक सिम्फनी की तरह है जो अपने मेन किरदारों की सोच और भावनाओं को गहराई से उजागर करती है, क्योंकि वे अपनी पसंद के परिणामों से जूझते हैं। उन्होंने आगे कहा, 'हम एक्सेल मीडिया एंड एंटरटेनमेंट के साथ अपना पांचवां प्रोजेक्ट पेश करने के लिए बहुत उत्साहित हैं।

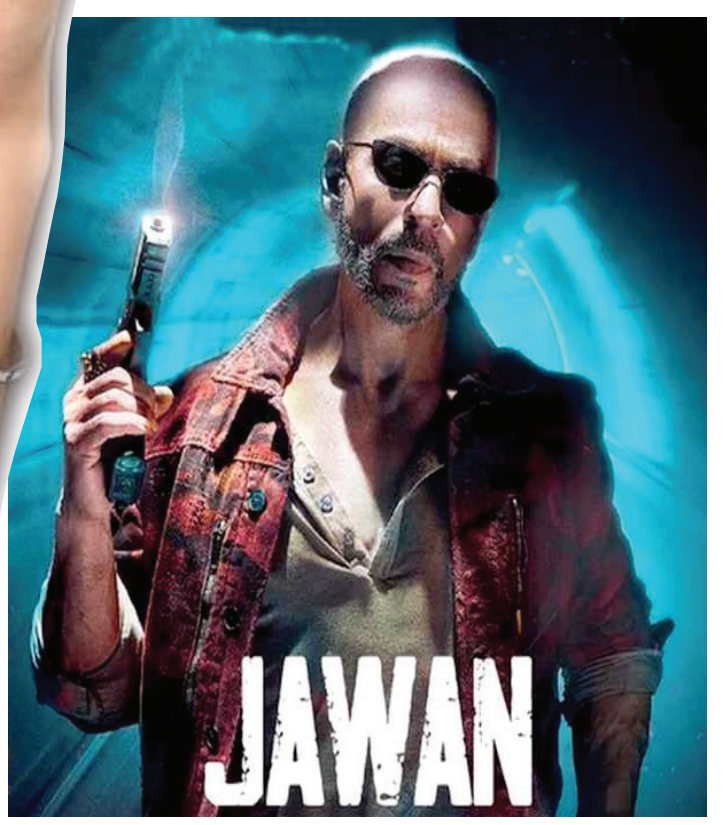

फैंस का इंतजार खत्म, शाहरुख खान की 'जवान' का धमाकेदार ट्रेलर हुआ रिलीज

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान की फिल्म 'जवान' का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म की रिलीज के कुछ दिन पहले मेकर्स ने फैंस को एक गिफ्ट देते हुए 'जवान' का धमाकेदार ट्रेलर रिलीज कर दिया है। फिल्म का ट्रेलर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर छा गया है। फिल्म 'जवान' का ट्रेलर एक्शन, एडवेंचर और दिल दहला देने वाले रोमांच से भरपूर है। ट्रेलर दर्शकों को 'जवान' की विशाल दुनिया की एक और झलक देता है, जिससे इसकी रिलीज की उल्टी गिनती तेज हो जाती है, जो है अब बस अपनी रिलीज से सिर्फ एक हफ्ता दूर है। एक रोमांचक मोड़ में, आज नयनतारा का सोशल मीडिया पर डेब्यू भी है। उनके फैंस के लिए यह दोहरी सौगात है क्योंकि उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर 'जवान' का ट्रेलर जारी किया है, जिससे उनके फॉलोअर्स खुशी से झूम उठे हैं।

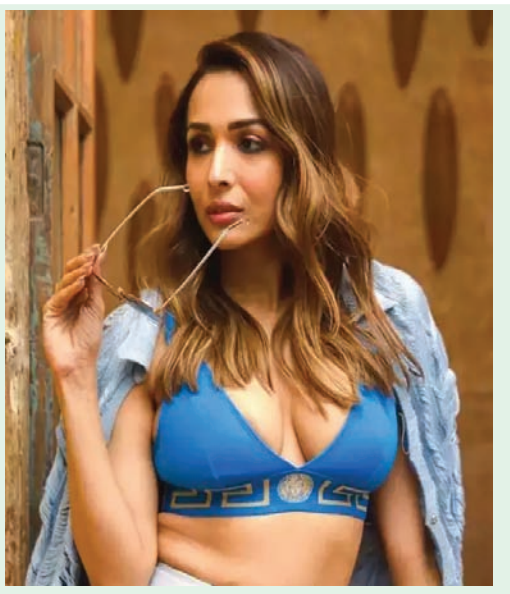

मलाइका ने अर्जुन कपूर के साथ ब्रेकअप की अफवाहों को किया खारिज

मलाइका अरोड़ा ने अर्जुन कपूर के साथ ब्रेकअप की अफवाहों को खारिज किया है। लंच डेट के लिए एक रेस्तरां में एक साथ देखे जाने के बाद मलाइका ने एक पोस्ट शेयर की, जिससे लगता है कि वह एक्टर अर्जुन कपूर के साथ ब्रेक-अप की अफवाहों को खारिज कर रही हैं। इंस्टाग्राम स्टोरीज पर मलाइका ने अमेरिकी कॉमिक स्ट्रिप पीनट्स के कार्टून कैरेक्टर स्नूपी की एक फोटो शेयर की और उस पर लिखा था, उन लोगों के करीब रहें जो सनसाइन की तरह महसूस करते हैं। गौरतलब है कि पिछले दिनों मलाइका और अर्जुन को एक साथ लंच डेट पर साथ देखा गया। दोनों को मुंबई के एक रेस्टोरेंट से बाहर घूमते हुए देखा गया। मलाइका ने वाइट आउटफिट पहनी हुई थी, वहीं अर्जुन ने ब्लैक टी-शर्ट और जींस लुक कैरी किया हुआ था। खबरें थीं कि अर्जुन और मलाइका का ब्रेकअप हो गया हैं और अर्जुन अब सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और एक्टर कुशा कपिला को डेट कर रहे हैं।

हालांकि, कुशा, जिनका हाल ही में जोरावर सिंह अहलूवालिया से ब्रेकअप हुआ है, ने ऐसी खबरों से इनकार किया। अर्जुन को डेट करने से पहले मलाइका की शादी बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान के भाई और अभिनेता-निर्देशक अरबाज खान से हुई थी। 1998 में शादी करने के बाद, उन्होंने मार्च 2016 में अलग होने की घोषणा की और मई 2017 में आधिकारिक तौर पर तलाक हो गया।

सनी सिंह की अपकमिंग फिल्म का ऐलान

कलाकार सनी सिंह की अपकमिंग फिल्म का ऐलान हो गया है, जिसका टाइटल रिस्की रोमियो है। खास बात ये है कि एक कॉमेडी मसाला मूवी होने वाली है, जिसमें एक्ट्रेस कृति खरबंदा के साथ पहली बार सनी सिंह स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। फिल्म समीक्षक तरण आदर्श की ओर से रिस्की रोमियो का मोशन पोस्टर रिलीज किया गया है। सनी सिंह और कृति खरबंदा की इस अपकमिंग फिल्म के पोस्टर से ये साफ अनुमान लगाया जा सकता है कि ये एक न्यू ऐज जॉनर एपिक कॉमेडी फिल्म साबित हो सकती है। इस मूवी का डायरेक्शन अबीर सेन गुप्ता कर रहे हैं, ये वही अबीर हैं जो इंदु की जवानी में कियारा आडवाणी और मिसेज अंडरकवर में राधिका आप्टे जैसी मशहूर एक्ट्रेस को डायरेक्ट कर चुके हैं। ऐसे में अब अबीर सेन गुप्ता ने रिस्की रोमियो के जरिए एक फ्रेश पेयर सनी सिंह और कृति खरबंदा पर दांव खेला है। रिस्की रोमियो के इस मोशन पोस्टर ने फैंस की एक्साइटमेंट को काफी बढ़ा दिया है, जिसके चलते वे इस पर जमकर लाइक और कमेंट कर रहे हैं। सनी सिंह और कृति खरबंदा ने बतौर कलाकार इंडस्ट्री में अपनी खास छाप छोड़ी है। प्यार का पंचनामा 2, सोनू के टीटू की स्वीटी और आदिपुरुष जैसी फिल्मों में सनी अपनी दमदार एक्टिंग की मिसाल पहले ही कायम कर चुके हैं। दूसरी ओर कृति खरबंदा राज रिबूट, पागलपंती, हाउसफुल 4 और शादी में जरूर आना जैसी फिल्मों से कृति अपनी खास पहचान बना चुकी हैं। ऐसे में अब रिस्की रोमियो के जरिए इन दोनों कलाकारों की जोड़ी पहली बार एक साथ नजर आएगी, तो ये देखना काफी दिलचस्प रहेगा। बता दें कि फिल्म आदिपुरुष में शेष का किरदार अदा करने वाले कलाकार सनी सिंह किसी अलग पहचान के मोहताज नहीं हैं। इंडस्ट्री के उभरते हुए एक्टर्स में उनका नाम जरूर शामिल होता है।